Follow us on: @TheDailyPioneer facebook.com/dailypioneer instagram.com/dailypioneer/

RNI NO.UPHIN/2010/36547
वर्ष 15 अंक 143
लखनऊ, बृहस्पतिवार, 13 मार्च 2025
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
लखनऊ, नगर संस्करण

Established 1865

पायनियर

लखनऊ, नई दिल्ली और रायपुर से प्रकाशित

www.dailypioneer.com

आभ्यन्तर

राष्ट्रीय-10

दलित परिवारों ने शिव मंदिर में किया प्रवेश, जाति आधारित भेदभाव का अंत

बलूचों का पाक सेना पर करारा प्रहार

पीटीआई। कराची/इस्लामाबाद

पाकिस्तान के बलूचिस्तान में विद्रोहियों ने एक ट्रेन पर कब्जा कर बंधक बनाए गए 21 यात्रियों और अर्धसैनिक बलों के चार जवानों की हत्या कर दी। सेना के एक जनरल ने बुधवार को यह जानकारी दी। सेना के प्रवक्ता लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ ने टीवी चैनल दुनिया न्यूज को बताया कि सुरक्षा बलों ने घटनास्थल पर मौजूद सभी 33 विद्रोहियों को मार गिराया है। लेफ्टिनेंट जनरल शरीफ ने कहा, सशस्त्र बलों ने सभी आतंकवादियों को मार गिराया और सभी यात्रियों को सुरक्षित छुड़ाकर आज (बुधवार) शाम को अभियान सफलतापूर्वक पूरा कर लिया। बलूच उग्रवादियों ने मंगलवार को एक सुरंग में हमला कर इस रेलगाड़ी पर कब्जा कर लिया था। अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षा बलों एवं उग्रवादियों के बीच मुठभेड़ लगातार दूसरे दिन बुधवार को भी जारी रही। अधिकारियों ने बताया कि नौ डिब्बों में लगभग 400 यात्रियों को लेकर जाफर एक्सप्रेस ट्रेन क्वेटा से खैबर पख्तूनख्वा के पेशावर जा रही थी तभी उग्रवादियों ने विस्फोटकों का इस्तेमाल कर ट्रेन को बेपटरी कर दिया और उस पर कब्जा कर लिया। बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने मंगलवार को इस हमले की जिम्मेदारी ली। उग्रवादियों ने छह सैनिकों की हत्या कर दी हालांकि पाकिस्तानी अधिकारियों ने अब तक मारे गए लोगों की पुष्टि नहीं की है। सेना और फ्रंटियर कोर सहित सुरक्षा बल क्वेटा से 160 किलोमीटर दूर एक सुरंग में गुडलार और पीरू कुनरी के पहाड़ी इलाकों के पास ट्रेन पर नियंत्रण करने वाले उग्रवादियों का मुकाबला कर रहे हैं।

पाकिस्तान के दक्षिण-पश्चिमी बलूचिस्तान प्रांत के बोलन जिले के मुश्कफ में उग्रवादियों द्वारा यात्री ट्रेन पर किए गए हमले के स्थल के पास रेलवे स्टेशन पर अर्धसैनिक बल का एक जवान। पीटीआई

बलूचिस्तान सरकार के प्रवक्ता शाहिद रिंद ने कहा कि जब तक सभी यात्रियों को बचा नहीं लिया जाता, तब तक अभियान जारी रहेगा। रिंद ने कहा कि बंधक स्थिति के कारण सुरक्षा बल अतिरिक्त सावधानी बरत रहे हैं। अधिकारियों ने बताया कि आत्मघाती जैकेट पहने कुछ उग्रवादियों ने महिलाओं और बच्चों को एकत्र कर उन्हें अपने पास बैठने के लिए मजबूर किया। उन्होंने बताया कि आत्मघाती हमलावरों के साथ महिलाओं और बच्चों की मौजूदगी के कारण अभियान को बेहद सावधानी से अंजाम दिया जा रहा है।

सुरक्षा सूत्रों ने बताया कि बचाव अभियान में अब तक 30 उग्रवादी मारे गए हैं जबकि 190 यात्रियों को बचा लिया गया है। सूत्रों के मुताबिक, घायल हुए करीब 30 लोगों को अस्पताल भेजा गया है। सूत्रों ने बताया कि अभियान के दौरान ट्रेन के मुख्य इंजन में सवार दो चालक और आठ सुरक्षाकर्मी मारे गए। यह पहली बार है जब बलूचिस्तान प्रांत में बीएलए या किसी भी उग्रवादी समूह ने यात्री ट्रेन को हाइजैक करने का सहारा लिया है, हालांकि पिछले वर्ष उन्होंने प्रांत के विभिन्न हिस्सों में सुरक्षा बलों, प्रतिष्ठानों और विदेशियों पर हमले बढ़ा दिए थे। सुरक्षा सूत्रों ने बताया कि यह अब तक स्पष्ट नहीं है कि हमले में कितने उग्रवादी शामिल हैं लेकिन उनमें से कुछ अपने आकाओं के संपर्क में रहने के लिए सैटेलाइट फोन का इस्तेमाल कर रहे हैं।

इस बीच, पाकिस्तान रेलवे ने पेशावर और क्वेटा रेलवे स्टेशन पर एक आपात स्थिति डेस्क स्थापित की है क्योंकि चिंतित रिश्तेदार अपने प्रियजनों के बारे में जानकारी प्राप्त करने के लिए पहुंच रहे हैं। पाकिस्तान रेलवे ने डेढ़ महीने से अधिक समय के निलंबन के बाद क्वेटा से पेशावर के लिए ट्रेन सेवाएं फिर से शुरू की थी। पाकिस्तानी मीडिया ने इससे पहले उस सुरंग के पास भीषण गोलीबारी और विस्फोट की खबर दी है, जहां उग्रवादियों ने ट्रेन पर हमला किया। विद्रोहियों ने दावा किया कि उन्होंने महिलाओं और बच्चों को मुक्त कर दिया है, लेकिन अधिकारियों ने इस दावे का खंडन किया और गृह राज्य मंत्री तलाल चौधरी ने कहा कि बंधकों को सुरक्षा बलों ने छुड़ाया है।

जिस इलाके में ट्रेन रुकी, वहां के जिला पुलिस अधिकारी राणा मुहम्मद दिलावर ने बताया कि सुरक्षा बलों ने इलाके को घेर लिया है लेकिन ऐसी खबरें हैं कि उग्रवादियों ने कुछ महिलाओं और बच्चों को बंधक बना लिया है। उन्होंने बताया कि ट्रेन में करीब चार से पांच सरकारी अधिकारी सवार थे। पेशावर रेलवे स्टेशन के वरिष्ठ अधिकारी तारिक महमूद ने कहा कि लोगों को सोशल मीडिया और अन्य माध्यमों के जरिए फैलाई जा रही अफवाहों पर ध्यान नहीं देना चाहिए।

बीएलए ने दावा किया कि उसने ट्रेन को पटरी से उतारकर उस पर कब्जा कर लिया। समूह ने कहा कि उसने छह सुरक्षाकर्मियों की हत्या कर दी है। बीएलए ने एक बयान में चेतावनी दी कि अगर पाकिस्तान की सेना कोई अभियान चलाती है, तो सभी बंधकों को मार दिया जाएगा। इस समूह पर पाकिस्तान, ब्रिटेन और अमेरिका में प्रतिबंध है। बलूचिस्तान में पिछले एक साल में उग्रवादी हमलों में बढ़ोतरी देखी गई है। पिछले वर्ष नवंबर में क्वेटा रेलवे स्टेशन पर एक आत्मघाती हमलावर ने खुद को बम से उड़ा लिया था जिसमें 26 लोगों की मौत हो गई थी और 62 अन्य घायल हो गए थे। इसके बाद रेलवे ने कई सेवाएं स्थगित कर दी थीं। दूसरी ओर संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में एक ट्रेन पर आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा की है और बंधक बनाए गए लोगों को तत्काल रिहा किए जाने का आह्वान किया। संयुक्त राष्ट्र प्रमुख ने जोर देकर कहा कि आम नागरिकों पर हमले अस्वीकार्य हैं।

हरियाणा स्थानीय चुनावों में भाजपा ने बाजी मारी

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

हरियाणा विधानसभा चुनावों में जीत की हैट्रिक बनाने के छह महीने से भी कम समय बाद, सत्तारूढ़ भाजपा ने बुधवार को राज्य के निकाय चुनावों में बाजी मारी, जिसमें 10 में से नौ मेयर सीटें जीतीं। निवर्तमान नगर निगमों में, भाजपा के सात नगर निकायों में मेयर थे। कांग्रेस, जो 2024 के विधानसभा चुनावों में हार का सामना करने के बाद अपने चुनावी भाग्य को बदलने की कोशिश कर रही थी, अपना खाता खोलने में विफल रही। पार्टी सोनीपत में हार गई, जहां उसका मेयर था, और रोहतक, जिसे उसके दिग्गज और पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा का गढ़ माना जाता है।

निर्दलीय उम्मीदवार इंद्रजीत यादव मेयर की सीट जीतने वाली एकमात्र गैर-भाजपा उम्मीदवार थीं। वह मानेसर से चुनी गईं, जहां पहली बार नगर निगम चुनाव हुए थे। नतीजों के बाद भाजपा खेमे में जश्न का माहौल है, चंडीगढ़ और कई जिलों में पार्टी नेताओं ने मिठाइयां बांटी। होली की खुशियां पहले ही शुरू हो गई थीं और भाजपा कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे को गुलाल लगाया। नतीजों के बाद मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि लोगों ने भाजपा सरकार के कामों और नीतियों पर अपनी मुहर लगाई है और एक 'ट्रिपल इंजन सरकार' बनाई है जो 'विकसित हरियाणा-विकसित भारत' के संकल्प को साकार करने के लिए तेज गति से काम करेगी।

सात नगर निगमों - गुरुग्राम, मानेसर, फरीदाबाद, हिसार, रोहतक, करनाल और यमुनानगर में महापौर और वार्ड सदस्यों के चुनाव के लिए मतदान 2 मार्च को हुआ था। अंबाला और सोनीपत में महापौर पदों के लिए उपचुनाव और 21 नगर निगम समितियों में अध्यक्ष और वार्ड सदस्यों के चुनाव भी उसी दिन हुए थे। परिणामों ने कांग्रेस को एक और झटका दिया है, जिसमें चुनावों से पहले जिलों में कार्यकर्ताओं और नेताओं ने भाजपा का दामन थाम लिया था। पार्टी की राज्य इकाई अतीत में अंदरूनी कलह और गुटबाजी से ग्रस्त रही है, जबकि भाजपा के पास जमीनी स्तर पर एक सुव्यवस्थित और मजबूत संगठनात्मक ढांचा है। सैनी ने कहा कि लोगों ने भाजपा सरकार के कार्यों और नीतियों पर अपनी स्वीकृति की मुहर लगाई है। सैनी ने चल रहे राज्य विधानसभा सत्र के दौरान संवाददाताओं से कहा कि 'ट्रिपल इंजन सरकार', जो केंद्र, राज्य और नगर निकायों में भगवा पार्टी की सरकार होने का संदर्भ है, 'विकसित हरियाणा-विकसित भारत' के संकल्प को साकार करने के लिए तीन गुना तेज गति से विकास करेगी।

सैनी ने कहा, परिणामों से साबित होता है कि हरियाणा के लोग विकास चाहते हैं और उन्होंने सुशासन के लिए अपना वोट दिया है। मानेसर में, निर्दलीय उम्मीदवार इंद्रजीत यादव ने अपने निकटतम भाजपा प्रतिद्वंद्वी सुंदर लाल को 2,293 मतों के अंतर से हराकर निगम के पहले महापौर बने। निखिल मदान निवर्तमान सोनीपत महापौर और कांग्रेस नेता थे। 2024 के विधानसभा चुनावों से पहले, वे भाजपा में शामिल हो गए और सोनीपत विधानसभा सीट जीत ली। इस बार सोनीपत से भाजपा के वरिष्ठ नेता राजीव जैन जीते। वहीं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हरियाणा नगर निकाय चुनावों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की बड़ी जीत को बुधवार को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि ये परिणाम मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व वाली राज्य सरकार के विकास कार्यों में लोगों के अटूट विश्वास की अभिव्यक्ति हैं।

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने नगर निगमों के लिए हुए चुनाव में भाजपा के मेयर उम्मीदवारों की जोरदार जीत के बाद पार्टी कार्यकर्ताओं के बीच मिठाई बांटी।

हरियाणा में ट्रिपल इंजन

1-सोनीपत-राजीव जैन
2-गुरुग्राम-राज रानी
3-फरीदाबाद- प्रवीण जोशी
4-हिसार- प्रवीण पोपली
5-रोहतक-राम अवतार
6-करनाल-रेणु बाला
7-यमुनानगर-सुमन
8-अंबाला-शैलजा सचदेवा
9-पानीपत-कोमल सैनी

लिया आशीर्वाद

नई दिल्ली में दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने भाजपा के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी से मुलाकात की। पीटीआई

ट्रेनों में व्यंजन सूची, भोजन का मूल्य प्रदर्शित करना अनिवार्य : रेल मंत्री

नई दिल्ली (भाषा)। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को लोकसभा को बताया कि ट्रेनों में यात्रियों को परोसे जाने वाले भोजन की कीमतें और व्यंजन सूची प्रदर्शित करना अनिवार्य है। उन्होंने सदन में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में कहा, यात्रियों की जानकारी के लिए आईआरसीटीसी (इंडियन रेलवे केटरिंग एंड टूरिज्म कॉरपोरेशन) की वेबसाइट पर सभी खाद्य पदार्थों की सूची और कीमतों की जानकारी दी गई है। सभी विवरणों के साथ छपी व्यंजन सूची वेटर को उपलब्ध कराए जाते हैं और यात्रियों को मांगने पर दिए जाते हैं। रसोई यानों में भी मूल्य सूची प्रदर्शित की गई है। इसके अलावा, भारतीय रेलवे में खानपान सेवाओं के मेनू और शुल्क के बारे में यात्रियों को जागरूक करने के लिए, व्यंजन सूची और शुल्क के लिंक के साथ यात्रियों को एसएमएस भेजना शुरू किया गया है। ट्रेनों में व्यंजन सूची, खाद्य पदार्थों की दर सूची और स्वच्छता, सफाई और भोजन की गुणवत्ता में सुधार के लिए उठाए गए कदमों के बारे में पूछे गए सवाल के जवाब में वैष्णव ने कहा कि नामित बेस किचन से भोजन की आपूर्ति, चिह्नित स्थानों पर आधुनिक बेस किचन की शुरुआत और भोजन तैयार होने के दौरान बेहतर निगरानी के लिए सीसीटीवी कैमरे लगाने जैसे उपाय किए गए हैं।

राबड़ी देवी और तेजस्वी यादव का नीतीश पर तीखा हमला

पायनियर समाचार सेवा। पटना

● **राबड़ी देवी ने मुख्यमंत्री पर भांग पीकर सदन में आने का आरोप लगाया, वहीं तेजस्वी यादव ने महिला विधायकों पर इशारे करने का आरोप लगाया**

बुधवार को बिहार विधानसभा में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उनकी पूर्ववर्ती राबड़ी देवी के बीच अभूतपूर्व तकरार देखने को मिली, जब दोनों 70 वर्षीय नेता एक-दूसरे पर जमकर हमला करने लगे, जिसमें विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव भी शामिल हो गए। राबड़ी ने जहां मुख्यमंत्री पर भांग पीकर सदन में आने का आरोप लगाया, वहीं नीतीश के अधीन पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी ने जदयू नेता के इस्तीफे की मांग की, जिन पर उन्होंने 'महिला विधायकों पर इशारे करने' का आरोप लगाया।

समस्या तब शुरू हुई जब राजद की सहयोगी भाकपा (माले) की एमएलसी शशि यादव अपनी कुर्सी पर खड़ी होकर सदन के समक्ष यह कहने लगीं कि वे अपने प्रश्न पर सरकार के जवाब से संतुष्ट नहीं हैं। एमएलसी नीतीश कुमार ने इस पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व वाली एनडीए सरकार पहले की सरकारों की तुलना में बहुत कुछ कर रही है, जिन्होंने कुछ नहीं किया। विधान परिषद में विपक्ष की नेता राबड़ी देवी ने हस्तक्षेप करते हुए कहा, आप दावा करते हैं कि आपके पदभार संभालने से पहले कोई काम नहीं हुआ। कृपया उस अवधि के रिकॉर्ड तलब करें। आपको बेहतर समझ में आएगा। नीतीश, जिन्होंने इस सप्ताह की शुरुआत में सदन के सामने अपने गुस्से का प्रदर्शन किया था, अपने पैरों पर खड़े हो गए और जोरदार तरीके से अपनी बात दोहराना शुरू कर दिया। राबड़ी देवी ने तंज कसते हुए कहा, 'आपके अनुसार, 2005 से पहले महिलाएं कपड़े भी नहीं पहनती थीं, जब आप मुख्यमंत्री बने थे।'

यह इशारा जेडी(यू) अध्यक्ष द्वारा हाल के दिनों में एक से अधिक बार की गई गलतियों की ओर था, जबकि वे महिलाओं को सशक्त बनाने के अपने प्रयासों को रेखांकित करने का प्रयास कर रहे थे। हालांकि, बिहार के सीएम ने अपनी बात पर अड़े रहे और विपक्ष के इस आरोप को खारिज कर दिया कि वे महिलाओं के प्रति असम्मानजनक हैं। 'इससे पहले महिलाओं को इतना सम्मान कभी नहीं मिला जितना अब मिल रहा है और राबड़ी देवी की ओर इशारा करते हुए उन्होंने कहा, उन्होंने महिलाओं के लिए क्या किया? उनके पति ने उन्हें तब मुख्यमंत्री बनाया जब वे मुश्किल में पड़ गए थे। उल्लेखनीय है कि राबड़ी देवी पहली बार 1997 में मुख्यमंत्री बनी थीं, जब चारा घोटाले में सीबीआई की चार्जशीट के बाद उनके पति लालू प्रसाद, जो उस समय राजद अध्यक्ष थे, को इस्तीफा देना पड़ा था। इस तीखी नोकझोंक के बाद सभापति अवधेश नारायण सिंह खड़े हुए और विपक्ष से सदन चलने देने की अपील की। ??हालांकि, राबड़ी देवी के नेतृत्व में विपक्ष ने सदन से वॉकआउट कर दिया, जबकि नीतीश ने संक्षिप्त भाषण जारी रखा, जिसमें उन्होंने राजद पर जातिगत समानता के कारण हिंदू-मुस्लिम दंगों के अपराधियों के प्रति नरम रुख अपनाने का आरोप लगाया। उन्होंने राजद के साथ दो बार गठबंधन करने पर खेद व्यक्त किया और कहा, मैं अपने पुराने सहयोगियों (भाजपा) के साथ वापस आ गया हूं। अब हम साथ रहेंगे और अपना अच्छा काम जारी रखेंगे। सदन के बाहर पत्रकारों से बात करते हुए (शेष पृष्ठ 9)

अवकाश सूचना

होली के पावन पर्व के उपलक्ष्य में पायनियर कार्यालय में 13 और 14 मार्च 2025 को अवकाश रहेगा। अत: 14 और 15 मार्च का अंक प्रकाशित नहीं होगा।

एयरटेल के बाद जियो ने स्टारलिंक से हाथ मिलाया

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

सुनील मित्तल की अगुवाई वाली एयरटेल द्वारा एलन मस्क की स्टारलिंक के साथ साझेदारी की घोषणा के एक दिन बाद ही, प्रतिद्वंद्वी मुकेश अंबानी की जियो प्लेटफॉर्म्स ने भी मस्क की एयरोस्पेस कंपनी स्पेसएक्स के साथ एक डील की, जिसके तहत स्टारलिंक की ब्रॉडबैंड इंटरनेट सेवाएं भारत में लाई जाएंगी। दिलचस्प बात यह है कि कुछ महीने पहले मित्तल और अंबानी दोनों ही अमेरिकी राष्टपति डोनाल्ड ट्रंप के दाहिने हाथ माने जाने वाले मस्क को बिना नीलामी के स्पेक्ट्रम आवंटित किए जाने पर आपत्ति जता रहे थे। पछले कुछ महीनों में प्रतिद्वंद्वी जियो और एयरटेल ने भारत में सैटेलाइट सेवाओं के लिए स्पेक्ट्रम आवंटित करने के लिए नीलामी की मांग की थी, क्योंकि उन्हें डर था कि प्रशासनिक आवंटन से मस्क को पहले की नीलामी के मुकाबले कम कीमत पर एयरवेव मिल जाएंगे। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड की दूरसंचार और डिजिटल संपत्तियों को रखने वाली कंपनी जियो प्लेटफॉर्म्स ने बुधवार को एक बयान में कहा कि यह समझौता स्पेसएक्स को भारत में स्टारलिंक को बेचने के लिए अपने स्वयं के प्राधिकरण प्राप्त करने के अधीन है। जियो रिटेल आउटलेट्स और ऑनलाइन स्टोर्स में स्टारलिंक उपकरण उपलब्ध कराएगा और डिवाइस पर ग्राहक इंस्टॉलेशन और एक्टिवेशन का भी समर्थन करेगा। जियो और स्पेसएक्स यह भी पता लगाएंगे कि वे एक-दूसरे की पेशकश को कैसे बढ़ावा दे सकते हैं। बयान में कहा गया है, (शेष पृष्ठ 9)

दिल्ली में कम बताया जा रहा प्रदूषण : अध्ययन

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

एक नए अध्ययन के अनुसार, सर्दियों के दौरान दिल्ली की नम हवा से नमी को सूक्ष्म कण अवशोषित कर सकते हैं, जिसके परिणामस्वरूप शहर के पीएम1 प्रदूषण का 20 प्रतिशत तक कम आकलन हो सकता है। यू.के. के बर्मिंघम विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं सहित शोधकर्ताओं ने बताया कि आर्द्र हवा से पानी को अवशोषित करके सूक्ष्म कण पदार्थ के बढ़ने से नमूना लेने वाले उपकरणों की दक्षता कम हो जाती है, जिससे संभवत: कम आकलन हो सकता है। एनपीजे क्लीन एयर नामक पत्रिका में प्रकाशित अध्ययन 'दुनिया के सबसे प्रदूषित महानगरों में पीएम1 प्रदूषण की समझ में कमी को पूरा करता है।' स्विस संगठन आईक्यूएयर की 2024 विश्व वायु गुणवत्ता रिपोर्ट के अनुसार, नई दिल्ली दुनिया की सबसे प्रदूषित राजधानी बनी हुई है।

आईक्यूएयर ने बताया कि एक माइक्रोन से कम व्यास वाले कण विशेष रूप से खतरनाक होते हैं क्योंकि वे फेफड़ों के ऊतकों में घुस सकते हैं और रक्तप्रवाह में प्रवेश कर सकते हैं। बर्मिंघम विश्वविद्यालय के अध्ययन लेखक यिंग चेन ने कहा, वायु गुणवत्ता आकलन करते समय, आर्द्रता में वृद्धि और आर्द्र परिस्थितियों में प्रदूषण के स्तर के महत्वपूर्ण कम आंकलन की संभावना पर विचार करना महत्वपूर्ण है। शोधकर्ताओं ने कहा कि प्रदूषण के स्तर में सबसे अधिक कम आंकलन दिसंबर-जनवरी में सर्दियों की सुबह के व्यस्त घंटों के दौरान (शेष पृष्ठ 9)

वैश्विक विवि रैंकिंग में आईआईटी, आईआईएम की रैंकिंग में गिरावट

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

नौ भारतीय विश्वविद्यालय और संस्थान क्यूएस विषयवार रैंकिंग में दुनिया के शीर्ष 50 में शामिल हैं, जबकि सूची में शामिल कुछ शीर्ष संस्थानों में तीन आईआईटी, दो आईआईएम और जेएनयू की रैंकिंग में गिरावट आई है। बुधवार को घोषित क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग के 15वें संस्करण के अनुसार, भारत ने विषय रैंकिंग और व्यापक संकाय क्षेत्रों में 12 शीर्ष-50 स्थान प्राप्त किए हैं, जिन्हें नौ संस्थानों ने अर्जित किया है। इस मामले में सबसे आगे इंडियन स्कूल ऑफ माइंस (आईएसएम), धनबाद है, जो इंजीनियरिंग-खनिज और खनन के लिए वैश्विक स्तर पर 20वें स्थान पर है, जिससे यह देश का सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाला विषय क्षेत्र बन गया है।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) बॉम्बे और खड़गपुर को इंजीनियरिंग-खनिज और खनन के लिए 28वें और 45वें स्थान पर रखा गया है। हालांकि, दोनों संस्थानों की रैंकिंग में गिरावट देखी गई है। आईआईटी दिल्ली और बॉम्बे, जो इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी के लिए 45वें स्थान पर थे, ने अपनी स्थिति में सुधार करते हुए क्रमश: 26वें और 28वें स्थान पर कब्जा कर लिया है। दोनों संस्थानों ने इंजीनियरिंग-इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक के लिए भी अपनी रैंकिंग में सुधार किया है और शीर्ष 50 की सूची में प्रवेश किया है।

भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) अहमदाबाद और बैंगलोर व्यवसाय और प्रबंधन अध्ययन के लिए दुनिया के शीर्ष 50 में बने रहे, लेकिन पिछले साल की तुलना में उनकी रैंकिंग में गिरावट आई है। जबकि आईआईएम अहमदाबाद की रैंकिंग 22 से गिरकर 27 हो गई, आईआईएम बैंगलोर 32 से गिरकर 40 पर आ गया। आईआईटी मद्रास (पेट्रोलियम इंजीनियरिंग) और जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) (विकास अध्ययन) दुनिया के शीर्ष 50 में बने रहे, लेकिन उनकी रैंकिंग में भी कुछ स्थानों की गिरावट आई।

क्यूएस ने एक बयान में कहा, कुल 79 भारतीय विश्वविद्यालय - पिछले साल की तुलना में 10 ज़्यादा - इस साल की रैंकिंग में 533 बार शामिल हुए हैं, जो पिछले संस्करण की तुलना में 25.7 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। इसमें व्यक्तिगत विषयों में 454 प्रविष्टियाँ और पाँच व्यापक संकाय क्षेत्रों में 79 प्रविष्टियाँ शामिल हैं। क्यूएस विषय-विशिष्ट रैंकिंग के नवीनतम संस्करण में, भारत में चीन, अमेरिका, यूके और कोरिया के बाद पाँचवीं सबसे बड़ी संख्या में नई प्रविष्टियाँ हैं, और कुल प्रविष्टियों की संख्या के मामले में 12वें स्थान पर है। क्यूएस ने कहा, रैंकिंग में शामिल नई प्रविष्टियों की उच्च संख्या देश के बढ़ते उच्च शिक्षा पारिस्थितिकी तंत्र की प्रवृत्ति का एक निरंतरता है, आकार और गुणवत्ता दोनों के मामले में।

केंद्रीय विश्वविद्यालयों में शिक्षकों के 5,400 पद रिक्त, आधे आरक्षित श्रेणियों के : सरकार

नई दिल्ली (भाषा)। सरकार ने बुधवार को राज्यसभा में कहा कि केंद्रीय विश्वविद्यालयों में शिक्षकों के 5,400 से अधिक पद रिक्त हैं, जिनमें से आधे से अधिक पद अन्य पिछड़ा वर्ग, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जजाति श्रेणियों के लिए आरक्षित हैं। केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री सुकांत मजूमदार ने कहा कि विशेष भर्ती अभियान के जरिए इन विश्वविद्यालयों में शिक्षकों के 7,825 से अधिक पद भरे गए हैं। उन्होंने एक सवाल के लिखित जवाब में यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि 31 जनवरी, 2025 तक केंद्रीय विश्वविद्यालयों में कुल 5,410 शिक्षण पद रिक्त थे, जिनमें एससी के लिए 788, एसटी के लिए 472 और ओबीसी वर्ग के लिए 1,521 पद शामिल हैं।

पायनियर
लखनऊ, बृहस्पतिवार, 13 मार्च, 2025

होली से पहले सीएम योगी ने 1.86 करोड़ परिवारों को दिया बड़ा तोहफा

सीधे बैंक खातों में भेजी गई 1890 करोड़ की धनराशि

● बोले सीएम, पहले घूस देकर मिलता था गैस कनेक्शन, अब मुफ्त में दिया जा रहा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

होली के ठीक पहले बुधवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत राज्य के 1.86 करोड़ पात्र परिवारों को गैस सिलेंडर रिफिल के लिए 1890 करोड़ रुपये की सब्सिडी वितरित की। इस योजना का शुभारंभ लखनऊ के लोकभवन सभागार में सीएम योगी ने बटन दबाकर किया। इस दौरान वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए प्रदेश के सभी जिलों के प्रभारी मंत्रियों ने भी कार्यक्रम में हिस्सा लिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले जहां गैस कनेक्शन के लिए घूस देना पड़ता था, वहीं अब देश में 10 करोड़ परिवारों को ये सुविधा फ्री में उपलब्ध कराई गई है। इसके साथ ही होली दीपावली पर गैस सिलेंडर भी मुफ्त दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस बार होली और रमजान एक साथ है, तो सभी लोगों को इस योजना का फायदा मिलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि उज्ज्वला योजना को 2016 में शुरू किया गया था, जिसके तहत देशभर में 10 करोड़ परिवारों को मुफ्त रसोई गैस कनेक्शन मिले। उत्तर प्रदेश में करीब 2 करोड़ लोग इस योजना से लाभान्वित हुए हैं। उन्होंने कहा कि 2021 के चुनाव में हमने वादा किया था कि 2022 में सरकार बनने पर होली और दीपावली पर मुफ्त गैस सिलेंडर दिया जाएगा। तब से हर साल यह योजना चल रही है ताकि लोग पर्व और त्योहार अच्छे से मना सकें। इस बार होली और रमजान दोनों साथ हैं, इसलिए सभी को इसका लाभ मिलेगा। सीएम ने पुराने दिनों को याद करते हुए कहा कि पहले एक गैस कनेक्शन के लिए 25-30 हजार रुपये की घूस देनी पड़ती थी और त्योहारों पर सिलेंडर भी नहीं मिल पाते थे। उन्होंने जोर देकर कहा कि यह योजना गरीब माताओं को धुएं से बचाने के लिए शुरू की गई है और इसमें किसी के साथ भेदभाव नहीं किया जा रहा।

मुख्यमंत्री ने बताया कि यूपी में 80 हजार राशन डीलर 3 करोड़ 60 लाख राशन कार्डधारकों के जरिए 15 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन बांट रहे हैं। 2017 में ई-पॉश मशीनों के जरिए राशन वितरण में पारदर्शिता लाई गई, जिससे कालाबाजारी पर रोक लगी। कोविड काल में जब लोग परेशान थे, तब से लगातार लगातार पांच साल हो गये हर महीने देश में 80 करोड़ लोगों को और यूपी में 15 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन दिया जा रहा है। सीएम योगी ने कहा कि सरकार गरीबों, किसानों और बेटियों के कल्याण के लिए संकल्पबद्धता के साथ काम कर रही है। प्रदेश में अबतक 22 लाख बेटियों को पढ़ाई के लिए प्रति बेटी 25 हजार रुपये की सहायता दी जा रही है, जबकि 4 लाख बेटियों की शादी मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत कराई गई है। अप्रैल से बेटियों की शादी के लिए 1 लाख रुपये की सहायता दी जाएगी। वहीं बोर्ड परीक्षाओं के रिजल्ट आने के बाद मेधावी बेटियों को स्कूटी और कामकाजी महिलाओं को अहिल्याबाई होलकर के नामपर आवासीय सुविधा भी मुहैया कराई जाएगी। वहीं, किसानों के लिए गेहूं की खरीद दर को 150 रुपये बढ़ाकर 2425 रुपये प्रति क्विंटल किया गया है। सीएम ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में राशन की दुकानों को अब अन्नपूर्णा भवन के रूप में विकसित किया जा रहा है, जहां जरूरत का सामान, बिजली बिल जमा करने की सुविधा और वेयरहाउस की व्यवस्था होगी। 2 हजार से अधिक अन्नपूर्णा भवनों का निर्माण चल रहा है। ग्राम सचिवालयों के जरिए ऑनलाइन आय, जाति, जन्म-मृत्यु प्रमाणपत्र भी दिए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि यूपी कभी बीमारू राज्य था, लेकिन आज देश की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। इसके अलावा 2027 तक भारत दुनिया तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगा।

लैंड जिहाद के जरिए प्रयागराज के पौराणिक स्थलों पर किया गया था कब्जा: योगी

● माफिया मुक्त प्रयागराज से हुआ पौराणिक स्थलों का कायाकल्प

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पिछली सरकारों के शासन में लैंड माफिया ने प्रयागराज के पौराणिक स्थलों-अक्षय वट, माता सरस्वती कूप, पातालपुरी, श्रृंगवेरपुर, द्वादश माधव और भगवान बेनी माधव पर अवैध कब्जे कर लिए थे, जिससे इनकी गरिमा को गहरी चोट पहुंची। सीएम योगी ने कहा कि महाकुंभ के दौरान इन स्थलों को माफिया मुक्त कर उनके कायाकल्प का मार्ग प्रशस्त हुआ, जिससे श्रद्धालु अब साल भर यां दर्शन कर सकते हैं। सीएम योगी ने कहा कि महाकुम्भ के आयोजन ने दुनिया को भारत के सामर्थ्य और सनातन धर्म के वास्तविक स्वरूप को दिखाया, साथ ही उत्तर प्रदेश की नकारात्मक छवि को भी बदला। सीएम योगी बुधवार को लखनऊ के ताज होटल में आयोजित 'मंथन: कुंभ एंड बियॉन्ड' विचार संगम कार्यक्रम में पत्रकारों के सवालों का जवाब दे रहे थे।

सीएम योगी ने कहा कि महर्षि भरद्वाज की नगरी प्रयागराज, जो दुनिया के पहले गुरुकुल की भूमि है, पिछली सरकारों के दौर में माफियाओं के हवाले थी। अक्षय वट को गुलामी के काल में कैद कर नष्ट करने की कोशिश की गई, जिससे 500 वर्षों तक श्रद्धालु दर्शन से वंचित रहे। माता सरस्वती कूप और पातालपुरी जैसे स्थल उपेक्षित रहे, जबकि श्रृंगवेरपुर-भगवान राम और निषादराज के मैत्री स्थल-पर लैंड जिहाद के जरिए कब्जा कर लिया गया। द्वादश माधव और नागवसुकी जैसे पवित्र स्थल भी अवैध कब्जों की चपेट में थे। सीएम योगी ने कहा कि महाकुंभ के दौरान वहां नए कॉरिडोर बनाकर इन स्थलों को मुक्त कराया गया, जो हमारी पौराणिक परंपरा के प्रति कृतज्ञता का प्रतीक है।

सीएम योगी ने कहा कि मकाकुम्भ के आयोजन ने न केवल दुनिया को भारत के सामर्थ्य और सनातन धर्म के वास्तविक स्वरूप को दिखाया, बल्कि उत्तर प्रदेश को लेकर बनी नकारात्मक धारणा को भी बदल दिया। सीएम योगी ने दावा किया कि महाकुंभ के माध्यम से दोनों लक्ष्य सफलतापूर्वक हासिल किए गए हैं। महाकुंभ ने सनातन धर्म के सच्चे और व्यापक स्वरूप को दुनिया के सामने प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि त्रिवेणी संगम में हर जाति, पंथ और क्षेत्र के श्रद्धालुओं ने एक साथ डुबकी लगाई, जो 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' की भावना को दर्शाता है। योगी ने कहा, दुनिया ने इसे आश्चर्य और कौतूहल की नजरों से देखा। उन्होंने कहा कि सनातन धर्म में भेदभाव की कोई जगह नहीं है। यह आयोजन इसकी एक झलक थी। उन्होंने इसे उत्तर प्रदेश के लिए अपनी सकारात्मक छवि को वैश्विक मंच पर पेश करने का अनूठा अवसर बताया। सीएम योगी ने कहा कि 45 दिनों के इस आयोजन में 66 करोड़ 30 लाख श्रद्धालुओं ने स्नान किया, जिसे योगी ने दुनिया का सबसे बड़ा आध्यात्मिक, धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजन करार दिया।

विपक्ष पर तीखा हमला बोलते हुए सीएम योगी ने कहा कि जिनकी सोच नकारात्मक है, उनसे सकारात्मकता की उम्मीद करना बेकार है। उन्होंने स्वतंत्र भारत के पहले कुंभ (1954) से लेकर 1974, 1986, 2007 और 2013 तक कांग्रेस और समाजवादी पार्टी (सपा) के शासनकाल में हुई अव्यवस्थाओं का जिक्र किया। 1954 में एक हजार से अधिक मौतें हुईं, 2007 में प्राकृतिक आपदा ने जन-धन की हानि की और 2013 में मॉरिशस के तत्कालीन प्रधानमंत्री ने संगम की गंदगी देखकर आंसू बहाए थे। सीएम योगी ने कहा कि पिछली सरकारों ने कुंभ को अव्यवस्था और गंदगी का अड्डा बना दिया था। आज वही लोग हमारे स्वच्छ महाकुंभ पर सवाल उठा रहे हैं।

लौहपुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल के नाम पर हर जिले में बनेगा इंप्लाईमेंट जोन: मुख्यमंत्री

नए वित्तीय वर्ष में हर बेटी की शादी पर खर्च करेंगे एक लाख: सीएम योगी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/ जौनपुर

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि लौहपुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल के नाम पर हर जनपद में इंप्लाईमेंट जोन बनेगा। हर व्यक्ति को स्किल डवलपमेंट, रोजगार, सम्मानजनक कार्य मिल सके, यहां इसके लिए निरंतर प्रयास होंगे। 100 एकड़ के क्षेत्रफल में ट्रेनिंग के साथ प्लेसमेंट, करियर काउंसिलिंग के कार्यक्रम प्रारंभ होते दिखाई देंगे। जौनपुर इस कार्यक्रम के लिए अभी से तैयारी करे, जिससे स्थानीय युवाओं को बाहर जाने के लिए मजबूर न होना पड़े।

सीएम योगी आदित्यनाथ बुधवार को शाही किला में आयोजित मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना कार्यक्रम के तहत 1001 जोड़ों के विवाह में शामिल हुए। सीएम ने नवदंपतियों पर पुष्पवर्षा भी की। उन्होंने जौनपुर महोत्सव के प्रतिभागी कलाकारों का सम्मान भी किया। सीएम योगी ने मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना की सफलता की कहानी सुनाई। बताया कि जब इस योजना को प्रारंभ किया तो लोग हंसते थे कि यह गरीब का अपमान है। पहले 35 हजार की राशि रखी गई थी, एक वर्ष में एक लाख शादी हो गई। वहीं मार्च 2025 तक प्रदेश में चार लाख शादी संपन्न हो चुकी है। इससे प्रतीत होता है कि यह समाज की आवश्यकता थी। दहेज के अभाव में कोई बेटी अविवाहित न रह जाए। सरकार जिम्मेदारी लेगी कि बेटी का कन्यादान करेंगे और परिवार के साथ संबल बनकर खड़े रहेंगे। जब सरकार का यह भाव होता है तो परिवार आर्थिक स्वावलंबन की दिशा में अग्रसर होता है। सीएम ने आठ वर्ष में सरकार द्वारा किए गए कार्यों को भी गिनाया। मुख्यमंत्री ने आयोजन स्थल पर लगी प्रदर्शनी की तारीफ की। बोले कि यहां की इमरती भी जीआई टैग हो गई। इसे भी अंतरराष्ट्रीय बाजार में मान्यता मिलेगी और इसका एक्सपोर्ट होगा। यह देश के बाजार में यह छा जाएगी। प्रयास होना चाहिए कि किसी को उपहार स्वरूप यहां की इमरती ही दी जाए। उसकी मिठास जीवन में हमेशा घुली रहेगी। इत्र दीजिए, उसकी सुगंध लोगों को जौनपुर के साथ जोड़ेगी और जनपद को नई पहचान दिलाएगी। योगी ने कहा कि जौनपुर को स्मार्ट सिटी बनाने जा रहे हैं। शहर के अंदर की सभी सड़कों, ड्रेनेज, बिजली के झूलते तारों की समस्या का एक झटके में समाधान होगा। सीएम ने गोमती तट पर बने घाटों व सड़कों की तारीफ की। बोले कि जौनपुर अब विकास में पीछे नहीं रहने वाला है। जाफराबाद- जौनपुर में फ्लाईओवर, जौनपुर से जफराबाद सुल्तानपुर लखनऊ रेल सेक्शन के जौनपुर सिटी के उत्तर में समपार फाटक पर फ्लाईओवर, जौनपुर-अकबरपुर मार्ग को नेशनल हाईवे के फोरलेन का कार्य युद्ध स्तर पर चल रहा है। इसके लिए 216 करोड़ रुपये और दोनों उपरिगामी सेतु के लिए 169 करोड़ व 92 करोड़ रुपये की स्वीकृति पहले दी जा चुकी है। जौनपुर-मीरजापुरमार्ग (विंध्यवासिनी धाम) से जोड़ने का कार्य भी सरकार ले रही है। मुगरा-बादशाहपुर में बाईपास निर्माण को भी सरकार तेजी से बढ़ा रही है। सरकार ने जौनपुर में 17 पुल स्वीकृत किए हैं। सरकार जौनपुर की कनेक्टिविटी को बेहतर कर रही है। सेतु भी दो स्थानों को जोड़ रहा है तो सामूहिक विवाह की योजना दो परिवारों को अटूट संबंध में जोड़ने का कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि नए वित्तीय वर्ष में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना में हर बेटी की शादी पर एक लाख रुपये खर्च करेंगे। मेधावी बेटियों को स्कूटी भी देंगे। जीरो पॉवर्टी के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए पहली अप्रैल से कार्यक्रम बढ़ेगा तो गरीबों-वंचितों को उन सभी योजनाओं से आच्छादित करेंगे, जिसका लाभ उन्हें नहीं मिल पाया है।

सीएम ने कहा कि हम बोलते थे कि 40 करोड़ लोग आएंगे तो लोग हंसते थे, लेकिन आए 66.30 करोड़ श्रद्धालु। इन लोगों ने पहले दिन से नकारात्मकता फैलाने की मुहिम चलाई थी। इनकी दृष्टि से गंदगी से भरी रहती है। जो लोग सिर तक गंदगी से सने हुए हैं, उनसे अच्छाई की उम्मीद करना दुस्वप्न था। जब टीम के लोग कहते थे कि यह नकारात्मकता पैदा कर रहे हैं, तब मैं कहता था कि इनकी नकारात्मकता ही आयोजन की सफलता में सहायक बनेगी। 100 देशों के श्रद्धालु महाकुम्भ में शामिल हुए और यह मानवता के समागम का सबसे बड़ा समारोह बन गया। इस पर्व ने प्रयागराज व प्रदेश को 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' के भाव से जोड़ने का कार्य किया। आस्था का सम्मान हुआ तो आजीविका बढ़ती हुई दिखी। यूपी की अर्थव्यवस्था को नई गति मिली।

पायनियर
वर्गीकृत

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपना नाम Ravindra Kumar Singh से बदलकर Ravindra Singh कर लिया है भविष्य मे मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाए Ravindra singh HN -B-13/1 sulabh Awas sector-6 gomti Nagar extension Lucknow

सूचना

मैं, आर्मी नं० 14445615F हवलदार बाबू लाल यादव मेरे पुत्र का नाम गलती से अंशुमान सर्विस रिकार्ड में लिख गया है जब कि सही नाम-अंशुमान यादव है।

सूचना

मैं, आर्मी नं० 14445615F हवलदार बाबू लाल यादव, मेरी पत्नी नीलम देवी का गलत जन्मतिथि 20-08-1983 सर्विस रिकार्ड में हो गया है। सही जन्मतिथि 22-10-1982 हैं

सूचना

मैंने अपना नाम मसरूरअली अंसार अली सैयद से बदलकर मसरुरअली भविष्य के लिए रख लिया है मसरूरअली पुत्र अंसार अली निवासी खाईपार, जिला बांदा-210001

आवश्यकता है

आवश्यकता है
ठा0 जयनारायण सिंह मेमोरियल डिग्री कालेज, हथगाम, फतेहपुर
(कालेज कोड-02039)
सम्बद्ध- प्रो० राजेन्द्र सिंह (रज्जू भइया) विश्वविद्यालय, प्रयागराज, उ०प्र०।
एम०एस-सी०- विषय-जन्तु विज्ञान सहा० आचार्य-पद 02
वनस्पति विज्ञान सहा० आचार्य पद- 02
एम०ए०- विषय-हिन्दी सहा० आचार्य-पद 02
योग्यता- सम्बन्धित विषय में परास्नातक 55 प्रतिशत व नेट/पी०एच०डी
वेतनमान- 25000/- प्रतिमाह
नोट:- इच्छुक अभ्यर्थी आवेदन पत्र के साथ 4 फोटो, आधार कार्ड, पैन कार्ड तथा शैक्षणिक योग्यता से सम्बन्धित समस्त संलग्नकों सहित, विज्ञापन की तिथि से 15 दिनों के अन्दर कार्यालय में जमा करें, ई-मेल या पंजीकृत डाक से भेजें।
ई-मेल:- jncllg@gmail.com
पता:- ठा0 जयनारायण सिंह मेमोरियल डिग्री कालेज, हथगाम, फतेहपुर, उ0प्र0 - 212652
सचिव
मो० 8810759518, 8810759504

सूचना

सार्वजनिक सूचना
डी०सी०बी० बैंक लिमिटेड, लखनऊ के निर्देश के तहत, सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्री अभिषेक जैसवाल, एक किता भवन सं०-556/9, रकबा 27.88 वर्गमीटर, स्थित-मोहल्ला- सुजानपूरा, आलमबाग, वार्ड- बाबूकुंज बिहारी, लखनऊ के पूर्णतया स्वामी है एवं स्वामित्व से सम्बन्धित पूर्व मूल विक्रय विलेख दिनांकित 25.08.2007 जो मो० असलम सिद्दीकी पुत्र स्व० सईद अहमद के द्वारा इरफान खान पुत्र स्व० इखलाक खान के पक्ष में निष्पादित है, जो कार्यालय उप-निबन्धक प्रथम, लखनऊ में बही सं० 1, जिल्द नंबर 8536, पृष्ठ 56 से 83 क्रमांक 7734 पर पंजीकृत है, जो कि उनके पास अनुपलब्ध है विदित हो ये दस्तावेज कहीं खो चुके है जिसके सम्बन्ध में एक एन०सी०आर० दिनांक 27.02.2025, एल०ए०आर० संख्या 20250000145616 को पुलिस यूनीटः पुलिस कंप्यूटर केंद्र, तकनीकी सेवायें मुख्यालय, लखनऊ में दर्ज की गयी है। जैसा कि श्री अभिषेक जैसवाल उपरोक्त सम्पत्ति के एवज् में डी०सी०बी० बैंक लिमिटेड, लखनऊ से ऋण लेना चाहते है। अतः किसी भी व्यक्ति को इस सम्पत्ति में किसी भी पूर्व अधिकार या ब्याज का दावा करने या किसी भी तरह से दावा करने या किसी व्यक्ति / बैंक / निगम / वित्तीय को उपरोक्त विलेख जमा करके ऋण उठाया है तो सार्वजनिक सूचना की तारीख से 7 दिनों के भीतर लिखित आपत्ति दे सकता है। इस नोटिस की अवधि समाप्त होने के बाद, किसी भी दावे पर विचार नहीं किया जाएगा और इस तरह के दावे का कानून की नजर में कोई मूल्य नहीं होगा, यह भी माना जाएगा कि डी०सी०बी० बैंक लिमिटेड, लखनऊ के साथ उपरोक्त सम्पत्ति को गिरवी रखने के लिए किसी को कोई आपत्ति नहीं है।
विवेक श्रीवास्तव (एडवोकेट)
कार्यालय/निवासी- 3/40, वास्तु खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010, फोन: 9839485155

मुख्यमंत्री ने वाराणसी में किया निर्माणाधीन क्रिकेट स्टेडियम का निरीक्षण

समयबद्धता व गुणवत्ता पर दिया विशेष जोर, बोले-युद्ध स्तर पर अभियान चलाकर तय समयसीमा में पूर्ण कराएं कार्य

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/ वाराणसी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बुधवार को वाराणसी पहुंचे। उन्होंने यहां सबसे पहले गंजारी राजातालाब स्थित अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम का निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री ने स्टेडियम के मॉडल का अवलोकन किया, फिर यहां हो रहे कार्यों का जायजा लिया। मुख्यमंत्री ने स्टेडियम के कार्य में समयबद्धता व गुणवत्ता पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि युद्ध स्तर पर अभियान चलाकर कार्य को तय समयसीमा में पूर्ण कराएं। अधिकारियों ने स्टेडियम के निर्माण कार्य के प्रगति के संबंध में विस्तार से मुख्यमंत्री को अवगत कराया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्टेडियम में कार्य कर रहे इंजीनियरों, कर्मियों, विभिन्न स्थानों से आए एवं कार्यरत श्रमिकों से वार्ता कर उनका हौसला बढ़ाया। गौरतलब है कि गंजारी में 451 करोड़ रुपये की लागत से कुल 30.66 एकड़ क्षेत्र में यह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम बन रहा है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से स्टेडियम के ड्रेनेज, सड़क कनेक्टिविटी आदि की जानकारी ली। इस निर्माणाधीन क्रिकेट स्टेडियम में 30000 लोग बैठकर मैच देख सकेंगे। बताते चलें कि गंजारी क्रिकेट स्टेडियम के बन जाने पर उत्तर प्रदेश ही नहीं बल्कि बिहार, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ के युवा खिलाड़ियों के हुनर को निखारने का यह सबसे बड़ा केंद्र होगा। यहां राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय मैचों के साथ बैडमिंटन, टेबल टेनिस, तैराकी की भी सुविधा होगी। उत्तर प्रदेश में कानपुर और लखनऊ के बाद यह तीसरा स्टेडियम होगा, जहां अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच खेले जाएंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 23 सितंबर को राजातालाब के गंजारी में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम का शिलान्यास किया था।

निरीक्षण के दौरान कैबिनेट मंत्री अनिल राजभर, राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) रविंद्र जायसवाल, दयाशंकर मिश्र 'दयालु', महापौर अशोक तिवारी, जिला पंचायत अध्यक्ष पूनम मौर्या, विधायक सौरभ श्रीवास्तव, नीलकंठ तिवारी, विधान परिषद सदस्य हंसराज विश्वकर्मा, धर्मेंद्र सिंह आदि मौजूद रहे।

रंगों के साथ ही सुरक्षित व सुविधायुक्त मनाएं होली

● होलिका दहन बिजली के खंभों और ट्रांसफार्मरों से दूर करने की अपील

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उत्तर प्रदेश में योगी सरकार के नेतृत्व में त्योहारों को सुरक्षित और निर्बाध बनाने की कवायद तेज हो गई है। इसी कड़ी में उत्तर प्रदेश पावर कारपोरेशन लिमिटेड (यूपीपीसीएल) ने होली के अवसर पर उपभोक्ताओं के लिए विशेष एडवाइजरी जारी की है। इस एडवाइजरी में सुरक्षित होली मनाने की अपील के साथ-साथ बिजली बिल की समय पर अदायगी और बकाया वसूली पर भी जोर दिया गया है। योगी सरकार का लक्ष्य है कि प्रदेशवासियों को त्योहार के दौरान किसी भी तरह की असुविधा न हो और बिजली विभाग का राजस्व संग्रह भी प्रभावी ढंग से हो सके। यूपीपीसीएल ने सम्मानित विद्युत उपभोक्ताओं और आम नागरिकों से अपील की है कि वे बिजली के खंभों, ट्रांसफार्मरों और लाइनों के नीचे या आसपास होलिका दहन न करें। एडवाइजरी में कहा गया है कि आग की लपटों से एल्यूमिनियम तारों और बिजली के केबलों के जलने या टूटने की स्थिति में गंभीर विद्युत दुर्घटनाएं हो सकती हैं।

उपभोक्ताओं से अनुरोध किया गया है कि होलिका दहन बिजली की लाइनों और उपकरणों से सुरक्षित दूरी पर करें ताकि त्योहार का आनंद निर्बाध रूप से उठाया जा सके। उत्तर प्रदेश पावर कारपोरेशन ने इस अवसर पर सभी उपभोक्ताओं को होली की अग्रिम शुभकामनाएं भी दी हैं। यूपीपीसीएल ने कहा कि वह प्रदेशवासियों के साथ मिलकर इस त्योहार को सुरक्षित और खुशहाल बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

भाजपा सरकार भूमाफियाओं और अपराधियों को संरक्षण दे रही: अखिलेश

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा सरकार भूमाफियाओं और अपराधियों को संरक्षण दे रही है। भाजपा सबसे बड़ी भूमाफिया पार्टी है। पूरे प्रदेश में भाजपा के संरक्षण में भूमाफिआओं का आतंक है। जब से भाजपा सत्ता में आयी हैए भाजपा के लोग गरीबों को प्रताड़ित कर जगह.जगह जमीनों पर जबरन रजिस्ट्री कराकर कब्जे कर रहे हैं। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार के दौरान अयोध्या समेत कई जिलों में हुई जमींनों की रजिस्ट्रियां देख ली जाय तो पूरी पोल खुल जायेगी। अब तो हद हो गयी कि सेना के पूर्व अधिकारी की जमीनों पर भी भूमाफिया कब्जा कर रहे हैं। विरोध करने पर मारपीट करते है। धमकी देते हैं। कानून व्यवस्था की इससे खराब तस्वीर और क्या हो सकती है कि भूमाफियाओं ने सेना के रिटायर्ड ब्रिगेडियर की जमीन पर कब्जा कर लिया और विरोध करने पर जानलेवा हमला किया। पीड़ितों को न्याय नहीं मिल रहा है। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार में कानून व्यवस्था ध्वस्त है। हत्या, लूट, बलात्कारए जमीनों पर कब्जे की घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही है। विवाद में प्रदेश में हर दिन हत्याएं हो रही है। हालात बद.से.बदतर होती जा रही है। स्थितियां अब और बदहाल होती जा रही है। भाजपा सरकार में हर जिले में तेजी से भूमाफिआ पनप रहे हैं। अखिलेश यादव ने कहा कि प्रदेश के जिलों.जिलों में दबंगों द्वारा ऐसी तमाम घटनाएं हो रही है। सरकार के संरक्षण में जमीनों में बड़े पैमाने पर हेराफेरी हो रही है।

महाकुंभ में सराहनीय योगदान के लिए संस्कृति विभाग के अधिकारी व कर्मचारी सम्मानित

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

महाकुम्भ 2025 में सराहनीय योगदान तथा सनातन संस्कृति व आस्था को विश्व समुदाय के समक्ष स्थापित करने में संस्कृति विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बधाई एवं हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि 66 करोड़ से अधिक आस्था के समुद्र का प्रबंधन एवं सुरक्षित वापसी से लेकर आस्था की डुबकी लगाने के लिए की गयी व्यवस्था को आज दुनिया कौतूहल के निगाह से देख रही है। उन्होंने महाकुम्भ के दिव्य और भव्य आयोजन के लिए प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का आभार जताया।

पर्यटन मंत्री बुधवार को इंदिरागांधी प्रतिष्ठान में आयोजित महाकुम्भ एवं फागोत्सव कार्यक्रम को सम्बोधित कर रहे थे। इस अवसर पर पर्यटन मंत्री ने मुकेश कुमार मेश्राम, प्रमुख सचिव पर्यटन एवं संस्कृति रवीन्द्र कुमार, विशेष सचिव संस्कृति डॉ. सृष्टि धवन, अपर निदेशक संस्कृति निदेशालय दिलीप कुमार गुप्ता, वित्त नियंत्रक उमा द्विवेदी, संयुक्त सचिव डॉ. रेनू द्विवेदी, निदेशक राज्य पुरातत्व निदेशालय अमित कुमार अग्निहोत्री, निदेशक राज्य अभिलेखागार तुहिन द्विवेदी, सहायक निदेशक संस्कृति निदेशालय डॉ. राजेश अहिरवार, सहायक निदेशक रीनू रंगभारती, सहायक निदेशक, संस्कृति निदेशालय सुशील कुमार, सहायक लेखाधिकारी संस्कृति निदेशालय ज्ञानेन्द्र दत्त बाजपेयी, विभागाध्यक्ष नृत्य, भातखण्डे संस्कृति विश्वविद्यालय जेपी सिंह पर्यटन सलाहकार को सम्मानित किया गया।

इसके अलावा केवल राम, सूचना अधिकारी मंत्री अमित गुप्ता, जनसम्पर्क अधिकारी डॉ. वीरेन्द्र सिंह मीडिया सलाहकार पर्यटन मंत्री संस्कृति निदेशालय अतुल द्विवेदी, निदेशक लोक एवं जनजाति संस्कृति संस्थान डॉ. राकेश सिंह, निदेशक अन्तर्राष्ट्रीय बौद्ध शोध संस्थान लखनऊ विपिन कुमार, निदेशक भारतेन्दु नाट्य अकादमीए डॉ. शोभित कुमार नाहर निदेशक संगीत नाटक अकादमी, श्रद्धा शुक्ला निदेशक राज्य ललित कला अकादमी, धर्मेन्द्र यादव, प्रशासनिक अधिकारी, संस्कृति निदेशालय, गौरव पाठक, वैयक्तिक सहायक श्रेणी, संस्कृति निदेशालय, और अमीष कुमार आदि को मंत्री ने सम्मानित किया। इस अवसर पर लोक कलाकरों द्वारा फूलों की होली कार्यक्रम पेश किया गया।

सूर्यगढ़ की तर्ज पर यूपी में विकसित होंगे तीन हेरिटेज होटल: पर्यटन मंत्री

लखनऊ। राज्य की विरासत संपत्तियों को नया स्वरूप देने के साथ ही उसके पुराने वैभव को लौटाने और आय स्रोत को मजबूत करने का प्रदेश सरकार का प्रयास आकार लेने लगा है। लखनऊ में स्थित रोशन उद दौला, छतरमंजिल और मीरजापुर जिले में स्थित चुनार फोर्ट के विकास के लिए बुधवार को समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर हुआ। यह एग्रीमेंट पर्यटन विभाग और गोल्डन ट्रायंगल फोर्ट एंड पैलेस प्राइवेट लिमिटेड के साथ हुआ है। तीनों विरासत संपत्तियों को सूर्यगढ़ जैसलमेर की तर्ज पर हेरिटेज होटल की रूप में विकसित किया जाएगा। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने यह जानकारी देते हुए बताया कि उक्त तीनों प्रापर्टी को गोल्डेन ट्रायंगल, राजस्थान को पीपीपी मोड पर विकसित करने के लिए दिया गया है। गोल्डन ट्रायंगल फोर्ट एंड पैलेस की आतिथ्य इकाई ब्रांड सूर्यागढ़ कलेक्शन, जो जैसलमेर में सूर्यागढ़, बीकानेर में नरेंद्र भवन और बिनसर में मैरी बुडेन एस्टेट का संचालन करती है, अब इन विरासत स्थलों की रूपरेखा तैयार करने, विकसित करने और प्रबंधन का कार्य करेगी।

धर्मस्थलों से लाउडस्पीकर की आवाज पर स्थाई नियंत्रण सुनिश्चित हो : मुख्यमंत्री

● मुख्यमंत्री ने गौ तस्करों पर पैनी नजर रखने का दिया निर्देश, कहा- जवाबदेही तय हो

मुख्यमंत्री ने होलिकोत्सव पर विशेष सुरक्षा बरतने का दिया निर्देश

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ, वाराणसी

योगी आदित्यनाथ ने धर्म स्थलों से लाउडस्पीकर के आवाज पर स्थाई नियंत्रण की कार्यवाही सुनिश्चित कराने तथा डीजे आदि के भी तेज ध्वनि को सख्ती के साथ रोकने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने सुरक्षा के दृष्टिगत शहर के प्रमुख स्थलों के साथ ही बैंक-वित्तीय संस्थाओं, दुकानों, प्रतिष्ठानों में अधिक से अधिक सीसीटीवी कैमरे लगाए जाने के लिए प्रेरित करने का और गौ तस्करों पर पैनी नजर रखने का निर्देश दिया। इसकी जवाबदेही तय करने पर भी मुख्यमंत्री का जोर रहा। उन्होंने कहा कि प्रदेश में गौ तस्करी पर पूर्णतया प्रतिबंध है। इसमें जो भी संलिप्त पाया जाय, वह तस्कर हो, वाहन स्वामी या फिर पुलिस प्रशासन का ही व्यक्ति, उस पर कठोर कार्रवाई की जाय।

बुधवार को सर्किट हाउस में विकास कार्यों व कानून व्यवस्था की समीक्षा करते हुए उन्होंने विकास/निर्माण परियोजनाओं को युद्ध स्तर पर अभियान चलाकर पूर्ण कराए जाने का निर्देश दिया। उन्होंने अधिकारियों को अपनी विभागीय परियोजनाओं की बराबर मॉनिटरिंग का निर्देश देते हुए कहा कि विकास परियोजनाओं में लेटलतीफी बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। होली पर्व को उन्होंने सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाये जाने पर विशेष जोर दिया।

मुख्यमंत्री ने एडीजी जोन पीयूष मोर्डिया को गौ-तस्करी पर प्रभावी नियंत्रण हेतु जनपदवार समीक्षा करते हुए जिम्मेदारी तय करने को निर्देशित किया। उन्होंने राजस्व से संबंधित वादों के समयबद्ध निस्तारण पर जोर देते हुए कहा कि लंबे समय से एक ही पटल पर जमे एवं शिथिलता बरतने वाले कर्मियों को हटाया जाए। सीएम हेल्प लाइन और आईजीआरएस पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों का मेरिट के आधार पर समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनपद में गतिमान परियोजनाओं का गुणवत्ता के साथ समय सीमा के अंदर पूर्ण कराया जाना सुनिश्चित कराया जाए। इसमें शिथिल कार्य करने वाली संस्थाओं की जवाबदेही तय की जाएगी। उन्होंने प्रत्येक निर्माणाधीन परियोजनाओं की मॉनिटरिंग के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त करने के साथ ही प्रत्येक सप्ताह जांच कराकर रिपोर्ट प्राप्त करने का निर्देश दिया। समीक्षा के दौरान कतिपय परियोजनाओं की प्रगति धीमी पाए जाने पर कार्य में अपेक्षित गति लाए जाने हेतु निर्देशित किया।

मुख्यमंत्री ने सभी गेहूं क्रय केंद्रों पर किसानों के लिए सस्ते भोजन, नि:शुल्क पेयजल, बैठने की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित कराए जाने का भी उन्होंने निर्देश दिए। जिलाधिकारी द्वारा गेहूँ खरीद के संबंध में बताया गया कि आगामी 17 मार्च से जनपद के कुल 36 केंद्रों पर सरकारी रेट 2425 रुपये में गेहूं खरीदारी शुरू होगी। जनपद में उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए हुए एमओयू के सापेक्ष अब तक निवेश की जानकारी लेते हुए इसमें प्रभावी ढंग से कार्यवाही का निर्देश दिया। उन्होंने जनपद में कामकाजी महिलाओं के लिए छात्रावास एवं सस्ती कैंटीन की व्यवस्था करने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी एस. राजलिंगम ने निर्माणाधीन विभिन्न परियोजनाओं की जानकारी पीपीटी के माध्यम से रखी। जिसमें बताया गया कि रिंग रोड फेज-2 के गंगा पर निर्माणाधीन पुल के एक लेन का कार्य आगामी मार्च तथा जून 2025 तक पूरी परियोजना को पूरा किया जायेगा। यूपीपीसीएल तथा लोक निर्माण विभाग के लगभग सभी प्रोजेक्ट्स में देरी पर मुख्यमंत्री ने नाराजगी जताते हुए कार्य में तेजी लाते हुए गुणवत्ता के साथ पूरा करने को कहा।

होलिकोत्सव पर विशेष सुरक्षा बरतने का निर्देश

मुख्यमंत्री ने होलिका दहन वाले स्थलों, होलिकोत्सव, शोभा यात्रा की सुरक्षा के प्रति विशेष सतर्कता बरतने का निर्देश अधिकारियों को दिए। उन्होंने शहर में बेहतर ट्रैफिक मैनजमेंट, क्राउड मैनेजमेंट के साथ ही आमजन, श्रद्धालुओं, दर्शनार्थियों के साथ पुलिस प्रशासन के कार्मिकों द्वारा अच्छा व्यवहार किए जाने पर विशेष जोर दिया। मुख्यमंत्री ने अपराधियों पर प्रभावी नियंत्रण हेतु थानावार टॉपटेन अपराधियों की सूची तैयार कर उनके विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करने का निर्देश दिया। उन्होंने नियमित पुलिस पेट्रोलिंग, फुट पेट्रोलिंग कराए जाने पर जोर दिया। पुलिस बूथों एवं पिंक बूथों में प्रत्येक समय पुलिस के जवान मौजूद रहे। उन्होंने जिले में साइबर क्राइम पर सतर्क दृष्टि रखने के साथ ही उस पर पूर्ण नियंत्रण करने का निर्देश दिया। पुलिस कमिश्नर मोहित अग्रवाल ने कानून व्यवस्था, होलिका दहन तथा होली के अवसर पर निकलने वाले जुलूस की तैयारी, लाउडस्पीकर अभियान, विगत दिनों महाकुंभ के पलट प्रवाह का सफल आयोजन समेत तीन नये कानूनों के क्रियान्वयन की जानकारी दी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गर्मी के दृष्टिगत कही भी पेयजल की समस्या न आने पाए। उन्होंने महाकुंभ के आयोजन के दौरान जनपद में जिला प्रशासन द्वारा बेहतर व्यवस्था एवं सराहनीय कार्य किए जाने पर प्रशंसा की। फ्लाईओवर के पिलरों पर अच्छी पेंटिंग के साथ ही अच्छे विज्ञापन डिस्प्ले कराए जाने पर भी जोर दिया। ठेला, पटरी व्यवसायियों के लिए शहर में पर्याप्त वेंडिंग जोन बनाए जाने के साथ ही नगर निगम एवं विकास प्राधिकरण को समुचित स्थलों का चयन कर वहां वाहन पार्किंग बनाए जाने की कार्ययोजना तैयार करने का निर्देश दिया।

राज्यपाल ने प्रदेशवासियों को रंगो के पावन पर्व होली की दी बधाई

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने रंगो के पावन पर्व होली के पावन अवसर पर प्रदेश एवं देशवासियों को हार्दिक बधाई दी है और सभी के जीवन में सुख, समृद्धि और उल्लास की कामना की है। राज्यपाल ने कहा कि होली का पर्व समाज में सौहार्द, भाईचारे और समरसता का प्रतीक है। यह पर्व हमारे जीवन में खुशी और उत्साह का संचार करता है और हमारी सांस्कृतिक विविधता को और प्रगाढ़ बनाता है। उन्होंने प्रदेशवासियों से अपील की कि वे होली को प्राकृतिक रंगों से मनाएं, पानी की बर्बादी न करें और स्वच्छता का ध्यान रखें।

लक्ष्य के अनुरूप योजनाओं का क्रियान्वयन समयबद्ध ढंग से किया जाए: राकेश सचान

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

रेशम उद्योग, खादी एवं ग्रामोद्योग एवं सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग मंत्री राकेश सचान ने वित्तीय वर्ष 2024-25 के तहत खादी एवं ग्रामोद्योग हथकरघा एवं वस्त्रोद्योग विभाग से संबंधित वित्तीय स्वीकृतियों एवं व्यय की प्रगति की समीक्षा की। बैठक में विभागीय कार्यों की विस्तार से समीक्षा की गई, जिसमें अब तक के बजट आवंटन, व्यय की स्थिति और भविष्य की योजनाओं पर चर्चा की गई। यह समीक्षा बैठक उत्तर प्रदेश खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड मुख्यालय के सभागार में आयोजित हुई। अधिकारियों ने विभागवार प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की, जिसमें वित्तीय वर्ष 2024-25 के अंतर्गत अब तक किए गए व्यय, स्वीकृत योजनाओं, बकाया भुगतान और नए प्रस्तावों की स्थिति पर विस्तृत चर्चा की गई।

मंत्री ने अधिकारियों से विभागीय योजनाओं की अद्यतन स्थिति की जानकारी ली और निर्देश दिया कि लक्ष्य के अनुरूप योजनाओं का क्रियान्वयन समयबद्ध ढंग से सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि खादी, ग्रामोद्योग, हथकरघा एवं वस्त्रोद्योग से जुड़े कारीगरों, बुनकरों एवं उद्यमियों के लिए चलाई जा रही सरकारी योजनाओं का लाभ उन्हीं तक पहुंचेए इसके लिए प्रभावी निगरानी की जाए। उन्होंने रेशम विभाग की समीक्षा के दौरान अधिकारियों को आजीविका मिशन पर ध्यान केंद्रित करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही खादी, ग्रामोद्योग, हथकरघा एवं वस्त्रोद्योग की समीक्षा करते हुए मार्च के अंत बजट का अधिक से अधिक उपयोग करने के निर्देश दिए। बैठक में विभिन्न विभागों के लिए जारी बजट की समीक्षा करते हुए यह निर्देश दिए गए कि विभागीय योजनाओं में पारदर्शिता और दक्षता सुनिश्चित की जाए। साथ हीए यह सुनिश्चित किया जाए कि आवंटित बजट का पूरा उपयोग समय पर हो और अनावश्यक देरी न हो। मंत्री ने अधिकारियों से यह भी कहा कि योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए जमीनी स्तर पर निरीक्षण एवं समीक्षा की जाए, ताकि वास्तविक लाभार्थियों को समय पर सुविधाएं मिल सकें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि कारीगरों एवं उद्यमियों को अधिकतम समर्थन देने के लिए ऋण योजनाओं को सरल बनाया जाए और उन्हें बाज़ार उपलब्ध कराने के प्रयास तेज़ किए जाएं।

पीजीआई के ट्रामा सेंटर में खुला पराग का कियोस्क

लखनऊ। एसजीपीजीआई के ट्रामा सेंटर में बुधवार को पराग डेयरी कियोस्क का उद्घाटन संस्थान के निदेशक प्रो. आर.के.धीमन ने किया। यह कियोस्क विभिन्न डेयरी उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करता है, जिसमें ताजा दूध, फ्लेवर्ड मिल्क, दही, मक्खन, पनीर, लस्सी, छाछ और कई प्रकार के पौष्टिक नाश्ते शामिल हैं। इन वस्तुओं की उपलब्धता यह सुनिश्चित करती है कि मरीजों और उनके देखभाल करने वालों को स्वस्थ, स्वच्छ और पौष्टिक भोजन विकल्पों तक पहुंच मिले, जिससे बाहरी विक्रेताओं पर निर्भरता कम हो और स्वस्थ आहार जीवनशैली को बढ़ावा मिले। इस अवसर पर बोलते हुए, प्रो. आर. के. धीमान ने कहा कि हमारा लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि संस्थान में हर मरीज और आगंतुक को सुरक्षित और स्वस्थ भोजन विकल्पों तक पहुंच मिले।

यूपी बोर्ड परीक्षा संपन्न, 2.91 लाख से अधिक कैमरों से हुई निगरानी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद द्वारा संचालित हाईस्कूल व इंटर की परीक्षाएं बुधवार को सम्पन्न हो गयी। परीक्षा के दौरान सुरक्षा को मजबूत करने के लिए 8,140 परीक्षा केंद्रों पर 1.33 लाख परीक्षा कक्षों और परिसरों में 2.91 लाख से अधिक वॉयस रिकॉर्डर युक्त सीसीटीवी कैमरे से निगरानी की गयी। परीक्षा के दौरान किसी भी तरह की धांधली रोकने के लिए विशेष टीमें गठित कीं। 19 जिलों के 24 परीक्षा केंद्रों पर मानक संचालन प्रक्रिया का उल्लंघन करने पर नोटिस जारी किया गया। 5 जिलों के 5 परीक्षा केंद्रों पर संदिग्ध गतिविधियां पाई गईं, जबकि 17 जिलों के 20 परीक्षा केंद्रों के सीसीटीवी बंद होने पर तत्काल कार्रवाई की गई। पहली बार सभी परीक्षा केंद्रों पर प्रश्नपत्रों के अतिरिक्त सेट उपलब्ध कराए गए, जिससे किसी आकस्मिक परिस्थिति में तुरंत परीक्षा कराई जा सके। उत्तर पुस्तिकाओं की अदला-बदली रोकने के लिए क्यू आर कोड, क्रमांक संख्या और सिलाईयुक्त उत्तर पुस्तिकाएं चार अलग-अलग रंगों में छापी गईं। सोशल मीडिया पर भ्रामक खबरें फैलाने वालों पर विशेष टीम द्वारा कड़ी नजर रखी गई और फर्जी सूचनाओं पर त्वरित कार्रवाई की गई।

परीक्षा के दौरान हुई घटनाओं का विवरण

- नकल में पकड़े गए परीक्षार्थी: 30
- दूसरे के स्थान पर परीक्षा देते पकड़े गए छद्म परीक्षार्थी : 49
- परीक्षा केंद्र के बाहर उत्तर पुस्तिका लिखे जाने की घटना : 02

गांवों में अन्नपूर्णा भवनों के पास बनेंगे ग्रामीण हाट बाजार

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के नेतृत्व व निर्देशन में ग्राम्य विकास विभाग के माध्यम से विभिन्न विकासोन्मुखी योजनाओं का संचालन किये जाने के साथ ही ग्रामीण महिलाओं की आजीविका संवर्धन के बहुआयामी प्रयास किए जा रहे हैं। महात्मा गांधी नरेगा योजना के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्र में निवास कर रहे परिवारों के वयस्क सदस्यों को मांग के अनुसार अकुशल श्रम रोजगार उपलब्ध कराते हुए स्थायी परिसम्पत्तियों का सृजन किया जाना राज्य सरकार की महत्वपूर्ण प्राथमिकता है। ज्ञात हो कि महात्मा गांधी नरेगा योजना के अन्तर्गत अन्य विभागों के सहयोग से ग्रामीण अवस्थापना संबंधी कार्य खाद्य गोदाम का सृजन किया जा रहा है। इसके साथ ही मनरेगा योजना के अन्तर्गत रूरल हॉट निर्माण कार्य भी अनुमन्य योजना के अन्तर्गत निर्मित किये जाने वाले खाद्य गोदाम के स्थल के निकट भूमि की उपलब्धता के अनुसार सामर्थ्य मैनुअल में दिये गये डिजाइन के अनुरूप रूरल हॉट का निर्माण कार्य भी कराया जाना है। ग्राम पंचायतों में योजना के अंतर्गत खाद्य गोदाम (अन्नपूर्णा भवन) के निकट ग्रामीण हाट बाजारों का निर्माण कराये जाने हेतु शासन स्तर से समस्त जिलाधिकारियों को निर्देश निर्गत कर दिये गये हैं।

ग्रामीण क्षेत्रों में खाद्य गोदाम के निकट बनने वाले रुरल हाट बाजार का संचालन राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन से जुड़े स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा किया जाएगा। इससे अन्नपूर्णा भवन के पास ही वस्तुओं को क्रय करने का विकल्प राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन की महिलाओं को हो जाने से उनकी आजीविका संवर्द्धन में वृद्धि हो सकेगी। छोटे और निर्धन किसानों को लाभ पहुंचाना तथा उनको उनकी उपज की बिक्री हेतु उचित स्थान मिल सके एइस उद्देश्य से सरकार द्वारा ग्रामीण हाट बाजारों को विकसित किया जा रहा है। गांवों में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम और अन्य सरकारी योजनाओं का उपयोग करके भौतिक बुनियादी ढांचे को मजबूत कर हाट बाजार विकसित किए जा रहे हैं। ये हाट बाजार किसानों को उपभोक्ताओं और थोक खरीदारों को सीधे बिक्री करने की सुविधा प्रदान करने में बहुत ही सहायक सिद्ध हो रहे हैं।

मूलभूत सुविधाओं से युक्त हाट बाजार

योजना के अन्तर्गत निर्मित किये जाने वाले खाद्य गोदाम के स्थल के निकट भूमि की उपलब्धता के अनुसार सामर्थ्य मैनुअल में दिये गये डिजाइन के अनुरूप रूरल हाट का निर्माण कार्य कराने के निर्देश दिये गये हैं। ग्रामीण क्षेत्र में स्थित बाजारों को मूलभूत सुविधाओं से लैश कर हाट बाजारों के रूप में विकसित किया जा रहा है। ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार के सामर्थ्य मैनुअल में दिये गये डिजाइन के अनुसार एक रूरल हाट बाजार में 28 दुकानों की व्यवस्था पीने के पानी की व्यवस्था, शौचालय, दो पहिया वाहनों हेतु पार्किंग की व्यवस्था, नाली की व्यवस्थाए स्टोर, ऑफिस इत्यादि सुविधाएं देना प्रस्तावित है। आयुक्त ग्राम्य विकास जीएस प्रियदर्शी द्वारा अवगत कराया गया कि मनरेगा योजना के अंतर्गत अकुशल श्रम रोजगार उपलब्ध कराने के साथ ही स्थायी परिसम्पत्तियों का निर्माण भी कराया जा रहा है। उसी दिशा में मनरेगा योजना के अंतर्गत अन्य विभागों के सहयोग से सृजित किये जा रहे अन्नपूर्णा भवनों के निकट भूमि की उपलब्धता के अनुसार रूरल हाट बाजार के निर्माण कराने हेतु जनपदों को शासन स्तर से निर्देशित किया गया है जिसका संचालन स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं द्वारा किया जाना है। इस कदम से महिलाओं की आजीविका संवर्धन में वृद्धि भी होगी।

प्रदेश की मलिन बस्तियों की बदलेगी तस्वीर, 49 परियोजनाओं को मिली मंजूरी

● प्रदेश सरकार ने 1035 लाख रुपए से अधिक को परियोजनाओं को दी हरी झंडी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में जहां एक तरफ शहरों और नगर पंचायतों का का तेजी के साथ कायाकल्प हो रहा है वहीं शहरों की मलिन बस्तियों में बुनियादों ढांचों विकास हो रहा मुख्यमंत्री मुख्यमंत्री नगरीय अल्पविकसित व मलिन बस्ती योजना के तहत हमीरपुर, मथुरा, हाथरस और सहारनपुर जिलों की मलिन बस्तियों में बुनियादी ढांचे के विकास के लिए 1035.43 लाख रुपये की वित्तीय स्वीकृति दी है। इस योजना के अंतर्गत कुल 49 परियोजनाओं को मंजूरी मिली है, जिससे इन जिलों के निवासियों को बेहतर सड़क, नाली और जल निकासी सुविधाएं प्राप्त होंगी। इसके माध्यम से नगर निकायों में सीसी सड़क, इंटरलॉकिंग रोड और नाली निर्माण जैसे कार्य किए जाएंगे, जिससे इन क्षेत्रों के नागरिकों को बेहतर मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध हो सकेंगी। सरकार द्वारा स्वीकृत परियोजनाओं के तहत नगर निगम मथुरा-वृंदावन, नगर पंचायत गोवर्धन, नगर पालिका परिषद राठ, नगर पंचायत सरला (हमीरपुर) और नगर पंचायत रामपुर मनिहारान (सहारनपुर) सहित विभिन्न निकायों में सड़क और नाली निर्माण कार्य किए जाएंगे। यह पहल खासतौर पर उन क्षेत्रों में हो रही है, जहां अब तक मूलभूत सुविधाओं का अभाव था। मथुरा-वृंदावन में विभिन्न वार्डों में गुलाबनगर, बाकलपुर, ईदगाहपुरा और गोपालपुर जैसे क्षेत्रों में सड़कों और जल निकासी व्यवस्था को सुधारने के लिए कार्य किया जाएगा। इसी तरह, हाथरस और हमीरपुर में भी मोहल्लों और वार्डों में इंटरलॉकिंग सड़कों और सीसी सड़कों का निर्माण होगा। इन परियोजनाओं से बस्तियों में बारिश से पहले ही जलभराव की समस्या समाप्त होगी और लोगों को आवागमन में सुविधा मिलेगी। यह विशेष रूप से बरसात के मौसम में जलजमाव की समस्या से निपटने में मदद करेगा। सरकार ने यह भी निर्देश दिया है कि निर्माण कार्य तय मानकों के अनुरूप उच्च गुणवत्ता के साथ पूरे किए जाएं ताकि लोगों को लंबे समय तक इसका लाभ मिल सके। नगर विकास विभाग ने निर्देश दिया है कि परियोजनाओं की गुणवत्ता सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी संबंधित नगर निकायों और परियोजना अधिकारियों की होगी। योगी सरकार की यह पहल मलिन बस्तियों में रह रहे लाखों नागरिकों के जीवन स्तर में सुधार लाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

20 मार्च को होगा श्रीलाल शुक्ल जन्मशती उत्सव

लखनऊ। श्रीलाल शुक्ल जन्मशती उत्सव 20 मार्च को गोमती नगर स्थित इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान के जुपिटर प्रेक्षागृह में होगा। इंडियन फारमर्स फर्टिलाइजर कोआपरेटिव लिमिटेड के भाषा, साहित्य एवं संस्कृति प्रकोष्ठ की ओर से इस उत्सव का आयोजन किया जा रहा है। श्रीलाल शुक्ल जन्मशती उत्सव कार्यक्रम की रूपरेखा के अनुसार कुल छह सत्र होंगे। इसमें चित्र और पुस्तक प्रदर्शनी का उद्घाटन जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा करेंगे। इसी सत्र में पंकज त्रिपाठी एवं साथी कलाकारों द्वारा राग दरबारी का अंश पाठ किया जाएगा। दूसरे सत्र का नाम श्रीलाल शुक्ल कुछ रंग कुछ राग दिया गया है। इसमें स्वागत वक्तव्य इफको के अध्यक्ष दिलीप संघाणी देंगे। इसी क्रम में श्रीलाल शुक्ल की रचना यात्रा के बारे में यतीन्द्र मिश्र जानकारी देंगे। विशिष्ट अतिथियों के क्रम में लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.आलोक राय, उत्तर प्रदेश सरकार के सहकारी मंत्री माननीय जे.पी.एस. राठौर और उत्तर प्रदेश सरकार के कृषि मंत्री माननीय सूर्य प्रताप शाही अपने विचार प्रकट करेंगे। तीसरा सत्र राग दरबारी कल आज और कल होगा। इसकी अध्यक्षता इफको के अध्यक्ष दिलीप संघाणी करेंगे। इस क्रम में पद्मश्री मालिनी अवस्थी का गायन होगा वहीं किस्सागो हिमांशु वाजपेई की भी प्रस्तुति होगी।

भिक्षावृत्ति से छुटकारा दिलाने के बाद गरीब परिवारों को आजीविका से जोड़ने की तैयारी

● कमिश्नर डॉक्टर रोशन जैकब ने भजा खेड़ा में 25 मार्च को रोजगार मेला आयोजित करने के दिए निर्देश

संवाददाता। मोहनलालगंज

सरकारी योजनाओं के जरिए भिक्षावृत्ति से छुटकारा दिलाने के बाद अब भजा खेड़ा के चार दर्जन से अधिक परिवारों की आजीविका का इंतजाम करने की तैयारी है। बुधवार को गांव पहुंची कमिश्नर डॉक्टर रोशन जैकब ने सीडीओ अजय जैन के साथ इन परिवारों के जीवन स्तर में आए सुधार की नब्ज टटोली। कमिश्नर ने इसी माह 25 मार्च को गांव में रोजगार मेला आयोजित करने के निर्देश दिए।

मोहनलालगंज के भजा खेड़ा गांव में भिक्षावृत्ति का शिकार 53 परिवारों को कमिश्नर डॉक्टर रोशन जैकब की अगुवाई में जिला प्रशासन ने आवास पेंशन राशन कार्ड टॉयलेट और श्रम विभाग में पंजीकरण के जरिए इन परिवारों को भिक्षावृत्ति से छुटकारा दिलाने की मुहिम छेड़ रखी है। बुधवार को भजा खेड़ा पहुंची कमिश्नर डॉक्टर रोशन जैकब ने सीडीओ अजय जैन के साथ चौपाल लगाकर इन परिवारों को दिए गए योजनाओं के लाभ की समीक्षा की। कमिश्नर ने भिक्षावृत्ति का शिकार रहे सभी परिवारों को अब अभियान चलाकर रोजगार से जोड़ने के निर्देश दिए। उन्होंने सीडीओ अजय जैन को 25 मार्च को गांव में रोजगार मेला आयोजित कर हर एक परिवार की स्किल मैपिंग कर उनकी योग्यता के अनुसार उद्योग व श्रम सेवायोजन समेत सभी विभागों की मदद से रोजगार मुहैया कराने के निर्देश दिए। चौपाल में समेसी के कुछ लोगों ने उनके गांव में भी एक दर्जन से अधिक परिवार भिक्षावृत्ति से जुड़े होने की समस्या बताई। जिस पर सीडीओ अजय जैन ने जल्द ही समेसी में भी भिक्षावृत्ति से छुटकारा दिलाने का अभियान शुरू करने के निर्देश दिए। इस दौरान एसडीएम बृजेश कुमार वर्मा डीडीओ अजीत कुमार सिंह पीडी विकास मिश्र डीसी मनरेगा एसके सिंह बीडीओ आशुतोष श्रीवास्तव समेत अन्य विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

समूहों के जरिए महिलाओं को दें स्वरोजगार की ट्रेनिंग

चौपाल में योजनाओं की समीक्षा कर रहीं कमिश्नर डॉक्टर रोशन जैकब को डीसी एनआरएलएम ने बताया कि भजा खेड़ा में महिलाओं के दो समूह मोमबत्ती बनाना सीख चुके हैं। जिस पर कमिश्नर ने गांव की सभी महिलाओं को समूह से जोड़कर स्वरोजगार की ट्रेनिंग दिलाने के निर्देश दिए। उन्होंने हौसला भरते हुए महिलाओं को तैयार किए गए उत्पाद की बिक्री के लिए बाजार उपलब्ध कराने में पूरी मदद का भरोसा दिया।

मनरेगा में काम करने नही आ रहे गांव के परिवार

कमिश्नर डॉक्टर रोशन जैकब के सामने ही चौपाल में भजा खेड़ा में किसी भी परिवार के मनरेगा में काम नही करने का मुद्दा उठा। कमिश्नर ने लोगों से वजह पूछी तो सभी ने मनरेगा में 242 रुपए की मजदूरी बहुत कम होने और मजदूरी अक्सर बकाया रहने की समस्या बताई। कमिश्नर ने कहा भारत सरकार से धनराशि नही मिल पाने से इस बार मजदूरी भुगतान में विलम्ब हुआ है। लेकिन हमेशा ऐसा नहीं रहेगा आप लोग काम करिए मजदूरी का भुगतान नियमित रूप से होता रहेगा।

अयोध्या में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए नई पहल, प्रमुख स्थानों पर लगेंगे डिस्प्ले कियोस्क

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/ अयोध्या

उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने अयोध्या में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए एक नई पहल शुरू की है। प्रमुख स्थानों पर डिस्प्ले कियोस्क लगाए जाएंगे, जिससे श्रद्धालु राम मंदिर और हनुमानगढ़ी समेत अन्य मठ-मंन्दिरों के खुलने की टाइमिंग से लेकर उनकी दूरी तक आसानी से जान सकेंगे। इस पहल के तहत, चार महत्वपूर्ण जगहों पर डिस्प्ले कियोस्क लगाए जाएंगे, जिनमें रेलवे स्टेशन और एयरपोर्ट शामिल हैं। ये कियोस्क वास्तविक समय के अपडेट और निर्बाध कनेक्टिविटी सुनिश्चित करते हुए ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और पर्यटन संबंधी जानकारी प्रदान करेंगे।

श्री अयोध्या जी तीर्थ विकास परिषद ने इस परियोजना को लागू करने के लिए काम शुरू कर दिया है। सफलता मिलने पर अन्य स्थानों पर भी डिस्प्ले कियोस्क लगाए जाएंगे। यह परियोजना अयोध्या के श्रद्धालुओं के लिए एक बड़ी सुविधा साबित होगी। इस परियोजना के बारे में बात करते हुए श्री अयोध्या जी तीर्थ विकास परिषद के सीईओ संतोष शर्मा ने बताया कि हमारा उद्देश्य अयोध्या के श्रद्धालुओं को एक सुविधाजनक और सूचनात्मक अनुभव प्रदान करना है। डिस्प्ले कियोस्क लगाने से श्रद्धालु आसानी से जानकारी प्राप्त कर सकेंगे और अपने यात्रा को अधिक सुविधाजनक बना सकेंगे। यह परियोजना अयोध्या के पर्यटन उद्योग को भी बढ़ावा देने में मदद करेगी। डिस्प्ले कियोस्क पर्यटकों को अयोध्या के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व के बारे में जानकारी प्रदान करेंगे और उन्हें शहर के विभिन्न आकर्षणों के बारे में बताएंगे। योगी सरकार की यह नई पहल अयोध्या के श्रद्धालुओं और पर्यटकों के लिए एक बड़ी सुविधा साबित होगी। यह परियोजना शहर के पर्यटन उद्योग को भी बढ़ावा देने में मदद करेगी। एक कियोस्क की ढाई लाख के करीब है। कियोस्क पर एक टच स्क्रीन इंटरफेस होगा, जिससे श्रद्धालु और पर्यटक अपनी आवश्यकताओं के अनुसार जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। कियोस्क पर वॉइस कमांड की सुविधा भी हो सकती है, जिससे श्रद्धालु और पर्यटक अपनी आवश्यकताओं के अनुसार जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। इसके अलावा कियोस्क पर एक क्यूआर कोड स्कैनर भी हो सकता है, जिससे श्रद्धालु और पर्यटक अपने मोबाइल फोन के माध्यम से जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। इंटरनेट कनेक्टिविटी की सुविधा होगी, जिससे श्रद्धालु और पर्यटक ऑनलाइन जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। कियोस्क पर एक पॉवर बैकअप सिस्टम होगा, जिससे बिजली कटौती की स्थिति में भी कियोस्क संचालित रहेगा। कियोस्क पर एक सुरक्षा सिस्टम होगा, जिससे कियोस्क को नुकसान पहुंचाने वाले लोगों को रोका जा सकेगा। कियोस्क पर नियमित अपडेट किए जाएंगे, जिससे श्रद्धालु और पर्यटक को नवीनतम जानकारी प्राप्त हो सकेगी।

कियोस्क पर वास्तविक समय के अपडेट उपलब्ध होंगे, जिससे श्रद्धालु और पर्यटक अयोध्या के विभिन्न आकर्षणों के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। कियोस्क पर अयोध्या के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व के बारे में जानकारी उपलब्ध होगी।

आपातकालीन योजनाएं तैयार करें अधिकारी: एलजी

- एलजी की अध्यक्ष में दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की बैठक में हुई चर्चा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

आपदा से होने वाले खतरों का आकलन, भूकंप की स्थिति से निपटने की तैयारी और जोखिम मूल्यांकन को लेकर उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने बुधवार को दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की बैठक बुलाई। इस बैठक में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता भी मौजूद थे।

इस बैठक में शहरी बाढ़, अत्यधिक गर्मी के घटनाएं और इससे संबंधित राज्य हीट एक्शन योजना पर चर्चा हुई। उपराज्यपाल डीडीएमए के अध्यक्ष और मुख्यमंत्री उपाध्यक्ष हैं। बैठक में इस बात पर जोर दिया गया कि डीडीएमए बुनियादी ढांचे, जनशक्ति और तकनीक के मामले में काफी कमजोर है। दिल्ली देश के उन कुछ राज्यों में से एक है, जिसके पास अपना खुद का राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल नहीं है। यहां कमांड और कंट्रोल सेंटर का भी अभाव है, जिससे आपदा के समय एकीकृत और सटीक प्रतिक्रिया असंभव हो जाती है। इसके लिए, उपराज्यपाल ने अधिकारियों को जल्द से जल्द भूमि, भवन उपलब्ध कराने का निर्देश दिया और मुख्यमंत्री से अनुरोध किया कि वे लॉजिस्टिक्स से जुड़े मुद्दों को हल करें, जिन्हें पिछली सरकार द्वारा उपेक्षित रखा गया था। इस बारे में एनडीएमए, डीडीएमए के जीर्णोद्धार और पुनर्गठन तथा सीसीसी की स्थापना में सभी आवश्यक तकनीकी सहायता प्रदान करने पर सहमति व्यक्त की है। भूकंपीय क्षेत्र-चार में स्थित होने तथा हाल ही में 18 फरवरी को आए भूकंप के कारण, एक व्यापक शमन और रोकथाम रणनीति अनिवार्य हो गई है। इसके अलावा, शहर में क्षेत्रों के माइक्रोजोनेशन ने एक तस्वीर पेश की है, जिसमें यमुना के किनारे, उत्तर, उत्तर-पश्चिम और दक्षिण-पश्चिम दिल्ली की घनी आबादी वाली अधिकांश कॉलोनियां भूकंप के अत्यधिक संभावित क्षेत्रों में आती हैं।

इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए कि इन क्षेत्रों में अधिकांश अनधिकृत कॉलोनियां हैं, जहां बहुत छोटे प्लाटों में चार-पांच मंजिला इमारतें बनीं हैं, जिनकी संरचनात्मक सुरक्षा गंभीर चिंता का विषय है। गर्मी और उसके बाद मानसून के मौसम से काफी पहले आयोजित इस बैठक में, विभिन्न पहलुओं से संबंधित निवारक, उपचारात्मक और आपातकालीन उपायों पर विचार-विमर्श किया गया, जिसमें अत्यधिक गर्मी और बाढ़ की स्थिति में जल की उपलब्धता और वितरण प्रबंधन, नालियों और सीवर लाइनों की सफाई, जल निकासी प्रबंधन, अपेक्षित उपकरणों की स्थापना आदि शामिल थे।

भूकंप की तैयारियों के संबंध में बैठक में अस्पतालों, तत्काल राहत के लिए स्कूलों की इमारतों की पहचान, अग्निशमन केंद्र, गैस, पानी, बिजली आपूर्ति लाइनों और मेट्रो को रेट्रोफिटिंग कर भूकंपरोधी बनाए जाने पर चर्चा हुई। विशेष रूप से अनाधिकृत कॉलोनियों में बड़े पैमाने पर रेट्रो फिटमेंट, इमारतों को भूकंपरोधी बनाने के लिए सक्रिय जन भागीदारी और भूकंप की स्थिति में नागरिक सुरक्षा, होमगार्ड और आपदा राहत स्वयंसेवकों की तैनाती पर भी विचार-विमर्श किया गया। ग्रीष्म कालीन कार्य योजना और बाढ़ से निपटने पर एलजी और मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से एक माह के भीतर व्यापक कार्य योजना पेश करने और उसे क्रियान्वयन के लिए पहले से तैयार रखने का निर्देश दिया है।

दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की बैठक में अधिकारियों संग उपराज्यपाल विनय सक्सेना।

जनसमस्याओं के समाधान में कोई कोताही बर्दाश्त नहीं होगी : आशीष

- शहरी विकास मंत्री ने जनकपुरी के चाणक्य प्लेस पार्ट-2 का निरीक्षण किया
- मंत्री ने अधिकारियों को बिजली, पानी, सुरक्षा, सीवर, सड़कों की मरम्मत, साफ-सफाई दुरुस्त करने के दिए निर्देश

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

शहरी विकास मंत्री आशीष सूद बुधवार को जनकपुरी विधानसभा क्षेत्र के चाणक्य प्लेस पार्ट-2 में जाकर क्षेत्र की विभिन्न जनसमस्याओं का निरीक्षण किया।

इस दौरान स्थानीय लोगों ने बिजली, पानी, सुरक्षा, वृद्धा पेंशन, सीवर, सड़कों की मरम्मत, साफ-सफाई जैसी कई समस्याओं से उन्हें अवगत कराया। मंत्री ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को मौके पर ही त्वरित समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए और लापरवाह अधिकारियों को कड़ी चेतावनी दी। उन्होंने स्पष्ट किया कि हर पखवाड़े क्षेत्रीय कार्यों की समीक्षा होगी और जनता को परेशान करने वाले अधिकारी की जवाबदेही भी तय की जाएगी। उन्होंने कहा कि जन सुविधाओं के साथ-साथ स्वच्छता और सुरक्षा को बेहतर बनाने के लिए उनकी सरकार प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही है। आशीष सूद से चाणक्य प्लेस पार्ट-2 में स्थानीय लोगों ने शिकायत की कि बिजली के पोल से तार नीचे तक लटक रहे हैं, कई इलाकों में स्ट्रीट लाइट की समुचित व्यवस्था नहीं है, और ट्रांसफार्मर जर्जर हो चुके हैं। इसपर उन्होंने बीएसईएस अधिकारियों को निर्देश दिया कि बिना किसी बहाने के तुरंत सभी बिजली संबंधित समस्याओं का समाधान करें।

जहां पोल खराब हैं, वहां तुरंत नए पोल लगाने और स्ट्रीट लाइट्स की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। गर्मी को देखते हुए पानी की आपूर्ति सुचारू करें। इसके अतिरिक्त बोरवेल चालू किए जाएं या टैंकरों से जलापूर्ति आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। निरीक्षण के दौरान मंत्री ने देखा कि गलियों में साफ सफाई का कार्य सही ढंग से नहीं हो रहा है और जगह-जगह कचरे के ढेर लगे हैं। कई जगह सीवर और नालियां जाम है जिस कारण गंदा और दुर्गंधयुक्त पानी सड़क पर बहता रहता है। उन्होंने एमसीडी अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि सफाई कर्मचारियों को तुरंत आदेश देकर गलियों की नियमित साफ सफाई सुनिश्चित की जाए। पूरे क्षेत्र में ऑटोमेटिक कूड़ उठाने वाली टिप्पर गाड़ियों की संख्या बढ़ाई जाए और यह सुनिश्चित किया कि कूड़ा सुबह ही उठा लिया जाए।

चाणक्य प्लेस पार्ट-2 में जनसमस्याओं को सुनते शहरी विकास मंत्री।

अतिक्रमण और टूटी सड़कों की मरम्मत करें

सूद ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि अतिक्रमण हटाने के लिए ठोस कार्रवाई की जाए और जहां सड़कें एवं रैंप क्षतिग्रस्त हैं, वहां निर्माण कार्य प्राथमिकता के आधार पर किया जाए। जनसंवाद के दौरान कई महिलाओं ने बताया कि उनकी वृद्धा और विधवा पेंशन अभी तक नहीं मिली है और दिल्ली सरकार की नई महिला समृद्धि योजना की जानकारी भी स्पष्ट नहीं है। इस पर मंत्री ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि महिला पेंशन से जुड़ी हर समस्या का तुरंत निवारण किया जाए और महिलाओं को सरकारी योजनाओं की पूरी जानकारी दी जाए।

क्रूज टूरिज्म योजना जनता को गुमराह करने की कोशिश: देवेंद्र

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने कहा कि भाजपा सरकार बनाने के बाद सिर्फ इवेंट बेस कार्यक्रम करके जनता से किए वादों को पूरा करने से दूर भाग रही है।

डबल इंजन की सरकार का पहले यमुना की गंदगी को साफ नहीं करके यमुना में सोनिया विहार से जगत पुर तक क्रूज चलाने की योजना शुरु करना साफ तौर पर गलत दिशा में जाने की ओर कदम है। सरकार दिल्ली की लाईफ लाईन यमुना को पहले सफाई करके स्वच्छ बनाए और दिल्ली के लोगों को पर्याप्त मात्रा में पीने का पानी दे। नालों का गंदा और प्रदूषित पानी बिना संशोधित किए सीधा यमुना में गिर रहा है। सरकार इस पर भी ध्यान दे। यादव ने कहा कि भाजपा यमुना में क्रूज चलाने के समझौते को सरकार की उपलब्धि बनाकर पर्यावरण अनुकूल परिवहन प्रणाली का हवाला दे रही है जबकि प्रदूषण नियंत्रण और परिवहन के मुख्य साधनों में सुधार और बढ़ावा देने पर सरकार का ध्यान क्यों नहीं जा रहा है। वजीराबाद से औखला बैराज तक 22 किलोमीटर की यमुना में प्रदूषण को कम करने पर योजना क्यों नही बनाई जा रही और बंद पड़े सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट को चालू करने अथवा इनमें सुधार करने पर सरकार काम क्यों नहीं कर रही।

मां ने दो बेटियों संग की आत्महत्या

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

- मोलरबंद इलाके की घटना, आर्थिक तंगी से परेशान था परिवार

साउथ ईस्ट डिस्ट्रिक्ट के मोलरबंद इलाके में एक महिला ने जहरीला पदार्थ खाकर अपनी दो बेटियों के साथ खुदकुशी कर ली। बुधवार शाम तेज बदबू आने के बाद मामले की सूचना पुलिस को दी गई।

बदरपुर पुलिस ने दमकल विभाग की मदद से दरवाजे को खोला। कमरे के अंदर जाने पर पता चला एक कमरे में तीनों का शव है। पुलिस ने सभी शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए नजदीकी अस्पताल के शवगृह में सुरक्षित रखवा दिया है। मरने वालों की पहचान पूजा (39), दो बेटी 18 साल व 16 के रूप में हुई है। डीसीपी रवि कुमार का कहना है कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का पता चल पाएगा। पुलिस को घटनास्थल से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है। पुलिस सूत्रों के अनुसार शुरुआती जांच मे पता चला है कि पूजा काफी समय से आर्थिक तंगी से जूझ रही थी। पुलिस के मुताबिक पूजा अपनी दो बेटियों के साथ मोलरबंद इलाके स्थित किराये के मकान में रहती थी। वह तीन मंजिला की दूसरी मंजिल पर रहती थी। यहां वह पांच महीने पहले ही आई थी। वहीं जांच में पता चला है कि पूजा का पति संतोष साथ में नहीं रहता था। वह गुरुग्राम में ड्राइवर का काम करता था। पुलिस पूछताछ में आसपास के लोगों ने बताया कि कुछ महीने पहले पूजा के पति की मुत्यु हो गई है। पुलिस इसकी जांच कर रही है।

डीसीपी के अनुसार बुधवार शाम 4.57 बजे पूजा के कमरे से बदबू आनी शुरू हुई। आसपास के लोगों ने मामले की सूचना पुलिस को दी। खबर मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। दरवाजा अंदर से बंद था। पुलिस ने दमकल विभाग को मौके पर बुलाया और दरवाजे को खुलवाया। पुलिस टीम कमरे में गई तो देखा तीनों शव सड़ी गली अवस्था में पड़े हुए है। तीनों के मुंह से झाग निकला हुआ था। पुलिस आशंका जता रही है कि तीनों ने कोई जहरीला पदार्थ खाया है।

नेता प्रतिपक्ष ने विस अध्यक्ष को पत्र लिखकर लगाया पक्षपात का आरोप

- विजेंद्र गुप्ता ने दिया जवाब, कहा, आरोप निराधार हैं, तथ्यों के बजाए राजनीतिक से प्रेरित लगते हैं

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

पूर्व सीएम ने अपने विधायकों के साथ विस अध्यक्ष विजेंद्र से मुलाकात कीं।

नेता प्रतिपक्ष आतिशी ने विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता को पत्र लिखकर हाल ही में संपन्न सत्र की कार्यवाही को लेकर गहरी नाराजगी जताई है। उन्होंने आरोप लगाया कि सत्र के दौरान विपक्ष के साथ अन्यायपूर्ण और असंवैधानिक व्यवहार किया गया, जो संसदीय परंपराओं और लोकतांत्रिक मूल्यों का उल्लंघन है। उन्होंने विपक्षी विधायकों के साथ उचित व्यवहार की मांग की। उन्होंने कहा कि सदन में विपक्षी विधायकों को बोलने नहीं दिया गया। सदन में बोलने के लिए भाजपा को 86 फीसद का समय दिया गया, जबकि आम आदमी पार्टी को सिर्फ 14 फीसद का ही समय मिला। आतिशी ने इसे लोकतांत्रिक सिद्धांतों पर हमला बताया।

आतिशी ने आरोप लगाया कि विपक्षी विधायकों का गैरकानूनी तरीके से सदन से निलंबित किया गया और जानबूझ कर विधानसभा में प्रवेश प्रतिबंधित कर उनके विरोध को दबाने का प्रयास किया गया था, जिससे 44 फीसद मतदाताओं की आवाज दब गई। इस पक्षपात को तत्काल खत्म करने की अपील करते हुए नेता प्रतिपक्ष ने गुप्ता को याद दिलाया कि उनका कर्तव्य विधायी अखंडता को बनाए रखना है, न कि सत्ताधारी दल के हितों की सेवा करना।

उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना के अभिभाषण के दौरान विपक्ष और सत्ता पक्ष द्वारा नारेबाजी की घटना पर आतिशी ने लिखा है कि गत 25 फरवरी एलजी के अभिभाषण के दौरान विपक्ष और सत्ता पक्ष के विधायकों द्वारा नारेबाजी की गई। विपक्ष ने 'जय भीम' के नारे लगाए, जबकि सत्ता पक्ष ने मोदी, मोदी, के नारे लगाए। सभी विपक्षी विधायकों को विधानसभा से बाहर निकाल दिया गया। लेकिन सत्ता पक्ष के किसी भी विधायक को बाहर नहीं निकाला गया। इसके जवाब में विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने सभी आरोप निराधार हैं, जो तथ्यों के बजाए राजनीतिक विचारों से प्रेरित प्रतीत होते हैं। पहले भी स्पष्ट कर चुके हैं कि सदन द्वारा निलंबित किए गए सदस्यों को बाहर रखने का मेरा निर्णय नियम 277 और 'परिसर' की परिभाषा के अनुसार था। इस परिभाषा में परिसर के अंतर्गत आने वाले क्षेत्र को विस्तार से समझाया गया है और इसमें 'मार्ग' भी शामिल हैं। इसके अलावा, यह अध्यक्ष को समय-समय पर 'अन्य स्थानों' को भी घोषित करने का अधिकार देता है। आश्चर्य है कि आप और आपकी पार्टी के सदस्यों के विघटनकारी व्यवहार के लिए माफी मांगने के बजाय, आप मेरे विधिसम्मत निर्देशों को ही गलत ठहराने का प्रयास कर रहे हैं। जहाँ तक फ्लोर टाइम का प्रश्न है, मुझे लगता है कि आपको हमारे नियमों और संसदीय परंपराओं के बारे में सही जानकारी नहीं दी गई है। फ्लोर टाइम निश्चित रूप से दलों की संख्या के अनुपात में आवंटित किया जाता है, लेकिन ध्यान दें कि यह समय उन सदस्यों की उपस्थिति पर भी निर्भर करता है जो सदन में मौजूद होते हैं।

तुगलकाबाद गांव की जमीन वापस दी जाए : बिधूड़ी

- सांसद रामवीर बिधूड़ी व बांसुरी स्वराज लोस में उठाये अपने-अपने इलाके के मुद्दे

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

रामवीर सिंह बिधूड़ी

बांसुरी स्वराज

दक्षिण दिल्ली से भाजपा सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी ने तुगलकाबाद गांव के लोगों को आए नोटिसों का मामला लोकसभा में उठाया। उन्होंने कहा कि ये नोटिस तुरंत वापस लिए जाएं और गांव की जमीन गांव के लोगों को वापस दी जाए। शून्यकाल में यह मामला उठाते हुए बिधूड़ी ने कहा कि दिल्ली का तुगलकाबाद गांव लगभग 700 साल पहले ग्यासुद्दीन तुगलक द्वारा बसाया गया था। यह गांव लगभग 2800 बीघा जमीन पर बसा हुआ था। देश के पहले स्वाधीनता संग्राम में तुगलकाबाद और महरौली के समीप तंवर गौत्र के 12 गांवों के लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया था। इससे अंग्रेजों ने दमन करते हुए यहां के सैंकड़ों गांववालों को मौत के घाट उतार दिया था और उनकी जमीन दंड स्वरूप जब्त कर ली थी।

बिधूड़ी ने कहा कि यह जमीन वापस दिलाई जाए जोकि न केवल इन गांववालों का हक है बल्कि यह 1857 के शहीदों के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि भी होगी। उन्होंने कहा कि गांव में 1993 के बाद बने मकानों को खाली करने के नोटिस जारी किए गए हैं। इस तरह अंग्रेजों ने जो सजा दी थी, अब तक उसपर अमल किया जा रहा है। सरकार इन सभी नोटिसों को वापस ले और गांववालों की जमीन वापस करके उन्हें न्याय प्रदान करे।

वहीं नई दिल्ली संसदीय क्षेत्र से भाजपा सांसद बांसुरी स्वराज ने शून्यकाल में कहा, दिल्ली में लगातार चौथे साल, करोल बाग ध्वनि पदूषण के मामले में शीर्ष पर रहा है। यहां ध्वनि प्रदूषण स्वीकार्य डेसिबल सीमा से अधिक है।

उन्होंने पर्यावरण मंत्रालय से अनुरोध किया कि केंद्रीय वित्तीय सहायता देकर और सतत निगरानी रखकर इस समस्या का समाधान निकाला जाए।

'यमुना रिवर फ्रंट 3-4 वर्षो में पूरा होने की संभावना'

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने यमुना की सफाई के लिए सरकार की प्रतिबद्धता दोहराते हुए बुधवार को कहा कि नदी जल को निर्मल एवं इसके प्रवाह को अविरल बनाने सहित रिवर फ्रंट का विकास कार्य तीन-चार साल में पूरा होने की संभावना है। शेखावत ने कहा, यमुना नदी के कुल प्रवाह मार्ग का केवल दो प्रतिशत हिस्सा दिल्ली से गुजरता है जो करीब 22-23 किलोमीटर है। लेकिन इस नदी में कुल प्रदूषण का 98 प्रतिशत योगदान दिल्ली का है। 3500 एमएलडी जलमल, और अनुपचारित पानी छोड़ा जाता है। बसे बड़ा जलमल शोधन संयंत्र शुरू करने की योजना बनाई गई थी।

टीबी जागरुकता और जांच को लेकर स्कूलों, कॉलेजों में सक्रियता बढ़ी

नई दिल्ली। दिल्ली में पिछले साल दिसंबर में शुरू हुए 100 दिवसीय तपेदिक जागरूकता और जांच अभियान के तहत रोग की रोकथाम और प्रारंभिक पहचान के प्रयासों को गति देने के मकसद से स्कूलों, कॉलेजों और आश्रय गृहों में सक्रियता बढ़ाई गई है। केंद्रीय विद्यालयों, दिल्ली सरकार के स्कूलों के साथ ही रामजस इंटरनेशनल जैसे निजी स्कूलों सहित शैक्षणिक संस्थानों ने जागरूकता सत्र एवं रैलियां आयोजित की हैं। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) दिल्ली, जामिया मिलिया इस्लामिया और जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) भी इस पहल में शामिल हो गए हैं।

जेएनयू छात्र संघ चुनाव अप्रैल या मई में

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय प्रशासन ने कहा है कि 2024-25 सत्र के लिए छात्र संघ चुनाव अगले दो महीनों में होंगे, जो दिल्ली उच्च न्यायालय में जारी मामले के फैसले पर निर्भर करेगा। छात्र डीन मनुराधा चौधरी द्वारा जारी परिपत्र में विश्वविद्यालय ने कहा कि चुनाव कानूनों और दिशानिर्देशों के अनुसार आयोजित किए जाएंगे। छात्र डीन कार्यालय की ओर से विस्तृत दिशा-निर्देश यथासमय साझा किए जाएंगे।

परिपत्र में यह भी स्पष्ट किया गया है कि यह प्रक्रिया उस मामले के फैसले पर निर्भर करेगी जिसमें विश्वविद्यालय ने छात्र निकाय चुनावों से संबंधित लिंगदोह समिति की रिपोर्ट के कुछ प्रावधानों पर दिल्ली उच्च न्यायालय से आवश्यक स्पष्टीकरण मांगा है। यह परिपत्र छात्रों के बढ़ते विरोध के बीच आया है, जो तत्काल चुनाव अधिसूचना की मांग कर रहे हैं।

जेएनयू छात्र संघ के नेतृत्व में करीब 80 छात्र पिछले छह दिनों से डीन ऑफ स्टूडेंट के कार्यालय में धरना दे रहे हैं और आरोप लगा रहे हैं कि प्रशासन जानबूझकर चुनाव में देरी कर रहा है। पांच मार्च को एक अलग नोटिस में, प्रशासन ने अदालत द्वारा नियुक्त पर्यवेक्षक, उच्चतम न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश वी रामसुब्रमण्यम की रिपोर्ट का हवाला दिया, जिन्होंने लिंगदोह समिति की रिपोर्ट में विसंगतियों की ओर इशारा किया था। विश्वविद्यालय ने कानूनी स्पष्टीकरण मांगा है।

संक्षिप्त समाचार

गिरनार फाउन्डेशन ने जारी कि 'मिशन डीडीएलजे

नई दिल्ली। कारदेखो ग्रुप की सीएसआर शाखा गिरनार फाउन्डेशन ने जयपुर और गुरूग्राम में समुदाय के साथ अपने रिश्तों को मजबूत बनाने और दयालुता फैलाने के प्रयास में 'मिशन डीडीएलजे (डोनेट एण्ड डिलीवर लव एण्ड जॉय)' का लॉन्च किया। इस पहल ने विशेष प्रोग्रामों के माध्यम से 1000 से अधिक बच्चों एवं वरिष्ठ नागरिकों के जीवन पर सकारात्मक प्रभाव उत्पन्न किया। समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के उद्देश्य से इन प्रोग्रामों को सोच-समझ कर तैयार किया गया है। पीहू जैन, हैड ऑफ गिरनार फाउन्डेशन ने कहा, मिशन डीडीएलजे समाज में प्यार, खुशियां और अपनापन बांटने की दिशा में हमारा महत्वपूर्ण प्रयास है। हमारा उद्देश्य उन लोगों के बीच खुशियां बांटना है, जिन्हें इसकी सबसे ज्यादा जरूरत है। ऐसे में प्यार का महीना फरवरी इसके लिए परफेक्ट समय था। फाउन्डेशन का उद्देश्य खासतौर पर बच्चों, महिलाओं एवं वंचित समुदायों- के कल्याण को सुनिश्चित करना और समाज के उज्जवल भविष्य के निर्माण में योगदान देना है।

स्वास्थ्य जांच शिविर एवं सत्संग का आयोजन

नई दिल्ली। सतगुरु माता सुदीक्षा महाराज की शिक्षाओं से प्रेरित होकर, संत निरंकारी मिशन सदैव समाज सेवा एवं लोक कल्याण के प्रति समर्पित रहा है। इसी सेवा भाव के अंतर्गत, संत निरंकारी चैरिटेबल फाउंडेशन के तत्वावधान में सतगुरु माता के जन्मोत्सव के अवसर पर दिल्ली एनसीआर में मिशन द्वारा गोद लिए गए गाँवों में स्वास्थ्य जांच शिविरों का आयोजन किया जाएगा। संत निरंकारी मंडल के सचिव, जोगिंदर सुखीजा ने बताया कि यह विशेष स्वास्थ्य जांच शिविर चार घंटे संचालित होगा, जिसमें हजारों नागरिकों को स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ प्राप्त होगा। इस शिविर में ब्लड शुगर, रक्तचाप, लीपिड प्रोफाइल सहित अन्य आवश्यक जांचें प्रदान की जायेगी। वरिष्ठ नागरिकों एवं जरूरतमंदों के लिए विशेष स्वास्थ्य सुविधाएँ उपलब्ध होंगी। संपूर्ण स्वास्थ्य जांच हेतु नाममात्र शुल्क होगा ताकि अधिक से अधिक लोग इस स्वास्थ्य सेवा से लाभान्वित हो सके। इसके अतिरिक्त, सतगुरु माता एवं निरंकारी राजपिता के सानिद्ध्य में बृहस्पतिवार को ग्राउंड नं. 2, बुराडी रोड, में विशेष सत्संग आयोजित किया जाएगा।

प्रदूषण: स्कूलों में एयर प्यूरीफायर लगाया जाए: सौम्या

- बोली, वायु प्रदूषण पर पर्याप्त आंकड़े इकट्ठा कर लिए है, अब उपायों का समय आ गया

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली एनसीआर में वायु प्रदूषण एक आम बात हो गई है। कुछ अंतर के साथ हर साल इसका अनुभव होता है।

आमतौर पर जून से सितंबर तक मानसून के दौरान वायु प्रदूषण सबसे कम होता है क्योंकि बारिश प्रदूषण को फैलने या बढ़ने का अवसर नहीं देती है लेकिन बाकी के महीनों में वायु प्रदूषण की समस्या कई गुना बढ़ जाती है। सबसे खराब वायु गुणवत्ता का अनुभव ठंड के महीने में अक्टूबर से फरवरी के दौरान होता है। राष्ट्रीय राजधानी में बहुत अधिक वायु प्रदूषण का होना काफी ज्यादा चिंता की बात है। यह जीव-जंतुओं और प्रकृति को कई तरह से प्रभावित कर रहा है।

इस समस्या का सबसे आम संकेत खराब दृश्यता, सांस लेने में कठिनाई, बहुत अधिक लोगों को सांस की बीमारी, सतही पानी की गुणवत्ता में गिरावट और शहर की गतिविधियों में रुकावट है। प्रदूषण से बच्चों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। बच्चों को इस समस्या से निजात दिलाने के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन की पूर्व मुख्य वैज्ञानिक सौम्या स्वामीनाथन ने दिल्ली जैसे शहरों में बच्चों को खतरनाक वायु प्रदूषण से बचाने के लिए सभी सरकारी और निजी स्कूलों में एयर प्यूरीफायर लगाने का सुझाव दिया है। स्वास्थ्य मंत्रालय की सलाहकार स्वामीनाथन ने मीडिया से बातचीत में कहा कि भारत ने वायु प्रदूषण पर पर्याप्त आंकड़े इकट्ठा कर लिए हैं और अब उपायों का समय आ गया है।

बच्चों पर इसका सबसे बुरा प्रभाव पड़ता है क्योंकि उनके सांस लेने की तीव्रता व्यस्कों की तुलना में अधिक होती है। उनकी लंबाई कम होने के कारण जमीन के करीब मौजूद प्रदूषक तत्व उन्हें ज्यादा प्रभावित करते हैं। इस तरह के प्रदूषक तत्व लगातार बढ़ रहे हैं तो ऐसे में उनके सभी अंग प्रभावित होते हैं। स्वामीनाथन ने कह, उन्हें लगता है कि अगर एयर प्यूरीफायर आसानी से उपलब्ध होंगे और सस्ते होंगे तो उनका इस्तेमाल किया जा सकता है या किया जाना चाहिए। हम इन्हें सभी स्कूलों में लगाने के बारे में विचार कर सकते हैं क्योंकि बच्चे वहां सबसे ज्यादा समय बिताते हैं। चाहे सरकारी हो या निजी स्कूल, अगर हम स्कूलों के भीतर वायु गुणवत्ता में सुधार कर सकें, तो इससे बच्चों को लाभ होगा। लेकिन अंतिम समाधान यह है कि हम हवा को साफ करें। दिल्ली में सर्दियों में अक्सर वायु गुणवत्ता खतरनाक स्तर पर रहती है जिसके लिए क्रमिक प्रतिक्रिया कार्ययोजना के चरण तीन और चार के तहत कड़े प्रतिबंध लगाने पड़ते हैं।

ग्रैप शिक्षा प्रणाली को भी काफी हद तक बाधित करता है। यह पूछे जाने पर कि क्या वायु प्रदूषण के खिलाफ जंग में क्रियान्वयन ही एकमात्र हथियार है तो स्वामीनाथन ने कहा, हमारे पास अब पर्याप्त आंकड़े हैं, उन्हें लगता है कि हमें कदम उठाने की जरूरत है।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ को एम्स से छुट्टी मिली

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के स्वास्थ्य में संतोषजनक सुधार के बाद उन्हें बुधवार को यहां स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) से छुट्टी दे दी गई।

अस्पताल ने एक बयान में बताया कि उन्हें हृदय संबंधी बीमारियों के कारण नौ मार्च को एम्स में भर्ती कराया गया था। एम्स में चिकित्सा टीम से आवश्यक देखभाल मिलने के बाद, उनकी हालत में संतोषजनक सुधार हुआ और 12 मार्च को उन्हें छुट्टी दे दी गई। उन्हें अगले कुछ दिन तक पर्याप्त आराम करने की सलाह दी गई है। धनखड़ ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट कर एम्स की चिकित्सा टीम का धन्यवाद किया। नौ मार्च को भर्ती होने से लेकर 12 मार्च को छुट्टी मिलने तक एम्स की मेडिकल टीम की अनुकरणीय देखभाल और पेशेवर रवैए की मैं तहे दिल से सराहना करता हूं।

रंग-बिरंगे और उल्लास से भरा है राष्ट्रीय पर्व होली का उत्सव

प्रयागराज। रंगों का त्यौहार होली देश में सबसे रंग बिरंगे और उल्लास से भरे उत्सवों में से एक है। यह खुशियों संगीत और उत्साह से लोगों को जोड़ता है। ऐसे में जी टीवी के कलाकार भी इस जश्न को लेकर बेहद उत्साहित हैं। इस साल चौदह मार्च को मनाई जाने वाली होली वसंत के आगमन और बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है। होलिका दहन से शुरू होने वाला यह पर्व बुराइयों को जलाकर नई शुरुआत करने का संदेश देता है। अगले दिन पूरा देश रंग गुलाल की बौछार गुझिया और मालपुआ की मिठास और ढोल नगाड़ों की धुन पर झूम उठता है। भाग्य लक्ष्मी की लक्ष्मी यानी ऐश्वर्या खरे जाने अनजाने हम मिले की रीत यानी आयुषी खुराना जमाई नंबर एक के नील यानी अभिषेक मलिक वसुधा की वसुधा यानी प्रिया ठाकुर कैसे मुझे तुम मिल गए की मानवी यानी आकांक्षा चमोला जागृति एक नई सुबह के सूरज यानी विजयेंद्र कुमेरिया और कुमकुम भाग्य की प्रार्थना यानी प्रणाली राठौड़ ने अपने बचपन की होली की यादें साझा कीं और बताया कि इस साल वे इस पर्व को कैसे मनाने वाले हैं। भाग्य लक्ष्मी में लक्ष्मी का किरदार निभा रहीं ऐश्वर्या खरे ने कहा होली हमेशा से मेरा पसंदीदा त्यौहार रहा है क्योंकि यह खुशियां और अपनापन लेकर आता है। बचपन में मैं होली का बेसब्री से इंतजार करती थी पानी से भरी बाल्टियां तैयार करती और फिर बड़े मजे से रंगों से दोस्तों और परिवार पर हमला करने की प्लानिंग करती। भोपाल में पूरी कॉलोनी के साथ होली मनाने की यादें मेरे दिल के बेहद करीब हैं जब हर कोई अपनी चिंताओं को भूलकर सिर्फ त्यौहार का मजा लेता था।

होली सनातन संस्कृति की प्रेम की पहचान और खुशियों का पर्व

महापौर गणेश एवं पूर्व सांसद रीता जोशी ने निर्बल बच्चों को बांटे रंग-गुलाल, पिचकारी और होली का कपड़ा

प्रयागराज। डॉ मुरली मनोहर जोशी सेवा समिति के अध्यक्ष अनिल भट्ट के संयोजन में टैगोर टाउन में होली पर्व को लेकर गरीब एवं निर्बल बच्चों को होली की सामग्री वितरण किया गया। इस अवसर पर महापौर गणेश केसरवानी पूर्व सांसद रीता बहुगुणा जोशी ने कार्यकर्ताओं के साथ निर्बल बच्चों को रंग गुलाल पिचकारी और होली का कपड़े वितरित कर उन्हें होली की बधाई दी और कहा कि सनातन संस्कृति की प्रेम की पहचान खुशियों का पर्व है होली इसे हम सभी को मिलजुल कर प्रेम सद्भावना खुशी के उत्साह के साथ मनाना है। कार्यक्रम के संयोजक अनिल भट्ट एवं हिमांशु तिवारी रहे। इस अवसर हिमांशु तिवारी राजेश केसरवानी पार्षद आशीष द्विवेदी ज्ञानेंद्र गुप्ता सोनी भट्ट शशि वार्ष्णेय विजय श्रीवास्तव मनोज श्रीवास्तव भोला सिंह सरोज गुप्ता कल्पना शर्मा विनीता गुप्ता बृजेश श्रीवास्तव माधवी चटर्जी वंदना दुबे मीना राय अनीता सिंह गिरजेश मिश्रा प्रमोद मोदी सौरभ राय धीरज पंथ मधु तिवारी मोहम्मद जुबेर लोकेश मुखर्जी आदि क्षेत्र के बच्चे उपस्थित रहे।

होली के त्यौहार में आपसी सौहार्द बनाए रखें:बरनवाल

मीरजापुर। सेमफोर्ड स्कूल में विद्यालय के सदस्यों के द्वारा होली के पावन पर्व पर होली मिलन समारोह एवं विद्यालय के सत्र 2025.26 सत्र के वार्षिक कैलेंडर का विमोचन का कार्यक्रम आयोजित किया गया। विद्यालय के प्रबंधक ई0 विवेक बरनवाल ने आए हुए अतिथियों श्री इन्द्र कुमार सिंह जीए श्रीमती शशी सिंह जी एएड0 श्री अमरेश चन्द्र पांडेय जी एवं श्रीमती सुषमा पांडेय जी का स्वागत माल्यार्पण एवं अबीर लगाकर किया। प्रबंधक ई0 विवेक बरनवाल ने बताया की होली का त्यौहार असत्य पर सत्य के विजय का त्यौहार है जिसे सभी लोग एक? दूसरे को रंग अबीर लगाकर मनाते हैं। होलिका जिस दिन जलाया जाता है उसी दिन भक्त प्रह्लाद को होलिका अग्नि में लेकर बैठी थी भक्त प्रह्लाद को मारने के लिए लेकिन अग्नि में होलिका ही भस्म हो गई। प्रबंधक इंजीनियर विवेक बरनवाल ने कहा कि होली के इस त्यौहार में प्राकृतिक रंगों का उपयोग करें और केमिकल वाले रंगों से दूरी बनाएं। कार्यक्रम में सभी सदस्यों के द्वारा होली से संबंधित गीत गाए गये एवं एक दूसरे को अबीर गुलाल लगाया गया। होली के इस कार्यक्रम में सभी लोग गोझियाए चिप्स ए पापड़ ए ठंडाई का आनंद लिए एवं एक दूसरे को बधाई दी। कार्यक्रम में बसही विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री शैलेश पांडेय जी एवं नटवा विद्यालय की प्रिंसिपल श्रीमती श्वेता मेहरोत्रा खत्री जी ने भी होली के गीत गाए। कार्यक्रम का सफल आयोजन सुमित कुमारए सौरभ सेठ खत्री जीए हरप्रित कौर डंग जीए वंदना यादव जी एवं शैलेन्द्र पांडेय जी आदि के नेतृत्व में किया गया। सर्वम सेवा संस्था ने हलिया एवं लालगंज क्षेत्र के 51 टीबी मरीजों को पोषण पोटली भेंट करते हुए गोद लिए गए मरीजों को अपने हाथों पोषण पोटली भेंट दिया।

सनातनी विधि विधान से 225 जोड़ों का हुआ सामूहिक विवाह

गाजीपुर। मुख्यमंत्री सामुहिक विवाह योजनान्तर्गत समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह कार्यक्रम का आयोजन आर टी आई मैदान ;नवीन स्टेडियमद्ध में सम्पन्न हुआ। शादी समारोह का शुभारम्भं मुख्य अतिथि जिला पंचायत सपना सिंह एवं उपस्थित मंचाशीन अतिथियों द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया। सामुहिक विवाह योजना में कुल 225 जोड़ो का सामुहिक विवाह पूरे सनातनी विधि विधान के साथ सम्पन्न हुआ। सामुहिक विवाह के अवसर पर उपस्थित समस्त जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने नव विवाहित वर.वधुओं को उनके वैवाहिक जीवन की मंगल कामना करते हुए शुभकामना दी। सामुहिक विवाह में नव दाम्पत्य को विवाह प्रमाण पत्र एवं पौध रोपण हेतु आम वृक्ष का पौधा उनके हाथो में दिया गया। विवाह कार्यक्रम मे मंच से ही मुख्य अतिथि ने बटन दबाकर 35 हजार रूपये की धनराशि वधुओ के खाते मे हस्तान्तरित किया।

मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष सपना सिंह ने नव विवाहित वर.वधुओ को आर्शिवचन देते हुए कहा कि नव विवाहित जोड़ो ने 7 फेरे लेकर एक साथ रहने का जो संकल्प लिया है उसे आजीवन निर्वहन करे। उन्होने कहा कि मा0 मुख्यमंत्री सामुहिक विवाह कार्यक्रम योजना एक कल्याणकारी योजना है। जिसमे हजारो हजार की संख्या में बेटियों के हाथ पीले किये जा चुके है। मा0 मुख्यमंत्री जी ने इस योजना के माध्यम से गरीबए मजदूर एवं असहाय परिवारो को इसका लाभ दिया है और आगे भी इस योजना के माध्यम से बेटियो का विवाह सम्पन्न कराया जायेगा। मा0 मुख्यमंत्री जी ने बेटियो के हाथ पीले करने का जो संकल्प लिया है उसे आगे और भी बेहतर बनाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होने कहा कि इस योजना के माध्यम से जो विवाह कराया जाता है उससे समाज मे फैली दहेज प्रथा जैसी रूढ़िवादी सोच समाप्त होती जा रही है। दहेज लेना और दहेज देना एक दण्डनीय अपराध है। उन्होने कहा कि आज जो भी बेटियां अपने ससुराल विदा हो रही है तो उनके ससुराल पक्ष के लोग उन्हे बहु न बल्कि बेटी बनाकर घर ले जाये। मिल बाट कर एक सादगी से भरे इस कार्यक्रम में परिणय सुत्र मे बध जाये और दहेज प्रथा तथा बेटियों को बोझ समझने की सोच से उबरकरए हम आगे बढ सके तथा बेटियों को समाज में उनको उचित स्थान दे सके यही मा0 मुख्यमंत्री जी की मंशा है। बेटिया अपने समाज मे स्वावलंबी बनेए उनकी शिक्षाए स्वास्थ्य सब उत्तम होए इसी उद्देश्य से मा0 मुख्यमंत्री जी ने बेटियो के लिए कई योजनाएँ संचालित की है आप सभी योजनाओ से जुड़कर अपनी बेटियों को सशक्त बनाये। उन्होने सभी नव दाम्पय से निवेदन किया कि शादी के बाद गर्भ का भ्रूण परिक्षण न कराये जो भी बच्चा हो उसे सम्मान के साथ परिवार मे लाये। मुख्य विकास अधिकारी संतोष कुमार वैश्य ने मा0 मुख्य मंत्री सामुहिक विवाह योजना की जानकारी देते हुए कहा कि आज जनपद के समस्त ब्लाको से चयनित 225 जोड़ो का विवाह पूरे विधि विधान के साथ सम्पन्न हुआ है। उन्होने शादी समारोह में आये हुए वर एवं वधु के परिजनो के प्रति भी शुभकामना व्यक्त की। कहा कि इस योजना के अन्तर्गत 51 हजार की धनराशि प्रदान किया जा रहा है जिसमें 35 हजार रूपये वधु के खाते में तथा 10 हजार रूपये के उपहार एवं 6 हजार शादी समारोह के आयोजन के लिए दिया जा रहा है।

मातृशक्ति के मजबूत होने से देश बनेगा विकसित भारत

सोनभद्र। प्रधानमंत्री उज्जवला योजना के अन्तर्गत गैस रिफलिंग सब्सिडी कार्यक्रम में मुख्यमंत्री के सम्बोधन का कलेक्ट्रेट सभागार में सजीव प्रसारण किया गया। इस मौके पर सदर विधायक भूपेश चौबे जिलाधिकारी बी0एन0 सिंह, अपर जिलाधिकारी सहदेव कुमार मिश्र जिला पूर्ति अधिकारी ध्रुव गुप्ता, अपर जिला सूचना अधिकारी विनय कुमार सिंह सहित योजना के लाभार्थियों ने मुख्यमंत्री के सम्बोधन के सजीव प्रसारण को देखा और सुना। इस मौके पर विधायक सदर व जिलाधिकारी ने गैस रिफलिंग सब्सिडी के लाभार्थियों को चेक वितरण किया। सदर विधायक भूपेश चौबे ने कहा कि ये जो लाभार्थी हैं, लाभार्थी के साथ-साथ देश के विकास में अहम भूमिका भी निभाते हैं, जिसके लिए प्रदेश सरकार द्वारा उन्हें आज उज्जवल योजना के तहत मिलने वाले गैस की धनराशि को सब्सिडी के रूप में उनके खाते में भेजने का कार्य किया जा रहा है। परिवार समाज को मजबूत बनाने में मातृशक्ति का महत्वपर्ण योगदान है, इसलिए देश के प्रधानमंत्री ने महिला सशक्तिकरण को मजबूती देने के लिए उज्जवला योजना का गैस कनेक्शन, प्रधानमंत्री आवास योजना के अन्तर्गत महिला मुखिया के नाम किया है, देश के प्रधानमंत्री का मत है कि देश विकसित भारत तब बनेगा, जब देश की मातृशक्ति मजबूत होगी। इस मौके पर जिलाधिकारी ने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री द्वारा प्रधानमंत्री उज्जवला योजना के अन्तर्गत गैस रिफलिंग सब्सिडी वितरण कार्यक्रम का प्रसारण लखनऊ से किया गया, गैस रिफलिंग सब्सिडी से जनपद के लाभार्थियों को भी लाभान्वित किया जायेगा, जनपद में 2 लाख 51 हजार गैस कनेक्शन हैं, गैस की समस्या किसी भी क्षेत्र में नहीं है और सभी लाभार्थियों को गैस कनेक्शन की सुविधा आसानी से उपलब्ध हो रही है, गैस रिफलिंग सब्सिडी हेतु अभी तक जिन लाभार्थियों ने रजिस्ट्रेशन नहीं कराया गया है, वह अनिवार्य रूप से अपना रजिस्ट्रेशन करा लें, जिससे कि सब्सिडी की सुविधा उन्हें प्राप्त हो सकें।

दुकान की नीलामी 25 मार्च को:सोनभद्र। विशेष न्यायाधीश पाक्सो व दुकानों कें नीलामी समिति के अध्यक्ष अमित वीर सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि जनपद न्यायाधीश सोनभद्र के अन्तर्गत प्रांगण मुंसफी खण्ड में स्थित फोटो स्टेट की दुकान का नीलामी किया जाना है। नीलामी वर्ष 2025-26 अप्रैल 2025 से 31 मार्च 2026 तक कें लिये, 25 मार्च, 2025 को अपरान्ह 1.30 बजे जनपद न्यायालय सोनभद्र के परिसर में नीलामी करायी जायेगी। नीलामी में भाग लेने एवं नीलामी सम्बन्धी अन्य जानकारी के लिए नजारत अनुभाग, जनपद न्यायालय सोनभद्र में सम्पर्क किया जा सकता है।

मुख्यमंत्री सामूहिक योजना के तहत 60 जोड़ों की हुई शादी

चन्दौली। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत बुधवार को प्रात: 10 बजे से ब्लाक परिसर धानापुर में सामूहिक विवाह कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। विवाह के लिए कुल 62 जोड़ों ने पंजीकरण कराया था लेकिन किन्हीं कारणों से तीन जोडे अनुपस्थित रहे। एक मुस्लिम जोड़े का निकाह हुआ तथा 58 जोड़ों का वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच हिंदू रीति रिवाज के अनुसार विवाह संपन्न हुआ । विवाह समारोह के मुख्य अतिथि ब्लाक प्रमुख अजय सिंह और विशिष्ट अतिथि भाजपा के जिला महामंत्री सुजीत जयसवाल रहे। । अजय सिंह ने कहा कि सरकार समाज के अंतिम व्यक्ति के विकास के लिए कार्य कर रही है। एक समय था जब लड़कियों की शादी के लिए गरीब माता पिता चिंतित रहते थेए लेकिन आज सरकार के इस योजना से वह निश्चिंत हो गए हैं। उन्होंने सभी नवदंपति को प्रमाणपत्र और उपहार भेंट कर आशीर्वाद दिया। उन्होंने कहा कि इस योजना में गरीब और निराशक्त लड़कियों की शादी के लिए सरकार ने जो मनसा बनाई है उसके अनुरूप पूरे प्रदेश में सामूहिक विवाह योजना विवाह का कार्यक्रम संपन्न कराया जा रहा है। सभी कर्मचारियों ने अपने.अपने दायित्व का निर्वहन किया। विवाह में आए सभी वर वधु और उनके परिजनों के लिए भोजन और जलपान की व्यवस्था की गई थी। इस दौरान मुख्य रूप से विकास खंड अधिकारी विजय कुमारए प्रधान संघ अध्यक्ष राजेश सिंहए एडीओ पंचायत राजेश सिंहए एडीओ समाज कल्याण सौरभए ग्राम प्रधान प्रहलादपुर आशुतोष सिंह ष्पिंटूष् राणा सिंह नेगुराए विमल सिंह दादाए ग्राम प्रधान रामजी कुशवाहाए विधायक प्रतिनिधि अन्नू सिंहए अरविंद मिश्राए विक्की सिंह सहित अन्य लोग उपस्थित रहे। संचालन अभय कुमार ष्पीकेष् ने किया।

बुनियादी सुविधाओं को मजबूत कर रही है सरकार-अजीत रावत

सोनभद्र। बुधवार को राबर्ट्सगंज विकास खंड के नरैना गांव के चौहान बस्ती में इंटरलाकिंग कार्य का लोकार्पण सदर ब्लॉक प्रमुख अजीत रावत ने विधि विधान से पूजन अर्चन कर किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ग्रामीण विकास को नई गति देने के लिए प्रतिबद्ध है। ब्लॉक प्रमुख अजीत रावत ने कहा हमारी सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं को मजबूत करने के लिए काम कर रही है। हमारा उद्देश्य लोगों के जीवन को बेहतर बनाना है। हमारी सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में महिला सशक्तिकरण और युवा विकास को बढ़ावा देने के लिए काम कर रही है। हम महिलाओं और युवाओं को शिक्षा स्वास्थ्य और रोजगार के अवसरों को प्रदान करने के लिए काम कर रहे हैं। उन्होंने कहाकि इंटरलाकिंग जैसे अन्य छोटे छोटे कार्य होने से लोगो को सहूलियत मिलेगी। ग्रामीणों की मांग पर पेयजल के किल्लत को देखते हुए वाटर पम्प लगवाने का आश्वासन दिया गया है जिसें जल्दी ही पुरा करा दिया जायेगा। इस अवसर पर जेई श्याम धर प्रिन्स सिंह ग्राम प्रधान उषा देवी क्षेत्र पंचायत सदस्य रामलाल धीरेन्द्र सिंह हंसराज चौहान राकेश चौहान पार्वती देवी मुन्नी राजकुमारी शांति देवी समेत बडी संख्या में लोग उपस्थित रहें।

हमारा आंगन हमारे बच्चे उत्सव की धूम

अंबेडकर नगर। महानिदेशकए स्कूल शिक्षाए उ0प्र0 लखनऊ द्वारा प्राप्त निर्देश के क्रम में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अन्तर्गत जनपद स्तरीय श्हमारा आंगन हमारे बच्चे उत्सव कार्यक्रम लोहिया भवन में आयोजित किया गया। जिसमें सभी विकासखण्डों से प्री.प्राइमरी के अन्तर्गत बाल वाटिका से सम्बन्धित टी0एल0एम0 प्रदर्शनी लगायी गयी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिलाधिकारी अविनाश सिंह द्वारा सभी स्टॉल का निरीक्षण करते हुए बच्चों एवं अध्यापकों के मनोबल को बढ़ाया गया। कार्यक्रम में प्रत्येक विकासखण्ड से 02.02 निपुण बच्चेए बेसिक शिक्षा विभाग के नोडल शिक्षक संकुल सदस्यए नोडल अध्यापक ;प्राथमिक ए कम्पोजिट विद्यालयद्ध एवं बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार विभाग से आंगनबाडी कार्यकत्री ;को.लोकेटेड आंगनबाडी केन्द्रद्ध एवं सुपरवाइजर को प्रमाणपत्रए शील्डए मेडलए अंगवस्त्र एवं स्टेशनरी गिफ्ट प्रदान किया गया। जिलाधिकारी ने बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित उक्त कार्यक्रम की प्रशंसा करते हुए कहा गया कि इस तरह के आयोजन लगातार होते रहने चाहिएए जिससे शासन की योजनाओं से जनमानस को अवगत कराया जा सके। जिलाधिकारी द्वारा उपस्थित अभिभावकों को प्रेरित करते हुए कहा गया कि अपने बच्चों को निरन्तर समय से विद्यालय भेजेए क्योंकि बच्चे ही विश्व गुरु भारत की संकल्पना साकार कर सकते है। उक्त अवसर पर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी द्वारा जिलाधिकारी महोदय को बेसिक शिक्षा विभाग की तरफ से स्मृति चिन्ह प्रदान किया गया। इसके पूर्व जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी भोलेन्द्र प्रताप सिंह द्वारा बेसिक विभाग द्वारा संचालित प्री.प्राइमरी से सम्बन्धित योजनाओं के सम्बन्ध में विस्तार से प्रकाश डालते हुए जिलाधिकारी के समक्ष जनपदीय प्रगति प्रस्तुत की गयी। कार्यक्रम में इंस्पायर अवार्ड में चयनित 13 बच्चों कोए सुलेख प्रतियोगिता में चयनित 06 बच्चोंए जनपद स्तरीय कविता पाठन प्रतियोगिता में चयनित 03 बच्चों कोए वीरगाथा प्रोजेक्ट में राज्य स्तर से चयनित विकासखण्ड.अकबरपुर की छात्रा संजना तथा राष्ट्रीय आय एवं छात्रवृत्ति आधारित परीक्षा में जनपद में प्रथम स्थान पर चयनित छात्र सौरभ विकासखण्ड टाण्डा को प्रशस्ति पत्र एवं अन्य पुरस्कार प्रदान करते हुए पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम में प्राथमिक विद्यालय थर्मल प्रोजेक्ट टाण्डा के बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम तथा प्राथमिक विद्यालय कुर्मीपुरए भियांव के छात्रों द्वारा एकांकी भी प्रस्तुत किया गया।

राघवेन्द्र बाजपेई की हत्या के विरोध में पत्रकारों ने कालीपट्टी बांध जुलूस निकाला

अम्बेडकर नगर। सीतापुर के माहौली तहसील पत्रकार राघवेन्द्र बाजपेई की दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या मामले में कार्यवाही न होने पर अम्बेडकर नगर पत्रकार संघ के जिलाध्यक्ष शैलेन्द्र त्रिपाठी की अगुवाई में जिलेभर के पत्रकारों ने काली पट्टी बांधकर जुलूस निकाल कर विरोध जताया और राज्यपाल व मुख्यमंत्री को सम्बोधित चार सूत्री ज्ञापन सौंपकर कार्रवाई की मांग की किये। इस मौके पर वरिष्ठ पत्रकार इंद्रसेन सिंह महेंद्र सिंह अहमद मेहदी संदीप सिहए सोनू सिंहए पंकज शुक्लएसूरज सिंहएशुभम सिंहए एउपेन्द्र मौर्य अमन आलोक सिंहएलालजी संजय यादवए सहित बड़ी संख्या में पत्रकार मौजूद रहे।

कृत्रिम अंग उपकरण बांटे गए

अम्बेडकरनगर। विकास भवन परिसर में दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग द्वारा संचालित कृत्रिम अंग व सहायक उपकरण योजनान्तर्गत उपकरण का वितरण किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में एमएलसी हरिओम पांडेय और विशिष्ट अतिथि के रूप में विधायक धर्मराज निषाद पहुंचे। साथ डीएम अविनाश सिंहए सीडीओ आनंद शुक्ला और जिला विकास अधिकारी सुनील कुमार तिवारीए परियोजना निदेशक अनिल कुमार सिंहएडीपीआरो अवनीश श्रीवास्तव मौजूद रहे।सबसे पहले अतिथि का दिव्यांग अधिकारी प्रतिभा यादव ने पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया।उसके बाद एमएलसी ने दिव्यांग के लिए सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओ की सरहाना करते हर पात्र दिव्यांग को योजना से लाभवंतित होने की बात कही। मौजूद विधायक ने भी दिव्यांग से उनका हाल चाल पूछते हुए कहा की सरकार की योजनाए हर पात्र व्यक्ति तक पहुंचाई जाएगी। डीएम अविनाश व सीडीओ आंनद शुक्ला ने ट्राईसाईकिल पर बैठे लाभार्थियों को माला पहनाकार उनका स्वगात किए। उसके बाद एमएलसीए जिला पंचायत अध्यक्ष श्याम सुंदर उर्फ़साधू वर्माएविधायकए डीएमए सीडीओ ने हरी झंडी दिखाकर दिव्यांगो को रवाना किए।इस मौके पर दिव्यांगजनों को 45 ट्राईसाइकिलए 06 व्हीलचेयर 04 कान की मशीन एंव 10 वैशाखी का वितरण किया गया।

लाट साहब की तर्ज़ पर जेल में निकाला जाएगा अपराध का जुलूस

शाहजहांपुर । जिले में होली क पर्व लाट साहब के जलूस के बिना अधूरा है। शाहजहांपुर के लिए जैसे दोनों ही एक दूसरे के पूरक हैं। सभी जनपद वासियों हां तक पड़ोसी जनपदों से लोग भी लाट साहब के जलूस को देखने आते हैं। शाहजहांपुर जेल में भी जिस प्रकार प्रत्येक त्यौहार बड़े धूमधाम से मनाया जाता है उसी प्रकार होली का त्योहार भी मनाने की विशेष तैयारियां की गई है लाट साहब के जुलूस की तर्ज पर ही जेल में भी एक जलूस निकाला जाएगा किन्तु वह लाट साहब का नहीं बल्कि इफअपराध के पुतले का मानवीकरण करके निकाला जाएगा यह जरूर एक गाड़ी पर रखकर सभी बैरकों में सभी बंदियों के बीच लेजा आ जाएगा और यह संदेश देने की कोशिश की जाएगी कि अपराध व्यक्ति के जीवन में बर्बादी लेकर आता है अपराध से तौबा करना हैं और समाज के साथ जुड़कर अपना एवं अपने परिवार का भरण पोषण करना है। सभी बंदियों को अपराध से तौबा करना है। इसका मुख्य उद्देश जहां बंधुओं को लौट साहब के जलूस की तरह ही एक जलूस को देखने का शौक पूरा होगा और वही इस बात की प्रेरणा मिलेगी के उन्हें अपराधी पुनरावृत्ति नहीं करनी है। जेल में ही उत्पादित सब्जियों जैसे चुकंदर पालक और फूलों जैसे गुलाब गेंदा आदि से हर्बल रंग व गुलाल तैयार किए गए हैं जोकि सभी बंदियों को निशुल्क उपलब्ध कराए गए हैं ताकि सभी होली का पर्व स्वास्थ्य और शरीर को बिना नुकसान पहुंचा और पर्यावरण के अनुकूल होली का पर्व मना सके एक दूसरे हर गुलाल और रंग प्रयोग कर सकें। जेल अधीक्षक मिजाजी लाल के साथ.साथ सभी अधिकारी एवं कर्मचारी गाजे बाजे के साथ सभी बंदियों के साथ होली खेलेंगे और सभी के गले

एनटीपीसी नें डोड़हर विद्यालय में हुई स्टेम लैब की स्थापना

बीजपुर/सोनभद्र। एनटीपीसी रिहंद ने अपने नैगम सामाजिक दायित्व पहल के तहत कॉम्पोजिट विद्यालय, डोड़हर में स्टेम लैब (विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित लैब) की स्थापना की है। लैब का उद्घाटन मुख्यअतिथि कार्यकारी निदेशक रिहंद अनिल श्रीवास्तव द्वारा फीता काट कर किया गया। यह लैब विद्यार्थियों को उनके पाठ्यक्रम में सहायता प्रदान करने और वैज्ञानिक सोच को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से स्थापित किया गया है। स्टेम लैब में कक्षा 6 से 8 के पाठ्यक्रम अवधारणाओं पर आधारित विज्ञान और गणित के 80 कार्यशील मॉडल उपलब्ध हैं, जो छात्रों को प्रयोगात्मक शिक्षा का अनुभव प्रदान करेंगे। इस लैब को लगभग 8 लाख रुपयें की लागत से निर्मित किया गया है। इस अवसर पर विद्यालय के छात्रों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया, जिसे उपस्थित लोगो ने खूब सराहा। कार्यक्रम के उपरांत मुख्यअतिथि अनिल श्रीवास्तव द्वारा छात्रों को स्कूल बैग एवं हाइजीन किट वितरित किए गए। अपने संबोधन में मुख्य अतिथि ने कहाकि एनटीपीसी रिहंद शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए सतत प्रयासरत है, जिससे क्षेत्र के विद्यार्थियों को गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा और आधुनिक सुविधाएं प्राप्त हो सकें। उन्होंने आश्वस्त किया कि एनटीपीसी रिहंद भविष्य में भी शिक्षा के क्षेत्र में इस प्रकार की पहल को जारी रखेगा।

जश्न, अपनापन और खुशियों का मौका है होली

कानपुर। होली सिर्फ रंगों का त्यौहार नहीं, बल्कि जश्न, अपनापन और खुशियों का मौका भी है। इस बार टेक्नोए जो अपनी इनोवेशन और बेहतरीन सिग्नल कनेक्टिविटी के लिए जाना जाता हैए इस त्यौहार को रंगोत्सव के साथ और भी खास बना रहा हैए जहाँ खूब धमाल होगाए मस्ती होगी और ढेर सारे सरप्राइज़ेस भी। त्यौहार की खुशियों को दुगना करने के लिए टेक्नो ग्राहकों को शानदार इनाम जीतने का सुनहरा मौका दे रहा है। 7 मार्च से लेकर 31 मार्चए 2025 के बीच जो भी ग्राहक नजदीकी रिटेल स्टोर से कोई भी टेक्नो स्मार्टफोन खरीदेंगेए उन्हें सिर्फएक फ्न्र् कोड स्कैन करके और अपनी डिटेल सबमिट करके लकी ड्रॉ में शामिल हो सकते है और खास बात यह है कि 24 खुशकिस्मत विजेताओं को नया स्कूटरए गोल्ड वाउचर और लेटेस्ट टेक्नो स्मार्टफोन जीतने का मौका भी मिलेगा। लकी ड्रॉ का रिजल्ट 4 अप्रैलए 2025 को घोषित किया जाएगाए तो हो जाए तैयार जश्न के लिए।होली का जश्न सिर्फग्राहकों तक ही सीमित नहीं है। टेक्नो अपने रिटेल पार्टनर्स के सहयोग और विश्वास की कद्र करता है और इसलिए त्यौहार की खुशी उनके साथ भी बाँट रहा है। टेक्नो की ग्रोथ में उनके योगदान उनके भरोसे और समर्थन के लिए आभार व्यक्त करते हुएए ब्रांड ने खासतौर पर रिटेल पार्टनर्स के लिए भी लकी ड्रॉ का आयोजन किया हैए जहाँ उन्हें खास तोहफे जीतने का मौका मिलेगा।

मुक्त विश्वविद्यालय में बीएड एवं स्पेशल बीएड में प्रवेश के लिए होली के बाद करें आवेदन

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के प्रवेश सत्र 2025 26 के लिए बी एड एवं बी एड विशिष्ट शिक्षा में प्रवेश प्रक्रिया होली के बाद प्रारंभ की जाएगी। प्रवेश परीक्षा कार्यक्रम की प्रस्तावित तिथियों की घोषणा आज कुलपति प्रो सत्यकाम ने की। बी एड एवं बी एड विशिष्ट शिक्षा प्रवेश आयोजन एवं संचालन समिति के समन्वयक प्रो पी के स्टालिन ने यह जानकारी देते हुए बताया कि ऑनलाइन पंजीकरण आवेदन एवं शुल्क भुगतान होली पर्व के बाद 18 मार्च 2025 से प्रारंभ किया जाएगा। ऑनलाइन पंजीकरण आवेदन एवं शुल्क भुगतान की अंतिम तिथि 20 अप्रैल 2025 निर्धारित की गई है। दोनों कार्यक्रमों में प्रवेश प्रक्रिया से संबंधित सभी जानकारियां विश्वविद्यालय वेबसाइट से प्राप्त की जा सकती हैं। यह जानकारी डॉ प्रभात चन्द्र मिश्र जनसंपर्क अधिकारी ने दी।

महिलाओं की गरिमा

कटु यथार्थ

महिलाओं की गरिमा के बारे में प्रतीकात्मक संकेतों से अलग हट कर कटु यथार्थ का सामना करने का समय आ गया है। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाने के ठीक दो दिन बाद तीन परेशान करने वाली घटनायें सामने आईं। हंपी में एक इज़्राइली पर्यटक से बलात्कार, पुणे में एक व्यक्ति द्वारा चौराहे पर पेशाब करने की निंदनीय घटना तथा बिहार में अश्लील गानों का प्रचार ऐसी घटनायें हैं। ये घटनायें भले ही एक दूसरे से अलग दिखें, पर वे समाज में परेशान करने वाली प्रवृत्ति का संकेत देती हैं। यह समाज नैतिक रूप से पतित, महिलाओं की गरिमा के प्रति उदासीन तथा लगातार जेंडर समानता के प्रति संवेदनहीन होता जा रहा है।

मूल्यों में यह पतन ऐसे देश में हो रहा है जहां एक समय नारीत्व का सम्मान कर महिलाओं को ऊंचा दर्जा दिया जाता था। मनुस्मृति का लोकप्रिय श्लोक, 'यत्र नार्यस्तु पूजयंते, रमन्ते तत्र देवता' का अर्थ है कि जहां नारियों का सम्मान होता है, वहीं देवत्व फलता-फूलता है। यह हमें याद दिलाता है कि महिलाओं का सम्मान होना और समाज में उनको महत्व मिलना चाहिए। ऐतिहासिक रूप से अपाला, घोषा, लोपामुद्रा और गार्गी जैसी महिलाओं ने प्राचीन भारत को गौरवान्वित किया था। आधुनिक समय में असंख्य महिलाओं ने विभिन्न क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान दिए हैं। लेकिन इसके बावजूद वर्तमान स्थिति को देख कर आश्चर्य होता है कि क्या देवताओं ने हमारा साथ छोड़ दिया है। आखिर क्या गलत हुआ है? एक समय नारीत्व का उत्सव मनाने वाले देश में इतना व्यापक महिला-द्वेष तथा नैतिक पतन क्यों दिख रहा है? हम कब गलत रास्ते पर चले गए? अपने पतन के लिए पश्चिमी प्रभाव पर दोषारोपण एक कमजोर बहाना है। सच्चाई यह है कि प्रगति में अग्रणी भूमिकायें निभाने के बावजूद महिलाओं को पितृसत्ता के कठोरतम रूपों का सामना करना पड़ रहा है। इनमें घरेलू हिंसा से लेकर कार्यस्थल पर भेदभाव तक शामिल है। भारतीय महिलायें लगातार अंतर्निहित पूर्वाग्रह के खिलाफ संघर्ष कर रही हैं। इनमें तथाकथित शिक्षित व सभ्य पुरुष शामिल हैं जो जेंडर समानता का मामला आने पर सुविधाजनक ढंग से अपने आदर्श छोड़ देते हैं।

हो सकता है कि उपरोक्त तीनों घटनायें सामान्य बात न हों, पर वे एक व्यापक व गहरी समस्या के लक्षण बताती हैं। पिछले वर्षों में हमने महिलाओं की वस्तु के रूप में छवि मजबूत की है। महिलाओं को दर्शनीय स्तर तक सीमित करने वाले विज्ञापनों, बालीवुड फिल्मों में पुरुषों को प्रोत्साहित करने के लिए दूसरे दर्जे की भूमिका निभाने या लोकप्रिय साहित्य में घर का प्रबंधन करने और बच्चे पालने की परंपरागत भूमिकायें निभाने की छवियों से यह स्पष्ट है। हाल ही में कई राजनेताओं ने महिलाओं के खिलाफ भद्दी टिप्पणियां की हैं। समस्या बहुत गंभीर है। शोभा की वस्तु बनाने के बजाय समाज को पूरी तरह महिला शक्ति के प्रति जागरूक होना तथा उनके अंतर्निहित मूल्यों का सम्मान करना चाहिए। सबसे पहले हमें यह स्वीकार करना चाहिए कि भारत में महिलाओं की स्थिति दयनीय है। इस मुद्दे की अनदेखी करने से सहायता नहीं मिलेगी। जब वीरदास जैसे स्टैंडअप कामेडियन ने कहा कि भारत दिन में महिलाओं की पूजा करता है और रात में उनका उत्पीड़न करता है तो तूफान खड़ा हो गया था। इसके बावजूद यह कटु यथार्थ है।

बड़बोलेपन और बहानों से सत्य नहीं बदलता है। अतीत के प्रतीकात्मक संकेत और उत्सव अपना महत्व खो चुके हैं और अब असली कार्रवाई का समय आ गया है। केवल कठोर कानूनों से समस्या का समाधान नहीं होगा, बल्कि उनका समुचित क्रियान्वयन होना चाहिए। उल्लेखनीय है कि अनेक कठोर कानूनों के बावजूद देश में महिला-विरोधी अपराधों में अभियोजन दर बहुत कम है जिससे क्रियान्वयन की कमी स्पष्ट होती है। हमें पुरुषों में शुरुआत से ही जेंडर संवेदनशीलता पैदा करनी होगी। लड़कों को बताया जाना चाहिए कि उनकी बहनों का अधिकार समान है और समाज को हर स्तर पर समानता को मजबूत करना चाहिए। ऐसे सांस्कृतिक परिवर्तन की जरूरत है जो महिलाओं के लिए सुरक्षित व न्यायोचित परिवेश बनाए। ऐसा होने पर ही उनका सच्चा सम्मान संभव है। हमने 'द पायनियर' में यह पहल की है और समाज को गहरी निद्रा से जगाने के लिए अपने पाठकों को इस अभियान में शामिल करना चाहते हैं।

यूरोप के समक्ष कठोर चुनौतियां

यूरोप अपने प्रभुत्व की पुरानी अवधारणाओं से चिपका है, लेकिन यूक्रेन युद्ध ने दशकों की रणनीतिक गलतियों और धोखेबाजी को उजागर कर दिया है। यूरोप को कठोर चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है।

नीलांत इलांगमुवा
(लेखक, वरिष्ठ पत्रकार हैं)

पिछले सप्ताह व्हाइट हाउस के ओवल आफिस में हुई घटना भू-राजनीतिक स्वांग से कुछ कम नहीं है। एक समय पश्चिम में लोकतंत्र के मूल्यवान प्रतीक माने जाने वाले वोलोदिमिर जेलेन्स्की अब डोनाल्ड ट्रंप और उनके निकटवर्ती लोगों के लिए एक बोझ तक सीमित हो गए हैं। अपने राजनीतिक कॅरियर के सर्वाधिक अपमानजनक क्षण से निकलने का प्रयास करते समय उनके स्वर में निराशा स्पष्ट थी। लेकिन ट्रंप अब पुराने पड़ चुके जेलेन्स्की के बजाय यूक्रेन में ऐसे चेहरे की तलाश कर रहे हैं जो अमेरिकन हितों की बेहतर सेवा कर सकें। इतिहास का कटु यथार्थ चक्रों में सामने आता है और ऐसा लगता है कि अब जेलेन्स्की पश्चिम की बढ़ती विफलताओं के लिए बलि का बकरा बनने के कगार पर हैं। यह स्थिति पुराने मुहरों की तरह है जिनको उपयोगिता समाप्त होने पर उनको खारिज कर दिया गया था। लेकिन यह क्षण यूक्रेनी नेता के लिए निराशाजनक क्षण के अलावा भी कुछ है। यह बहुत गहरी बीमारी का लक्षण है जिससे अब यूरोप बच नहीं सकता है। यूरोपीय महाद्वीप ने शताब्दियों से स्वयं को पुनरुत्थान, लोकतंत्र और सभ्यता के केन्द्र की तरह पेश किया है, पर अब वह विनाशकारी घटनाओं के मोड़ पर है। यूक्रेन युद्ध की विभीषिका स्वयं उन हाथों ने पैदा की है जो शांति की खोज का दावा करते हैं। यह उस अस्तित्व के संकट का लक्षण है जो शताब्दियों नहीं तो दशकों से तैयार हो रहा था।

यूरोप के विशिष्ट शासक वर्ग अपने वर्चस्ववादी अतीत के भ्रम में थे और उन्होंने न केवल बाहरी शक्तियों, बल्कि अपने दीर्घकालीन अस्तित्व के खिलाफ धोखे पर धोखे दिए। सोवियत संघ-यूएसएसआर को दिया गया भयानक धोखा पश्चिमी दोमुंहेपन की माहिर चाल थी। सोवियत संघ का विघटन कोई आकस्मिक घटना न होकर सावधानी से चली चाल थी। इसें यूरोप, अमेरिका और ब्रिटेन ने अपने साथ साझेदारी के बहाने मास्को का भू-राजनीतिक विस्तार समाप्त किया। व्लादीमिर पुतिन ने 2007 के अपने म्यूनिख भाषण में पश्चिम की धोखाधड़ी का खुलासा करते हुए कहा था, 'वारसा संधि समाप्त होने के बाद पश्चिमी साझेदारों द्वारा दिए गए आश्वासनों का क्या हुआ? ये घोषणायें आज कहां हैं? कोई उनको याद नहीं करता है, लेकिन में स्रोताओं को इसकी याद दिलाना चाहूंगा। नाटो महासचिव श्री वूर्नर ने ब्रसेल्स में 17 मई 1990 को कहा था, यह तथ्य है कि हम जर्मन क्षेत्र के बाहर नाटो सेना तैनात न करने के लिए तैयार हैं बशर्ते कि सोवियत संघ इसकी मजबूत सुरक्षा गारंटी दे। आज ये गारंटियां कहा हैं?' ये आश्वासन खोखले शब्दों के सिवा और कुछ नहीं थे जिनको पश्चिमी वर्चस्व की शतरंज पर रखा गया था। नाटो ने हर प्रतिबद्धता को खारिज कर अपना विस्तार किया और रूस को घेर लिया। इस प्रकार उसने प्रदर्शित किया कि यूरोप का अपने वादों पर अमल करने का कोई इरादा नहीं था। 1991 के बाद रूस का जानबूझ कर अपमान, नाटो का पूरब की ओर विस्तार तथा पश्चिमी सलाह से 'शाक थेरेपी' द्वारा रूसी आर्थिक जोखिमों का लाभ उठाना एक प्रकार से रणनीतिक गुलामी थोपना था। इसके बावजूद एक असाधारण परिवर्तन के कारण सोवियत संघ के विघटन की जिम्मेदार रही शक्तियां अब अपने विघटन की तैयारी कर रही हैं। इतिहास यूरोप के विखंडन, राजनीतिक धोखाधड़ी और स्वयं किए घावों से भरा है। प्रथम विश्वयुद्ध के बाद शांति सुरक्षित करने के लिए हुई वार्सिली की संधि ने इसके बजाय दूसरे विश्वयुद्ध की नीव डाली क्योंकि सत्ता के नशे में चूर यूरोपीय शक्तियों ने भावी विनाश के बीज बो दिए थे। जर्मनी के विभाजन, म्यूनिख में हिटकर के तुष्टीकरण तथा शीतयुद्ध ने इस महाद्वीप का विभाजन किया और ये सभी यूरोपीय शासक वर्ग द्वारा समस्या समाधान के बजाय उनको पैदा करने की प्रवृत्तियों के कारण था। नेपोलियन के युद्धों ने यूरोप को लगातार परिवर्तनशील बनाए रखा जहां वर्चस्ववादी प्रभुत्व की तलाश में गठबंधन बने और तोड़े गए। 19वीं शताब्दी में महाद्वीप को स्थिर करने के प्रयासों से यूरोप की अवधारणा पैदा हुई, लेकिन यह अंततः साम्राज्यवादी महत्वाकांक्षाओं तथा राष्ट्रवादी आंदोलनों से नष्ट हो गई। यूरोपीय एकता ऐतिहासिक रूप से एक भ्रम था जिसे सहयोग के आंदोलनों से मजबूत करने का प्रयास हुआ, लेकिन वे जल्द ही दुश्मनियों में बदल गए।

इस रक्तरंजित इतिहास के बावजूद आधुनिक यूरोपीय नेताओं ने उस विनाशकारी चक्र को स्वीकार करने से इनकार किया जिसे उन्होंने यूक्रेन में जन्म दिया था। अमेरिकन हितों की गुलामी से बंधे यूरोप ने आंखें बंद कर वाशिंगटन का ईराक, लीबिया, सीरिया या अब यूक्रेन में हर भू-राजनीतिक कदम में समर्थन किया और इसके दीर्घकालीन प्रभावों पर विचार नहीं किया। यूक्रेन का वर्तमान टकराव दशकों से जारी रणनीतिक गलतियों का नतीजा है। यूरोपीय संघ-ईयू ने राजनयिक समानता स्थापित करने के बजाय यूक्रेन को रूस के खिलाफ लड़ने के लिए हथियारों से लैस किया जिससे उसकी किस्मत तय हो गई। सच्ची रणनीतिक स्वायत्तता के रास्ते पर चलने के बजाय यूरोप अमेरिका का संरक्षित क्षेत्र बन गया क्योंकि इससे उसे अपना निरंतर प्रभुत्व सुनिश्चित होने का विश्वास था। लेकिन वाशिंगटन का ध्यान एशिया की ओर जाने तथा ट्रंप द्वारा 'अमेरिका फर्स्ट' की घोषणा से लहर उलट गई और अब यह महाद्वीप इस कटु यथार्थ का सामना कर रहा है कि बिना मूलभूत पुनः ध्रुवीकरण के इसका कोई भविष्य नहीं है।

पिछली शताब्दी न केवल रूस, बल्कि वैश्विक दक्षिण, लैटिन अमेरिका, अफ्रीका और एशिया के खिलाफ उसके दोमुंहेपन का प्रमाण है जो प्रगति के नाम पर किए गए उसकी औपनिवेशिक लूट और आर्थिक शोषण का शिकार हुए। अब यूरोप के विशिष्ट लोग यूक्रेन में स्वयं को नैतिक रूप से सही सिद्ध करने में लगे हैं, पर उन्होंने दुनिया को अकथनीय संकटों का शिकार बनाया है। फ्रांस का अब भी अफ्रीकी देशों पर सीएफए फ्रैंक के माध्यम से मौद्रिक शिकंजा है, ब्रिटेन का लगातार अपने पूर्व उपनिवेशों में अनावश्यक प्रभाव है तथा यूरोपीय वित्तीय संस्थान पूरे क्षेत्र की आर्थिक नीतियां तय करते हैं। रूस को संप्रभुता पर भाषण देने वाले यूरोप को आज सीमायें पुनः निर्धारित करने, सरकारें गिराने और सत्ता पर अपनी पकड़ बनाए रखने के लिए लड़ाइयां करवाने से कोई एतराज नहीं है। लेकिन यह परियोजना अपने विरोधाभासों से ध्वस्त हो रही है। चीन, रूस तथा वैश्विक दक्षिण के साथ बढ़ती बहुध्रुवीयता वैकल्पिक आर्थिक एवं राजनीतिक गठबंधनों को जन्म दे रही है जो पश्चिमी वर्चस्व घटने के संकेत दे रहे हैं। दूसरों पर अपनी इच्छा थोपने का आदी यूरोप अब स्वयं को संकट में पा रहा है। वह आत्मनिर्भरता से दूर है, उसमें सच्चे नेतृत्व का अभाव है और सबसे ज्यादा परेशानी की बात है कि समय अब उसका नहीं है। यूरोपियन नाभिकीय प्रतिरोध पर मैक्रान के हालिया बयान से स्पष्ट है कि अब अमेरिकन सुरक्षा गारंटियों का उतना महत्व नहीं है। लेकिन अब भी यूरोप का विशिष्ट वर्ग संकट में अपनी संलिप्तता स्वीकारने से इनकार कर रहा है। आत्मवलोकन के बजाय उसने 'ब्लीड रसिया ड्राइ' रणनीति के अंतर्गत यूक्रेन में अरबों डालर खर्च किए। शीतयुद्ध की यह शुरुआती रणनीति अब स्वयं यूरोप का संकट बन गई है।

इसके परिणामस्वरूप मुद्रास्फीति, ऊर्जा संकट, वि-औद्योगीकरण तथा बढ़ता सामाजिक तनाव सामान्य बातें हो गई हैं। यूरोपीय संघ ने स्वयं को आर्थिक विकलांगता में धकेला है, उसका औद्योगिक आधार घट रहा है, जबकि अमेरिकन निगम दुनिया के सर्वाधिक सक्षम आर्थिक समूह रहे स्थान का लाभ उठा रहे हैं। यूरोप का आर्थिक इंजन कहा जाने वाला जर्मनी अपने ही भार से धंस रहा है क्योंकि उसने अमेरिकन आदेशों पर अपनी निर्भरता बना ली थी। प्रतियोगी हितों के कारण फ्रैंको-जर्मन धुरी टूट रही है। दक्षिणी यूरोप उत्तरी यूरोप की बचत का विरोधी है, पूर्वी यूरोप लगातार ब्रसेल्स के अधिकार को चुनौती दे रहा है तथा ब्रिटेन पहले ही बाहर जा चुका है। अब यूरोप के जागने का समय आ गया है। वह राजनीतिक प्रभुत्व की विफल विचारधारा से बाहर निकल कर और रूस के साथ समझौता कर संप्रभु हितों से परिभाषित भविष्य की ओर बढ़ सकता है या अप्रासंगिक हो सकता है। यह पसंद आसान नहीं है। यूरोप को सोवियत संघ का सबक नहीं भूलना चाहिए। यूरोप आज विनाश के कगार पर खड़ा है, ऐसे में केवल यही देखना होगा कि वह पीछे लौटने की हिम्मत दिखाता है या पूरी तरह खाई में गिर जाता है।

दो राजनेताओं के बीच टकराव

> आत्मविश्वास ज़ोरदार या बेबाक नहीं होता। यह शांत और अडिग होता है। यह जानना है कि चाहे कितनी भी ताकतें हमें गिराने की कोशिश करें।

आशा अय्यर कुमार
(लेखिका, स्तम्भकार हैं)

मैं यह कॉलम शुक्रवार को लिख रही हूं। ठीक एक सप्ताह पहले, लगभग इसी समय, मीडिया के सामने ओवल ऑफिस में एक गाली-गलौज का मुकाबला हुआ। जब लोग इस नाटक को देख रहे थे, तो मैं उस समय आश्चर्यचकित रह गया जब युद्ध के समय के एक नेता को दो ऐसे लोगों ने मनोवैज्ञानिक रूप से पराजित कर दिया जो पश्चिमी दुनिया की ताकतवर शक्तियां हैं।

यह एक ऐसा दृश्य था जो मुझे बहुत ही अजीब लगा, न केवल एक भू-राजनीतिक टकराव के रूप में, बल्कि उन दबावों का एक स्पष्ट उदाहरण भी था जिनका हम सभी अनियंत्रित सत्ता की उपस्थिति में सामना करते हैं। राष्ट्रपति ट्रम्प ने बैठक की शुरुआत से ही एक असहज माहौल बना दिया जब उन्होंने मिलते ही राष्ट्रपति ज़ेलेंस्की के पहनावे के बारे में एक तीखी टिप्पणी की। हालांकि यह अनौपचारिक लग रहा था, लेकिन यह आलोचना सामने थी और पूर्व की असहजता स्पष्ट से भी अधिक थी। उस दिन मैंने जो देखा वह जीवन का एक हिस्सा था जिसका हम सभी हिस्सा रहे हैं, किसी न किसी रूप में काम पर, घर पर और रिश्तों में जहाँ सत्ता का बोलबाला है, शक्ति असंतुलन के सामने समर्पण की मांग करता है। मैं उन यादों को याद करके सिहर गया – गैसलाइटिंग और मेरे अपने जीवन से छेड़छाड़ के प्रकरण – और खुद को यह सोचते हुए पाया।

जब हम इस तरह के अपमानजनक व्यवहार के अधीन होते हैं, तो हमें क्या करना चाहिए, खासकर जब यह अप्रत्याशित रूप से हम पर थोपा जाता है? इन क्षणों में हम किस तरह का मानसिक रवैया अपना सकते हैं? हम उस जबरदस्ती का जवाब कैसे देते हैं जो हमारे साहस को खत्म करना चाहती है, और किस तरह का कवच हमें हमारे रास्ते में आने वाली %सबसे निर्दयी चोटों% से बचा सकता है? पहला कदम जागरूकता है। शक्ति के खेल को पहचानना हमें भावनात्मक रूप से खुद को सुरक्षित रखने की अनुमति देता है। अक्सर, बदमाश वास्तविकता को विकृत करके पनपते हैं – शब्दों को तोड़-मरोड़ कर, कहानियों को गढ़कर, और हमें अपर्याप्त, ऋणी या छोटा महसूस कराकर।

मनोवैज्ञानिक हेरफेर कपटी है। लेकिन जब हम पीछे हटते हैं और खेल को खेलते हुए देखते हैं, तो हम खुद को उस भावनात्मक दलदल से अलग कर सकते हैं जिसमें वे हमें घसीटने का प्रयास करते हैं। यह हमारी भावनाओं की सच्चाई को नकारने के बारे में नहीं है, बल्कि उन्हें देखने, उनके स्रोत पर सवाल उठाने और उन्हें हमें परिभाषित न करने देने के बारे में है। आत्म-मान्यता इस मानसिक दृढ़ता की आधारशिला है। ऐसी दुनिया में जहाँ हम बाहरी स्वीकृति पाने के लिए तैयार हैं, हेरफेर का शिकार होना आसान है। लेकिन जब हम अपने आत्म-मूल्य को अपनी समझ के आधार पर तय करते हैं कि हम कौन हैं, तो हम डराने-धमकाने के लिए कम संवेदनशील हो जाते हैं। अब हम दूसरों की अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए खुद को झुकाएँगे या मोड़ेंगे नहीं। हम जैसे हैं वैसे ही पर्याप्त हैं। और फिर भावनात्मक अलगाव आता है। धमकाने वाले भावनात्मक प्रतिक्रियाओं पर पलते हैं। वे चाहते हैं कि हम प्रतिक्रिया करें, झिझकें, कमज़ोरी दिखाएँ। कुंजी हमारी भावनाओं को दबाना नहीं है, बल्कि एक शांत, अवलोकनात्मक रुख विकसित करना है। जब हम आवेगपूर्ण प्रतिक्रिया करने की इच्छा का विरोध करते हैं, तो हम उन्हें असंतुलित कर देते हैं।

एक शांत प्रतिक्रिया, या इससे भी बेहतर, एक संतुलित मौन, अक्सर किसी भी शब्द से ज़्यादा ज़ोर से बोलता है जिसे हम उस पल की गर्मी में जुटा सकते हैं। मौखिक बमबारी के सामने, कभी-कभी कुछ न करना सबसे शक्तिशाली प्रतिक्रिया होती है।

गरिमापूर्ण चुप्पी उन्हें बेचैन कर देती है क्योंकि यह संकेत देती है कि हम आसानी से उत्तेजित नहीं होते। उन क्षणों में, हम एक भी शब्द बोले बिना नियंत्रण को फिर से स्थापित करते हैं। ऐसी स्थितियों में जहाँ हमें एक कोने में धकेल दिया जाता है, हम तथ्यों को प्रस्तुत करके कहानी को फिर से बना सकते हैं। उदाहरण के लिए, अगर हम पर जबरन आभार व्यक्त करने का दबाव डाला जाता है, तो हम कह सकते हैं, हम दोनों को इस सहयोग से लाभ हुआ है। सच्चाई को फिर से केंद्र में रखकर, हम उनके प्रभाव को कम करते हैं और अपनी एजेंसी को मजबूत करते हैं। अंततः, कुंजी हमारी सीमाओं को जानना और अपनी गरिमा से समझौता करने वाली रियायतों को अस्वीकार करना है। जिस क्षण हम अनुचित मांगों के आगे झुकते हैं, हम हेरफेर के चक्र को जारी रखने की अनुमति देते हैं। इसलिए, हमें पता होना चाहिए कि कब नहीं कहना है और उस निर्णय पर दृढ़ रहना है। लेकिन इन सबके लिए आत्मविश्वास की आवश्यकता होती है, और आत्मविश्वास, किसी भी कवच की तरह, समय के साथ बनता है।

हम अपने भीतर जो संवाद करते हैं, वह बहुत मायने रखता है। धमकाने वाले हमें अपनी योग्यता पर संदेह करवा सकते हैं, लेकिन हमें उस कहानी को फिर से लिखना चाहिए, प्रतिदिन पुष्टि करनी चाहिए कि हम इसके योग्य हैं, और हमें जबरदस्ती के सामने झुकने की आवश्यकता नहीं है। रिहर्सल और मानसिक तैयारी के ज़रिए मुश्किल बातचीत के लिए खुद को तैयार करना घबराहट को संयम में बदल सकता है। अंत में, सत्ता के खेल, गैसलाइटिंग और जबरदस्ती के खिलाफ़ सबसे गहरा बचाव एक अटूट लापरवाही है।

आत्मविश्वास ज़ोरदार या बेबाक नहीं होता। यह शांत और अडिग होता है। यह जानना है कि चाहे कितनी भी ताकतें हमें गिराने की कोशिश करें, हम अडिग हैं। हम मजबूती से खड़े रहते हैं, इसलिए नहीं कि हम दर्द से मुक्त हैं, बल्कि इसलिए कि हम इसे खुद को परिभाषित करने से मना करते हैं।

आप की बात

खड़गे की फिसलन

राज्यसभा में डिप्टी चैयरमेन हरिवंश ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को बोलने से रोका-टोका तो खड़गे ने ठोकने की बात कर दी। हालांकि, गलती समझ में आने पर उन्होंने कहा कि मैं तो सरकार को ठोकने की बात कर रहा हूँ। उसके बाद वे बोले कि मैं सरकार की नीतियों को ठोंकने का बोल रहा था। उन्होंने बाद में सफाई देते हुए कहा कि मेरी बात से अगर किसी को ठेस पहुंची है तो मैं माफी माँगता हूँ किन्तु सरकार से माफी नहीं मांगूगा, सरकार की नीति को तो हम ठोकेंगे ही। सभी सांसदों ने यह टिप्पणी कार्रवाई से निकालने की मांग की है। समझ में नहीं आता कि आज के राजनीतिज्ञों को क्या हो गया है, कुछ भी बोल देते हैं फिर चाहे इससे संसद को ठेस पहुंचे या देश की अस्मिता को हानि। खड़गे कांग्रेस के वरिष्ठ नेता हैं, इसलिए यदि उनकी जुबान फिसल गई थी तो गरिमापूर्ण ढंग से माफी मांग सकते थे। ऐसा कर वे अपने दल तथा विपक्षी दलों के अन्य सांसदों को उचित सबक दे सकते थे, लेकिन उन्होंने स्वयं को सही ठहराने के लिए जो लीपापोती की उसे किसी प्रकार सही नहीं ठहराया जा सकता है। सभी सांसदों को समझना चाहिए कि देश की युवा पीढ़ी का ऐसे व्यवहार से राजनीति और राजनेताओं से विश्वास उठता जा रहा है।

– **शकुंतला महेश नेनावा,** इंदौर

खुशनुमा होली

होली का पर्व शांति, सौहार्द व भाईचारे के साथ मनाने व बुराई को दूर करने का पर्व है । इस दिन दोस्त तो दोस्त दुश्मन भी सब रंग में घुल-मिल कर खिल-खिलाकर गले लग जाते हैं। लेकिन होली व रमजान को लेकर पर्व के पहले ही बयानों की हुड़दंग लीला शुरू हो गई है जो न केवल निंदनीय है, बल्कि इस पर्व की महत्ता पर भी पानी फेरने वाली कवायद है। होली व रमजान को लेकर कुछ राजनेताओं तथा अन्य लोगों द्वारा निरर्थक व अर्नगल बयान बाजी की जा रही है। इसकी प्रतिक्रिया में बयानवीर मैदान में उतर आए हैं। यह एक लोकतांत्रिक देश के लिए शर्मसार करने वाली बात है। इतने वर्षों से देश में होली खेली जा रही है, मगर कभी भी इस प्रकार की बचकानी बातें नहीं की गई है। नफरत व राग-द्वेष की खाई बढ़ाने वाले बयान देश की एकता व भाईचारे के साथ-साथ पर्व के लिए भी घातक हैं। हिंदू, मुस्लिम, सिख, इसाई सभी अपनी-अपनी सुविधा व स्वेच्छा से इन पर्वों को हिल मिलकर मनाते आ रहे हैं। जिसे पसंद नहीं है, उसे नहीं छेड़ा जाना चाहिए ताकि कोई विवाद ना हो। होली के खुशनुमा सबरंग को बदरंग में तब्दील नहीं किया जाना चाहिए। पर्व को पर्व ही रहने दें, इन्हें राजनीति में न घसीटें।

– **हेमा हरि उपाध्याय,** उज्जैन

सीरिया में रक्तपात

दिसंबर 2024 में जब विद्रोही सैनिकों ने पहली बार दमिश्क में प्रवेश किय तो तानाशाह बशर अल असद मास्को भाग गए। इसके बाद दमिश्क विद्रोहियों के हाथों में चला गया। उसके बाद से सीरिया के भीतर और शरणार्थी सीरियाइयों के चेहरों पर खुशियां देखने को मिली। शायद 1971 के बाद पहली बच्चे बूढ़े और जवान मर्द और औरतें खुशी से नाच रहे थे। 1971 से सीरिया बशर के पिता और सर्वशक्तिमान राष्ट्रपति हाफ़िज़ अल असद के नियंत्रण में था। उनकी मृत्यु के बाद 2000 में बशर ने सत्ता संभाली। 2011 में अरब स्प्रिंग ने पूरे पश्चिम एशिया में तानाशाहों को उखाड़ फेंका तो असद के खिलाफ़ भी विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए। लेकिन बशर अल असद को देश से निकालने में और 13 वर्ष लगे गए। इसके बाद लगा क्षेत्र में शांति लौट आयी है। मगर विगत एक सप्ताह से एक बार फिर सीरिया में मार काट शुरू हो गई है। सीरिया में सरकार-विरोधी समूहों और सुरक्षा बलों के बीच झड़पों और बदला लेने वाली हत्याओं के चलते 1200 से अधिक लोग मारे गए हैं। यह 14 साल पहले देश में शुरू हुए गृहयुद्ध के बाद हिंसा का सबसे भयानक विस्फोट है। आशा करनी चाहिए कि सीरिया में सरकार और विरोधियों की ओर से बदला लेने के बजाय शांति बहाली के प्रयास होंगे।

– **जंग बहादुर सिंह,** जमशेदपुर

बौद्धों की मांग

बिहार के गया जिले में स्थित महाबोधी विहार चर्चा के केंद्र में है। 12 फरवरी, 2025 से महाबोधि विहार के परिसर में भिक्कु संघ एवं बौद्ध धम्म के अनुयायियों द्वारा महाबोधि विहार मैनेजमेंट कमेटी में संशोधन करने के संदर्भ में धरना दिया जा रहा है। इस शांतिपूर्ण धरने की मांग है कि सभी 9 प्रतिनिधि बौद्ध धर्म से मनोनीत किए जाएं। आरोप है कि महाबोधि मंदिर एक्ट, 1949 के माध्यम से बौद्ध मंदिर पर हिंदू धर्म के प्रतिनिधियों को शामिल करने से करोड़ों बौद्धों की भावनाओं को ठेस पहुंची है। एक्ट के अनुसार चार प्रतिनिधि हिंदू धर्म से और चार बौद्ध धर्म से होते हैं। गया के जिलाधिकारी इसके पदेन अध्यक्ष होते हैं। हालांकि, यह मांग बहुत पुरानी है, पर बौद्धों की इस मांग को वर्तमान संदर्भ में भी देखा जाना चाहिए। अनेक सनातनी हिंदू संगठन हिंदू मंदिरों और मठों, आदि से सरकारी नियंत्रण हटाने की मांग कर रहे हैं और इसके पक्ष में एक बार फिर प्रयागराज में महाकुंभ के अवसर पर सतों ने प्रस्ताव पास किया है। अतः बौद्धों की मांग को उसी धर्म के धर्मानुयाइयों द्वारा धर्मस्थल प्रबंधन के अधिकार के व्यापक संदर्भ में देखना चाहिए।

– **वीरेंद्र कुमार जाटव,** दिल्ली

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से responsemail.hindipioneer@gmail.com पर भी भेज सकते हैं।

लाभार्थियों को पीएम उज्जवला योजना का मिला लाभ

संवाददाता। संतकबीरनगर

प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा आज उज्ज्वला योजना के तहत लाभार्थियों को नि:शुल्क सिलेंडर रिफिल का वितरण लोक भवन लखनऊ से किया गया। जिसमें प्रदेश भर के उज्ज्वला योजना के तहत कुल 1.86 करोड़ पात्र परिवारों को रूपये 1890 करोड़ की धनराशि से नि:शुल्क रसोई गैस सिलेण्डर रिफिल का वितरण किया गया। जिसका सजीव प्रसारण कलेक्ट्रेट सभागार में विधायक मेंहदावल अनिल कुमार त्रिपाठी, विधायक धनघटा गणेश चन्द्र चौहान, जिलाधिकारी महेन्द्र सिंह तंवर एवं अपर जिलाधिकारी जय प्रकाश की उपस्थिति में देखा व सुना गया। उक्त अवसर पर कलेक्ट्रेट सभागार में भव्य आयोजन किया गया। इस दौरान विधायक मेंहदावल अनिल कुमार त्रिपाठी, विधायक धनघटा गणेश चौहान एवं जिलाधिकारी महेन्द्र सिंह तंवर द्वारा जनपद के उज्ज्वला योजना के तहत 30 पात्र लाभार्थियों को नि:शुल्क रसोई गैस सिलेण्डर रिफिल की धनराशि प्रतीकात्मक चेक के माध्यम से वितरित की गई। जनपद के 90 हजार उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को जिनका ई-केवाईसी पूर्ण हो चुका है, उन्हें नि:शुल्क गैस सिलेण्डर रिफिल धनराशि रू0 505.95 सब्सिडी का वितरण किया गया है।

शेष लाभार्थियों को ई-केवाईसी पूर्ण होने के पश्चात् वितरित कर लाभन्वित किया जायेगा। इस अवसर पर विधायक मेंहदावल अनिल कुमार त्रिपाठी ने जनपदवासियो को होली पर्व की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि केन्द्र एवं प्रदेश सरकार विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं से माताओं, बहनो की सुरक्षा, सम्मान, स्वालम्बन एवं समृद्धि के प्रति निरन्तर प्रयासरत है जिसका प्रभाव जमीनी स्तर पर समाज में साफदिखाई पड़ रहा है,

समाज कल्याण अधिकारी पर लगा वसूली का आरोप, जांच के निर्देश

- अयोध्या मंडल के उपनिदेशक करेंगे जांच, मंत्री ने मंगाई जांच रिपोर्ट

अमेठी। जिले में तैनात जिला समाज कल्याण अधिकारी मनोज कुमार शुक्ल पर विभाग के बाबू गोकुल प्रसाद ने रिश्वत लेने का गंभीर आरोप लगाया है। बाबू ने जिलाधिकारी अमेठी को दिए शिकायती पत्र में आरोप लगाया है कि समाज कल्याण अधिकारी द्वारा डरा धमका कर मोबाइल से 40 हज़ार रुपए बलपूर्वक अपनी पत्नी के खाते में ट्रांसफर कराया गया है। मामले की जानकारी मिलते ही समाज कल्याण राज्य मंत्री (स्वतन्त्र प्रभार) श्री असीम अरुण ने अयोध्या मंडल के उपनिदेशक को मौके पर भेज के जांच करवाने का निर्देश विभाग के निदेशक श्री कुमार प्रशांत को दिया है। बाबू गोकुल प्रसाद का आरोप है कि 26 दिसंबर 2024 को समाज कल्याण अधिकारी ने अपने चैंबर में बुलाया और बल पूर्वक मोबाइल लेकर फोन-पे का पासवर्ड प्राप्त कर अपनी पत्नी डॉ. अंजू शुक्ल के खाते में 40 हज़ार रुपए ट्रांसफर कर लिया।

बाबू ने अपनी शिकायत में रुपये के लेनदेन का एक साक्ष्य भी दिया है। शिकायत को गंभीरता से लेते हुए समाज कल्याण मंत्री ने 20 मार्च को जांच रिपोर्ट से अवगत कराने का निर्देश दिया है।

इस प्रकरण पर प्रदेश सरकार के समाज कल्याण विभाग मंत्री असीम अरुण ने कहा कि प्रदेश सरकार ज़ीरो टोलरेंस के तहत भ्रष्टाचार और भ्रष्टाचारियों के खिलाफ लगातार प्रहार कर रही है. विभाग में किसी तरह का भ्रष्टाचार बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। जांच के बाद दोषी अधिकारी के खिलाफ सख्त कार्यवाही की जाएगी, ताकि भविष्य में इस तरह की पुनरावृत्ति न हो।

जिलाधिकारी ने ग्राम पंचायत में लगाई चौपाल, सुनीं ग्रामीणों की समस्याएं

संवाददाता। अमेठी

शासन द्वारा संचालित जन कल्याणकारी योजनाओं का स्थलीय सत्यापन करने एवं ग्राम वासियों की शिकायतों के निस्तारण हेतु आज तहसील अमेठी अंतर्गत संग्रामपुर ब्लॉक की ग्राम पंचायत करौंदी में ग्राम चौपाल का आयोजन किया गया। चौपाल में जिलाधिकारी निशा अनंत ग्रामीणों के मध्य पहुंचकर उनसे सीधा संवाद स्थापित किया एवं शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का ग्रामीणों से लाभ मिलने की जानकारी ली तथा उपस्थित ग्रामीणों की समस्याओं एवं उनके सुझावों को सुना एवं प्राप्त शिकायतों के निस्तारण हेतु संबंधित अधिकारियों को मौके पर ही आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

चौपाल में जिलाधिकारी ने एक-एक करके ग्राम वासियों से शासकीय योजनाओं का लाभ मिलने की जानकारी ली, सर्वप्रथम उन्होंने ग्राम वासियों से राशन कार्ड एवं राशन मिलने की जानकारी ली जिस पर ग्रामीणों द्वारा बताया गया कि कोटेदार द्वारा प्रति यूनिट के हिसाब से पूरा राशन दिया जाता है ग्रामीणों द्वारा कोटेदार की सराहना की गई जिस पर जिलाधिकारी ने प्रसन्नता जाहिर की। इसके साथ ही उन्होंने पूर्ति निरीक्षक को निर्देशित करते हुए कहा कि कोई भी पात्र व्यक्ति हो तो उसका भी राशन कार्ड बनाया जाए।

इसके उपरांत जिलाधिकारी ने ग्राम प्रधान सीमा यादव से पंचायत भवन बने होने की जानकारी ली तथा उसमें पंचायत सचिव, लेखपाल, पंचायत सहायक के बैठने की जानकारी ली। जिलाधिकारी ने लेखपाल को निर्धारित तिथियों में पंचायत भवन में बैठकर ग्राम वासियों की समस्याओं का निस्तारण करने के निर्देश दिए तथा तहसीलदार अमेठी को लेखपालों के आवंटित ग्राम पंचायतों में पंचायतवार रोस्टर जारी करने को कहा। इसके साथ ही जिलाधिकारी ने ग्रामीणों से स्वास्थ्य सेवाओं के बारे में जानकारी ली।

चिन्हित क्षय रोगियों को पौष्टिक आहार पोटली का किया वितरण

जालौन, उरई। क्षय रोग मुक्त रहे उत्तर प्रदेश अभियान के तहत नगर पालिका परिषद क्षेत्र के अंतर्गत चिन्हित क्षय रोगियों को गोद लिया गयाा। इस दौरान सीएचसी में आयोजित कार्यक्रम में पौष्टिक आहार पोटली का वितरण रोगियों को किया गया। सीएचसी में डॉ. केडी गुप्ता ने बताया कि क्षय रोग एक जीवाणु जनित रोग है, जो मनुष्यों के शरीर के किसी भी अंग में हो सकता है। इसमें फेफड़े की टीबी मुख्य है। वर्ष 1943 से पहले जब टीबी की कोई दवाएं नहीं थीं तो इसका इलाज मुख्यत अच्छा भोजन, अच्छी चिकित्सकीय देखभाल और शुद्ध हवा द्वारा होता था, जिसे सेनेटोरियम इलाज के नाम से जाना जाता था। टीबी की पहली दवा की खोज वर्ष 1943 में की गई थी। विश्व में प्रतिवर्ष 14 लाख मौतें टीबी से होती हैं, इनमें से एक चौथाई से अधिक मौतें अकेले भारत में होती हैं। इसीलिए टीबी अत्यधिक खतरनाक एवं जानलेवा बीमारी मानी जाती है। इसकी भयावहता को देखते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश से टीबी को 2025 तक समाप्त करने की घोषणा की है। इसी के तहत राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में क्षय रोग मुक्त रहे उत्तर प्रदेश अभियान आहूत किया गया।

नवनियुक्त आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को किया गया नियुक्ति पत्रों का वितरण

संवाददाता। रायबरेली

जनपद रायबरेली के सामुदायिक भवन रतापुर में सदर सलोन विधानसभा क्षेत्र की नवनियुक्त आंगनबाडी कार्यकत्रियों को नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में मंत्री, सूक्ष्म, लघु एवं उद्यम, खादी एवं ग्रामोद्योग, रेशम हथकरघा तथा वस्त्रोद्योग विभाग, जनपद के प्रभारी मंत्री राकेश सचान रहे। इस कार्यक्रम में प्रभारी मंत्री तथा सदर विधायक अदिति सिंह, सलोन विधायक अशोक कुमार, जिलाधिकारी हर्षिता माथुर द्वारा कुल 77 आंगनबाडी कार्यकत्रियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किया गया।

मंत्री द्वारा अपने संबोधन में बताया गया कि जनपद रायबरेली में कुल 350 रिक्तध्विज्ञप्ति पद के सापेक्ष 337 आंगनबाडी कार्यकत्रियों की नियुक्ति प्रक्रिया पूर्ण की जा चुकी है, तत्क्रम में विधानसभा क्षेत्र सलोन की 61, विधानसभा सदर की 16 आंगनबाडी कार्यकत्रियों नियुक्ति पत्र वितरित किया गया शेष अन्य विधानसभाओं में भी जल्द ही नियुक्त पत्र वितरण कार्यक्रम आयोजित कर नियुक्ति पत्र प्रदान किया जायेगा। नव नियुक्त आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को नियुक्ति पत्र वितरण करने वाला प्रदेश का दूसरा जिला रायबरेली है जहाँ नवनियुक्त आंगनबाडी कार्यकत्रियों को नियुक्ति पत्र वितरित किया गया साथ ही पोषण पखवाड़ा मार्च 2025 का शुभारम्भ भी किया गया।

पोषण पखवाड़ा के अन्तर्गत 16 मार्च से 31 मार्च 2025 तक जनान्दोलन के तहत समस्त आंगनबाडी कार्यकत्रियों समस्त लाभार्थियों के पोषण स्तर में सुधार हेतु व्यापक गति विधियाँ सम्पन्न करेंगी। प्रोबेशन विभाग द्वारा संचालित स्पांसरशिप योजना के तहत चयनित पात्र लाभार्थियो का प्रमाणपत्र वितरित किये गये। मंत्री द्वारा नवनियुक्त आंगनबाड़ी कार्यकत्री को होली की बधाई देते हुए पूर्ण निष्ठा से कार्य करने की अपेक्षा व्यक्त की गयी।

केडी पब्लिक स्कूल में हुआ वार्षिकोत्सव का आयोजन

जामों, अमेठी। विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी जामों क़स्बा स्थित केडी पब्लिक स्कूल में बड़े धूमधाम के साथ वार्षिकोत्सव का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के नन्हे मुन्ने बच्चों ने मंत्रमुग्ध करने वाली शानदार सांस्कृतिक कार्यकर्मो की प्रस्तुति दी। वार्षिकोत्सव कार्यक्रम की शुरुआत कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कृष्णा पाण्डेय (किशन) समाजसेवी एवं विशिष्ट अतिथि बीजेपी मंडल अध्यक्ष अजय द्विवेदी ने फीता काट कर किया। सर्वप्रथम कक्षा 08 की छात्राएं अंशिका, आरुषि, प्रज्ञा व अनु ने माँ सरस्वती, शारदे की वंदना पर नृत्य प्रस्तुत किया। इस तरह विद्यालय के बच्चों आशुतोष, शिवान्या, दीक्षांत, वैष्णवी ने अपने साथियों के साथ केशरी के लाल.. चुट्टियां कलइयाँ.. मै निकला गड्डी लेकर...आजा नच ले.... आदि गानों पर परफार्मेस दी।

जल जीवन मिशन परियोजना की जिलाधिकारी ने ली समीक्षा बैठक

- अधिशासी अभियंता को दो दिन में विद्युत समस्याओं के निराकरण के दिए निर्देश
- एक्सईएन जल निगम को पर्यवेक्षण में लापरवाही पर मांगा स्पष्टीकरण

संवाददाता। उरई, जालौन

जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने जल जीवन मिशन हर घर जल परियोजना के तहत निर्माणाधीन कार्यो की प्रगति की समीक्षा की। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित इस बैठक में संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। साथ ही अधिशाषी अभियंता जल निगम ग्रामीण अंचल गुप्ता को पर्यवेक्षण में लापरवाही बरतने पर स्पष्टीकरण देने को कहा गया।

जिलाधिकारी ने एजेंसी की धीमी प्रगति पर नाराजगी जाहिर की और मैसर्स जीवीपीआर लिमिटेड एवं मैसर्स बीजीसीसी लिमिटेड को निर्धारित समय में कार्य पूर्ण करने के कड़े निर्देश दिए। उन्होंने अपर जिलाधिकारी नमामि गंगे को निर्देशित किया कि प्रतिदिन कार्यों की समीक्षा करें और प्रगति में सुधार लाने के लिए आवश्यक कदम उठाएं। साथ ही, लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों और एजेंसियों पर सख्त कार्रवाई करने को कहा। कार्यदायी संस्था ने बताया कि कई स्थानों पर लो-वोल्टेज की समस्या आ रही है, जिससे काम प्रभावित हो रहा है।

इस पर जिलाधिकारी ने अधिशासी अभियंता को दो दिन के अंदर सभी विद्युत समस्याओं के निराकरण के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिया कि जिन गांवों में नियमित रूप से शुद्ध जलापूर्ति की जा रही है, वहां जल्द से जल्द हर घर जल सर्टिफिकेशन की प्रक्रिया पूरी की जाए। इसके अलावा, जिन गांवों में पाइपलाइन बिछाने के लिए सड़कें तोड़ी गई थीं, वहां जल्द से जल्द सड़कों की मरम्मत करने का भी आदेश दिया गया। जिलाधिकारी ने अधिशाषी अभियंता जल निगम ग्रामीण अंचल गुप्ता को पर्यवेक्षण में लापरवाही बरतने पर स्पष्टीकरण देने को कहा और निर्देश दिया कि वह नियमित रूप से क्षेत्र में पहुंचकर कार्यों की गति तेज करें। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी नमामि गंगे प्रेमचंद मौर्य, अधिशाषी अभियंता जल निगम अंचल गुप्ता, अधिशाषी अभियंता विद्युत जितेंद्र नाथ, महेंद्र भारती सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

माह-ए-रमजान रहमत, बरकत और मगफ़िरत का महीना: सलीम खान

संवाददाता। कालपी, जालौन

बीती रात स्थानीय नगर के टरनंनगंज राजमार्ग स्थित दुंगई तलैया मस्जिद 11 वां रोजा व नमाज-ए-तरावीह 12 दिनों में मुकम्मिल होने पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कारी सलीम खान के द्वारा कुरान पाक मुकम्मल करने पर नमाजियों, रोजगारों तथा अकीदतमंदों ने सम्मान किया। मस्जिद के परिसर में नमाज-ए-तरावीह कारी सलीम खान द्वारा 12 दिन ने मुकम्मल कराई गई। तरावीह मुकम्मल होने के उपरांत आयोजित कार्यक्रम में मस्जिद के सदर खान ने कारी सलीम खान का गुलपोशी कर फूल मालाओं से जोरदार तरीके से सम्मान किया। साथ ही गले लगाकर उनको नमाज-ए-तरावीह मुकम्मल कराने पर मुबारकबाद दी गई। वहीं मस्जिद नूर के सदर ने कारी सलीम खान को कई जरूरी सामान भेंटकर ईनाम तथा सम्मान से नवाजा गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुये कारी सलीम खान ने नमाजियों, रोजदारों तथा मौजूद लोगों से कहा कि नमाज-ए-तरावीह मुकम्मल हो जाने का यह मतलब नहीं कि अब तरावीह नहीं पढ़नी है। तरावीह तो पूरे रमजान माह तक पढ़ी जाती है। ऐसे में सभी लोग कल से एक बार फिर नमाज-ए-तरावीह पढ़ें। अगर किसी मस्जिद में नमाज-ए-तरावीह नहीं हो रही है। तो नमाज-ए-सूरह तरावीह पढ़ सकते हैं। फिलहाल नगर की कुछ मस्जिदों पर जहां तरावीह मुकम्मल हो गई है। वहां पर नमाज-ए- सूरह तरावीह का एहतमाम किया जा रहा है। मुफ्ती शहर मौलाना अशफाक अहमद बरकती ने मुकद्दस माह-ए-रमजान के फजीलत पर रोशनी डालते हुए कहा कि माह-ए-रमजान रहमत, बरकत और मगफिरत का महीना है। इस महीने में इस महीने में कुरआन नाजिल हुई और मोमिन को रमजान का तोहफा मिला। उन्होंने कहा कि रमजान के महीने में जन्नत के दरवाजे खोल दिए जाते हैं। जहन्नुम के दरवाजे बंद कर शैतान को कैद कर दिया जाता है। इसकी हिकमत यह है कि शैतान रोजेदारों के दिलों में वसवसा न डाल सके।

प्रभारी मंत्री ने उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को दिए सब्सिडी के चेक

रायबरेली। मुख्यमंत्री उप्र योगी आदित्यनाथ द्वारा लोकभवन सभागार, लखनऊ में प्रदेश के उज्ज्वला लाभार्थियों को नि:शुल्क सिलेण्डर रिफिल की सब्सिडी वितरण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया, जिसका सजीव प्रसारण जनपद के कलेक्ट्रेट स्थित बचत भवन सभागार रायबरेली में किया गया। इस कार्यक्रम में उज्ज्वला योजना के लगभग 100-150 लाभार्थी उपस्थित रहे, जिनके द्वारा मा0 मुख्यमंत्री जी के उज्ज्वला कार्यक्रम के सम्बोधन को सुना गया। इस कार्यक्रम में जनपद में मुख्य अतिथि के रूप में मंत्री, सूक्ष्म, लघु एवं उद्यम, खादी एवं ग्रामोद्योग, रेशम उद्योग, हथकरघा तथा वस्त्रोद्योग विभाग, जनपद के प्रभारी मंत्री राकेश सचान जी उपस्थित रहे, मंत्री जी द्वारा उज्ज्वला योजना के 10 लाभार्थियों एवं उपस्थित अन्य समस्त उज्ज्वला लाभार्थियों को राज्य सरकार द्वारा होली के त्यौहार पर सब्सिडी रू0 511.95 का प्रतीकात्मक चेक वितरित किया गया।

रंगों से सराबोर गीतों पर झूमे एनएसजीआई के शिक्षक और शिक्षिकाएं

रायबरेली। न्यू स्टैंडर्ड पब्लिक स्कूल सीनियर सेकेंडरी स्कूल त्रिपुला में होली समारोह का भव्य आयोजन किया गया, जिसमें न्यू स्टैंडर्ड ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट्स की सभी शाखाओं के शिक्षक-शिक्षिकाओं ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के संस्थापक-प्रबंधक डॉ0 शशिकांत शर्मा ने एन.एस.जी.आई. की समस्त शाखाओं के प्रधानाचार्यों के साथ देवी सरस्वती की पूजा-अर्चना कर किया। समारोह की शुरुआत में एन.एस.पी.एस. त्रिपुला के प्रधानाचार्य शिवलखन प्रजापति ने विद्यालय में आये हुए सभी आगंतुकों का स्वागत किया और होली पर्व पर होने वाले फाग गीत का गायन कर कार्यक्रम का आगाज किया। कार्यक्रमों की श्रृंखला में 'होली खेले मसाने में गीत पर भगवान भोलेनाथ और उनके गणों की छवि में थिरक रहे त्रिपुला ब्रांच के शिक्षक और शिक्षिकाओं ने सभी का मन मोह लिया साथ ही 'होली खेल रहे बांके बिहारी, आज रंग बरस रहा ' और 'होली खेले रघुवीरा, अवध में होली खेले रघुवीरा गीत ने सभी को साथ में झूमने को मजबूर कर दिया तो वहीं रंगों से सराबोर गीतों पर सभी लोग खूब थिरके।

लेफ्टिनेंट बनकर आदर्श ने क्षेत्र का नाम किया रोशन

लालगंज, रायबरेली। लालगंज ब्लॉक के 'उत्तरा गौरी' गाँव के 'आदर्श प्रताप सिंह' ने कठिन परिश्रम और अटूट संकल्प के बल पर भारतीय सेना में 'लेफ्टिनेंट के पद पर कमीशन' प्राप्त कर अपने परिवार और गाँव का नाम रोशन किया है। सीमित संसाधनों के बावजूद, उन्होंने अपने लक्ष्य की ओर लगातार प्रयास किए। अपनी प्रारंभिक शिक्षा पूरी करने के बाद, उन्होंने लखनऊ विश्वविद्यालय से स्नातक की डिग्री प्राप्त की और फिर सेना में अधिकारी बनने के अपने सपने को साकार करने के लिए सीडीएस 2024' परीक्षा उत्तीर्ण की। इसके बाद, उन्होंने 'ऑफिसर्स ट्रेनिंग अकादमी चेन्नई' में कठोर सैन्य प्रशिक्षण लिया, जहाँ शारीरिक, मानसिक और नेतृत्व क्षमता को विकसित किया जाता है। उनके पिता संजय प्रताप सिंह जो एक किसान हैं, और माता कल्पना सिंह जो एक गृहिणी हैं।

ग्रामीणांचल में हुड़दंगी होली का विलुप्त होता खिलंदड़पन

- रंगों की मस्ती भरा त्यौहार आज आधुनिकता का शिकार
- गांवों से गायब होती जा रही पारंपरिक होली गायन की संस्कृति

संवाददाता। जगम्मनपुर, जालौन

होली आई रे.. आई रे ...होली आई रे .... होली के प्रेम से सराबोर रंगों का यह हुड़दंगी त्योहार तथाकथित सभ्य होते समाज में औपचारिकता पूर्वक मनाए जाने के कारण दम तोड़ता नजर आ रहा है। उल्लास एवं रंगों से सराबोर हुड़दंगी होली का मस्ती भरा त्यौहार तथाकथित सभ्य समाज के मिथ्या दिखावे के कारण एवं समाज में उदंड होते जा रहे लोगों के कारण अब दम तोड़ता हुआ नजर आ रहा है। फाल्गुन मास के प्रारंभ में बसंत पंचमी से ही गांव-गांव के मंदिरों पर ढोल नुमा ढोलक की थाप, कांसो और मजीरों की झंकार के बीच युवाओं व बुजुर्गों द्वारा मिलकर गाए जाने वाले फागुन गीत फाग की गूंजती समवेत ध्वनि होली के पर्व आगमन का मधुर संगीत माना जाता था। गांव के हर घर का एक-एक व्यक्ति होली गीत व फाुआ गाने या उसमें शामिल होने के लिए फाुवारों की टोली का हिस्सा बनता था। सर्वप्रथम फाुबारों की यह टोली गांव के प्रत्येक देवस्थान पर जाकर देवताओं को अपने होली के गीत समर्पित कर बाद में गांव में उन लोगों के घर पर जाती थी जिनके यहां वर्ष भर में किसी का निधन हो गया हो उसके दरवाजे पर बैठकर अनराय फाग के गीत गाए जाते थे। होली में महज दो दिन बचे हैं, लेकिन अब होली की आहट देने वाले वहीं पुराने होली गीत के मदहोश कर देने वाली धुन और गीत सुनाई नहीं दे रहे। खास तौर से सांझ ढले जोगीरा सारारा तो अब सुनने को ही नहीं मिलता है।

गांवों में चौपालों पर बैठकों में होली गीत के मस्तानों की टोली आ जुटती थी। सांझ ढलते ही ढोलक-झाल पर उत्साही गवइयों की महफिल सज जाती तो फिर कब आधी रात हो जाती, पता ही नहीं चलता। पहले तो धार्मिक फाग लिए गाने गाए जाते और जब महफिल चरम पर पहुंच जाती तो देवर-भाभी, पति-पत्नी, जीजा-साली और अन्य मजाकिया रिश्तों को गुदगुदाते, आह्लादित करते, झिझोड़ते गीतों तक पहुंच जाते। आज बिरज में होरी रे रसिया.., रघुवर जी वैर करो ना.., होरी खेलें रघुबीरा अवध में होरी खेलें रघुबीरा...।

होरी खेल रहो नंदलाल मथुरा की कुंज गलिन में....कबीरा सररररर.. जैसे पारंपरिक होली गीत अब सुनने को नहीं मिलते और न ही लोगों के घरों पर एकत्र होकर होली गीत गाने वालों के दर्शन होते हैं। यह परंपरा ही अब खत्म होने के कगार पर है। जिस रात्रि होली जलाई जाती थी उसे रात ढोल मजीरों के साथ फाग गाने वालों की टोली गांव के बाहर तक होली जलाने वाले स्थान पर मस्ती में झूम-झूम कर गीत गाते और फिर दूसरे दिन सुबह से ही होली खेले जाने के समय रंग गुलाल के बीच फाुवारो की यह टोली गांव में घूम-घूम कर होली के गीत गाती थे। लेकिन अब विलुप्त होती हमारी मस्ती की प्राचीन परंपरा पर भारी पड़ती डीजे की धुन पर आजकल के फूहड़ गीतों पर युवकों द्वारा अश्लील इशारों से युक्त नग्नता का नृत्य होली के पवित्र पर्व को अपवित्र कर रहा है हालांकि नए फूहड़ गीतों पर अभी भी पुराने होली गीत भारी पड़ते है। सामूहिक उत्साह और उल्लास के प्रतीक इस त्योहार को तकनीकी और सूचना क्रांति की ऐसी नजर लगी कि मिट्टी की सौंधी महक वाले फाग और फाुआ कहां खो गए, पता नहीं ? होली का त्योहार प्रेम की वह रसधारा है, जिसके रास्ते रास रंग के जरिये पूरा समाज सरोबार हो जाता था। कानों में ढोल, ताशा, मजीरा और डफली की वह गूंज अब बहुत कम सुनने को मिलती है। हां, कहीं कहीं गांवों में आज भी कुछ लोग ऐसे हैं, जो पारंपरिक होली को आज भी राग-रंग, हंसी-ठिठोली, लय, आनंद और राग रंग के साथ रास रंग के नजरिये से देखते हैं।

जिम्मेदार अधिकारियों की मनमानी कार्रवाई केवल कागजों में सिमटी

- विकास कार्यों के लिए आने वाली धनराशि की बंदरबाट
- बीडीओ ने रोजगार सेवक को नोटिस थमाकर मामले को दबाया
- महिला मेट की शिकायत पर लगाई फर्जी रिपोर्ट
- सचिव को नोटिस दे की खानापूर्ति, तीन माह बाद भी कार्रवाई का पता नहीं

संवाददाता। कदौरा, जालौन

कदौरा ब्लॉक में ग्राम निधि और और मनरेगा योजना के तहत होने वाले कार्यों में अधिकारियों की मनमानी हो रही है। शिकायतों के बाद जांचों के नाम पर गांवों में जाकर सिर्फ दिखावा किया जा रहा है, शिकायतकर्ताओं द्वारा प्रमाण सहित शिकायतों का भी बिना सूचना दिए फर्जी तरह से निस्तारण कर दिया जाता है। जिससे शासन द्वारा संचालित महत्वकांक्षी योजनाओं का लाभ लोगों को नहीं मिल रहा है। लोगों में रोष व्याप्त है। हैरानी की बात तो यह है कि जिन जिम्मेदार अधिकारियों को जांच करने के लिये जिम्मेदारी सौंपी जाती हैं वह महज खानापूर्ति कर अपने कर्तव्यों की इतिश्री कर भ्रष्टाचार करने वालों को खुली छूट देने का अवसर देखे जा रहे हैं। फिर चाहे मामला ताहरपुरा गांव का हो या फिर मवई ब्राह्मण गांव से जुड़ा रहा हो। लमसर गांव में तो नवंबर माह में ग्राम प्रधान ने नियम विरुद्ध केयर टेकर की मजदूरी, प्रधान का मानदेय का भुगतान अपनी पत्नी के खाते में कराया था साथ ही सीमेंट कुर्सी, स्टील कुर्सी, स्ट्रीट लाइट आदि के भुगतान में अनियमितताएं बरती थी। लेकिन जिम्मेदार अधिकारियों ने कार्यवाही के नाम पर ढाक के तीन पात जैसी कहावत चरितार्थ करते नजर आ रहे हैं। ब्लॉक क्षेत्र के ताहरपुर गांव में 9 अक्टूबर को ग्राम पंचायत के जिम्मेदारों ने तीन मेड़बंधी और समतलीकरण के नाम पर 166 श्रमिकों की फर्जी डिमांड लगाई थी, खेतों पर फसल खड़ी थी। ग्रामीणों की शिकायत पर उपायुक्त (श्रम-रोजगार) ने बीडीओ कदौरा को जांच दी थी, जांच में मामला सही पाया गया था, बीडीओ ने रोजगार सेवक को नोटिस देकर मामले को दबा दिया। ब्लॉक क्षेत्र के मवई ब्राह्मण में महिला मेट सावित्री देवी ने 9 जनवरी को डीएम राजेश कुमार पांडे और 21 जनवरी को एडीएम संजय कुमार को शपथ पत्र देकर गांव ने मनरेगा योजना से कराए गए कार्यों में फर्जी भुगतान का आरोप लगाया था, साथ ही मशीनों, ट्रैक्टरों द्वारा कराए गए मनरेगा कार्यों के वीडियो और फोटो साक्ष्य के रूप में दिए थे। शिकायत पर एडीएम ने जांच के आदेश कदौरा बीडीओ को दिए थे। बीडीओ ने एडीओ पंचायत से जांच कराई, जांच में महिला मेट को सूचना नहीं दी गई।

व्यापारी अपहरण काण्ड के आठ आरोपी गिरफ्तार

- फिरौती के सात 7 लाख रुपए, तमंचा, कारतूस, कार व बाइक भी बरामद
- व्यापारियों ने पुलिस टीम को किया सम्मानित

संवाददाता। फतेहपुर

सदर कोतवाली क्षेत्र के लखनऊ बाईपास के रहने वाले व हुसैनगंज कस्बे में कापी, किताब, जूते-चप्पल के थोक व्यापारी का डेढ़ माह पूर्व कुछ बदमाशों ने अपहरण कर लिया था। मामा से फिरौती के रूप में दस लाख रूपए लेकर अपहृत को छोड़ दिया था। इस मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर अभियुक्तों की तलाश शुरू कर दी थी। बुधवार को एसओजी, सर्विलांस, हुसैनगंज व सदर कोतवाली पुलिस ने घटना का अनावरण करते हुए इस काण्ड में लिप्त सभी आठ अभियुक्तों को फिरौती के सात लाख रूपए, तमंचा, कारतूस, कार व बाइक समेत गिरफ्तार कर लिया। सभी के खिलाफ सुसंगत धाराओं में कार्रवाई कर न्यायालय भेज दिया।

पत्रकारों से बातचीत में पुलिस अधीक्षक धवल जायसवाल ने बताया कि 31 दिसंबर को सदर कोतवाली क्षेत्र के लखनऊ बाईपास निवासी संदीप गुप्ता पुत्र कृष्ण चन्द्र गुप्ता अपने मामा के साथ जा रहे थे। तभी कुछ बदमाशों ने उनका अपहरण कर लिया था और फिरौती के रूप में दस लाख पचास हजार रूपए के अलावा एक सोने की अंगूठी, एक सोने की चेन व एक मोबाइल लेकर छोड़ा था। इस संबंध में थाना कोतवाली नगर पर मुकदमा पंजीकृत किया गया था।

इस घटना का डेढ़ माह बाद सफल अनावरण करते हुए एसओजी, सर्विलांस, थाना हुसैनगंज व सदर कोतवाली पुलिस ने सभी आठ अभियुक्तों को गौशाला रोड हड़िया सहेमाबाद थाना हुसैनगंज से गिरफ्तार कर लिया। अभियुक्तों के कब्जे से फिरौती के सात लाख रूपए नगद, एक सोने की अंगूठी, तीन तमंचा, छह जिंदा कारतूस, एक अद्धी, दो जिंदा कारतूस, एक झोला, एक आई-20 कार, दो मोटर साइकिल बरामद की हैं। पकड़े गए अभियुक्तों ने अपने नाम हर्षित सिंह पुत्र देवेन्द्र सिंह निवासी ग्राम छेऊका थाना हुसैनगंज, दीपक उर्फ गोलू सोनी पुत्र संतोष सोनी निवासी पुरानी बाजार कस्बा व थाना हुसैनगंज, विकास सिंह उर्फ छोटू उर्फ नेता पुत्र निर्भय सिंह निवासी ग्राम पूरे नोखेराम का पुरवा बेहटा कला थाना लालगंज जनपद रायबरेली, शिवेन्द्र उर्फ अभय बाजपेई पुत्र अनिल बाजपेई निवासी ग्राम पूरेभाई बेहटा कला थाना लालगंज जनपद रायबरेली, बाबू सिंह उर्फ अंश सिंह पुत्र अवनीश कुमार निवासी डाकघर के पीछे कस्बा व थाना हुसैनगंज, मोहित उर्फ मनोज पुत्र बाबूलाल निवासी गोवर्धनपुर थाना हुसैनगंज, जीतू रैदास पुत्र लक्ष्मण निवासी ग्राम दौलतपुर थाना हुसैनगंज, शिवा उर्फ अभिनाश पुत्र रामबाबू निवासी चन्दनापुर थाना हुसैनगंज बताया। एसपी ने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्तों में हर्षित सिंह व दीपक उर्फ गोलू मुख्य अभियुक्त हैं। एसपी ने बताया कि घटना का खुलासा करने वाली पुलिस टीम को पच्चीस हजार रूपए का ईनाम दिया जाएगा।

पूर्व प्रबंधक एवं एक अन्य पर लगा गबन का आरोप

फतेहपुर। श्री हनुमान मंदिर प्रबंध समिति (ट्रस्ट) का विवाद आज कानून की दहलीज तक पहुंच गया। मौजूदा कमेटी के अध्यक्ष कालिका प्रसाद समेत उपाध्यक्ष उमेश कुमार सोनी, महामंत्री पप्पन रस्तोगी, मंत्री सतीश कुमार गुप्ता एवं सदस्य शिवाकांत चौरसिया आदि ने कोतवाली पहुंच कर पूर्व प्रबंधक/वरिष्ठ भाजपा नेता राम प्रकाश गुप्ता पर वित्तीय अनियमितता का आरोप लगाते हुए कोतवाली प्रभारी को तहरीर सौंपते हुए मुकदमा कायम करने की मांग की। श्रीराम गुप्ता एवं राम प्रकाश गुप्ता से शिकायतकर्ताओं ने जान का खतरा बताते हुए स्वयं को काफी भयभीत बताया है। तहरीर में डीसीबी बैंक के खाता नंबर का उल्लेख करते हुए 31 वर्षों तक कोई लेन-देन न होने और लाखों की गड़बड़ी का विस्तार से हवाला दिया गया है।

होली के पर्व पर गैस सब्सिडी की चेक पाकर खिले लाभार्थियों के चेहरे

संवाददाता। फतेहपुर

होली के त्योहार पर खुशियों के उपहार के रूप में प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के अंतर्गत 1890 करोड़ की धनराशि से प्रदेश के 1.86 करोड़ पात्र परिवारों को गैस सिलेण्डर रिफिल सब्सिडी का वितरण मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लोकभवन सभागार लखनऊ से किया।

जिसका सजीव प्रसारण विकास भवन सभागार में विधायक जहानाबाद राजेन्द्र सिंह पटेल, जिलाधिकारी रविन्द्र सिंह, मुख्य विकास अधिकारी पवन कुमार मीना की उपस्थिति में देखा व सुना गया। जनपद में पात्र लाभार्थियों को प्रतीकात्मक एलपीजी सिलेण्डर व सब्सिडी चेक वितरित की गई। विधायक जहानाबाद ने कहा कि डबल इंजन की सरकार जन कल्याणकारी योजनाओं को धरातल पर उतारकर कार्य कर रही है। सरकार में किसानों, युवाओं, गरीबों, वंचितों को योजनाओं से लाभान्वित कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना से महिलाओं को धुएं से आजादी, स्वास्थ्य पर सकरात्मक प्रभाव तथा पर्यावरण सुधार जैसे सार्थक लाभ प्राप्त हुए। पीएम उज्जवला योजना की पारदर्शिता बनाये रखने हेतु सिलेण्डर रिफिल पर मिलने वाली सब्सिडी का आधार प्रमाणित बैंक खाते मे अंतरण किया गया है। उन्होंने कहा कि जिन लाभार्थियों के आधार प्रमाणीकरण नहीं हुआ है, जल्द से जल्द कराकर पात्रों को लाभान्वित किया जाये।

डीएम रविन्द्र सिंह ने बधाई देते हुए कहा कि शासन से जो दिशा निर्देश प्राप्त होते हैं उसके अनुसार पात्रों को योजनाओं से लाभान्वित किया जा रहा है।

उन्होंने जिला पूर्ति अधिकारी को निर्देशित किया कि खाद्यान्न से संबंधित जो भी समस्या आ रही है उसकी पंजिका बनाते हुए जिला स्तर व तहसील स्तर पर नियमानुसार कार्यवाही कर शिकायतों का उचित निस्तारण कराए और इस पर शतत निगरानी बनाए रखें।

जनपद में उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को दी गई सब्सिडी

कानपुर देहात। शासन से प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को सिलेण्डर रिफिल की सब्सिडी का कार्यक्रम जनपद स्तर पर आयोजित किये जाने के निर्देश दिये गये। उक्त कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्यमंत्री की उपस्थिति में लोकभवन सभागार, लखनऊ में हुआ, कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के अंतर्गत 1.86 करोड़ पात्र परिवारों को गैस सिलेंडर रिफिल सब्सिडी का अन्तरण किया गया।

इसी क्रम में जिला पूर्ति कार्यालय, कानपुर देहात के परिसर में कार्यक्रम आयोजित किया गया तथा मुख्यमंत्री जी के कार्यक्रम के सजीव प्रसारण को मा0 जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती नीरज रानी, जिलाधिकारी आलोक सिंह, जिला पूर्ति अधिकारी व लाभार्थीगणों द्वारा देखा एवं सुना गया। जनपद में जिलाधिकारी एवं जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती नीरज रानी जी, नोडल अधिकारी उज्ज्वला योजना एवं जिला पूर्ति अधिकारी के द्वारा पात्र परिवार की महिला मुखिया को राज्य सरकार की ओर से प्रदान की जाने वाली सब्सिडी का प्रतीकात्मक चेक प्रदान किया गया। योजनान्तर्गत होली व दीपावली पर नि:शुल्क गैस सिलेण्डर रिफिल की सुविधा पात्र लाभार्थियों को सरकार द्वारा प्रदान की जा रही है, जिसमें प्रथम चरण (अक्टूबर से दिसम्बर 2024) दीपावली पर आधार प्रमाणित पात्र परिवारों को गैस सिलेण्डर रिफिल सब्सिडी अंतरित की गयी तथा द्वितीय चरण (जनवरी से मार्च 2025) होली पर आधार प्रमाणित पात्र परिवारों को गैस सिलेण्डर रिफिल सब्सिडी अंतरित किया जा रहा है। पात्र परिवारों को प्रति रिफिल केन्द्र सरकार द्वारा 334.78 रू0 तथा राज्य सरकार द्वारा 508.14 रू0 की सब्सिडी प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजनान्तर्गत अनुमन्य है।

होली व रमजान को लेकर हुई शांति समिति की बैठक

संवाददाता। रूरा, कानपुर देहात

थाना परिसर में होली व रमजान को लेकर शांति समिति की बैठक हुई. बैठक में उपजिलाधिकारी अकबरपुर अवनीश कुमार की उपस्थित में संपन्न हुआ. अध्यक्षता थानाध्यक्ष जनार्दन प्रताप सिंह ने की. थानाध्यक्ष ने बारी-बारी से आए सभी जनप्रतिनिधि से पंचायत की गतिविधियों के बारे में जानकारी ले शांतिपूर्ण तरीके से होली मनाने पर उनकी राय ली. मुस्लिम समाज के लोगों का रमजान का महीना चल रहा है, इस क्रम में शुक्रवार(जुम्मा) के दिन होली है।

जिससे नमाज के दौरान रंग लगने की संभावना को उनके समक्ष रखा. एसडीएम डेरापुर भूमिका यादव व अकबरपुर एसडीएम अवनीश कुमार ने लोगों से शांति और प्रेम पूर्वक होली मनाने की अपील की. उन्होंने कहा कि रंग खेलना खुशी का प्रतीक है, लेकिन किसी के साथ जबरदस्ती न किया जाए, सभी को स्वेच्छा से होली मनानी चाहिए. रमजान को देखते हुए जबरजस्ती रंग नहीं डाले,नमाज पढ़ने वाले सतर्क रहे, ताकि विवाद नहीं हो. उपजिलाधिकारियों ने कहा कि डीजे पर प्रतिबंध है. अगर डीजे बजाते पकड़ाता है तो उस पर कार्रवाई की जायेगी. दोनों समुदाय के लोग मिलजुल कर पर्व मनाये. अगर कहीं परेशानी समझ में आती हो, तो पुलिस को तुरंत सूचना दें. होली के पहले शराब को लेकर जगह-जगह पर छापेमारी की जा रही है।

शराब बेचने व पीने वाली को चिह्नित कर के होली के पहले कार्रवाई कर दी जायेगी ताकि होली में विवाद पैदा न हो सके. थानाध्यक्ष ने बताया कि सोशल मीडिया पर किसी अफवाह सूचना को फैलाने से हम सभी को बचना है, ताकि शांतिपूर्ण त्योहार मनाने में कोई आंच नहीं आए. शांति समिति बैठक के उपरांत थाना परिसर में होली मिलन समारोह हुआ. इसमें हिंदू और मुस्लिम समाज के लोगों ने एक दूसरे को अबीर गुलाल लगा कर आपसी एवं भाईचारे का संदेश दिया. इस बैठक में उपजिलाधिकारी अकबरपुर अवनीश कुमार, उपजिलाधिकारी डेरापुर भूमिका यादव, नायब तहसीलदार मैथा अनिरुद्ध कुमार, थाना प्रभारी जनार्दन प्रताप सिंह, शिवकुमार शर्मा, धर्मेंद्र मलिक, राकेश सिंह, रजोल शुक्ला, मौलाना अमीर अहमद, तौहिद, इलियास,नगर पंचायत के कर्मी, बिजली विभाग के कर्मी व प्रधानों समेत अन्य व्यक्तियों ने अपने विचार व्यक्त किये और सामूहिक रूप से सौहार्दपूर्ण होली मनाने का निर्णय लिया. थाना परिसर में शांति समिति की बैठक में शांति पूर्ण तरीके से पर्व मनाने की अपील की।

बचीतपुरवा के रहने वाले राम सिंह पाल ने बताया कि मोहा गांव में होली जलने के स्थान पर पेड़ लगाकर व शौचालय बनाकर कब्जा कर लिया है जिस कारण वहां पर होली जलने के स्थान को लेकर तनाव है। इसके साथ ही कछीयनपुरवा में होलिका दहन के विवाद को लेकर भी एसडीएम डेरापुर भूमिका यादव ने क्षेत्रीय लेखपाल व थाना प्रभारी को तत्काल समस्या को निस्तारण करने के निर्देश दिए हैं।

डीएम ने तीन पुस्तकों के कवर का किया विमोचन

फतेहपुर। शहर के मुराइनटोला क्षेत्र से संचालित गीत गोविंद प्रकाशन 4 वर्षों से साहित्यकारों एवं लेखकों की पुस्तक प्रकाशित कर उन्हें प्रकाशन क्षेत्र में बढ़ावा देने का काम कर रहा है। प्रकाशन ने एक्सिस कालेज के छात्रों की लिखी हुई तीन पुस्तकों के कवर का विमोचन बुधवार को जिलाधिकारी रविन्द्र सिंह से करवाया। विमोचन में भाजयुमो के जिला उपाध्यक्ष सावन गुप्ता, एडवोकेट अभिषेक अग्रहरि, प्रकाशन के निवेशक दिव्यांश गुप्ता व संचालक हार्दिक अग्रहरि उपस्थित रहे। फार्माकोग्सी प्रैक्टिकल मॉड्यूल पुस्तक के लेखक कासिम अंसारी, उपलेखक श्रेया चौधरी, कैफ अली एवं श्रुति केशरवानी हैं। टेस्टुक ऑफ जेनेटिक्स के लेखक दिव्या यादव, उपलेखक कासिम अली, डा. अविनाश सिंह व प्रीति शर्मा हैं।

अचानक हृदय गति रुकने से चिकित्सक का निधन

गुरसहायगंज, कन्नौज। फर्रुखाबाद के राम मनोहर लोहिया अस्पताल की चिकित्सक अनुष्ठा चतुर्वेदी तनु का हृदय गति रुकने से आकस्मिक निधन हो गया। जिससे परिजनों में कोहराम मच गया। मौके पर पहुंचे भारी संख्या में जनप्रतिनिधियों सहित नागरिको ने शोक संवेदना व्यक्त की है। मिली जानकारी के अनुसार नगर के मोहल्ला रामगंज निवासी वरिष्ठ अधिवक्ता पीयूष चतुर्वेदी की 27 वर्षीय पुत्री डॉ. अनुष्ठा चतुर्वेदी तनु फर्रुखाबाद स्थित लोहिया अस्पताल में चिकित्सक थी। मंगलवार की सुबह अचानक उसकी तबीयत खराब हो गई। निजी चिकित्सक के यहां इलाज के लिए उसे ले जाया गया। जहां इलाज के दौरान उसका निधन हो गया। घटना की सूचना पर परिजनों में कोहराम मच गया। परिजनों द्वारा उसके पार्थिव शव को रामगंज स्थित आवास पर लाया गया। आकस्मिक निधन की सूचना पर पहुंचे कांग्रेस प्रदेश सचिव विजय मिश्र, पूर्व विधायक ताहिर हुसैन सिद्दीकी, चेयरमैन प्रतिनिधि मयंक गुप्ता, पूर्व अध्यक्ष धीरेंद्र आर्य, पूर्व चेयरमैन प्रतिनिधि इंद्र कुमार गुप्ता, वार एसोसियेशन अध्यक्ष राकेश तिवारी, वरिष्ठ अधिवक्ता श्वेतांक अरूण तिवारी, अमित मिश्रा, भाजपा नेता जीतू तिवारी, पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष राजीव ठाकुर, डॉ. आर के कटियार, डॉ. आरएमएस सिंह तोमर, डॉ. प्रदीप शाक्य, डॉ. गयासुद्दीन सिद्दीकी, मनोज अग्रवाल, ध्यानेंद्र सिंह, संतोष चतुर्वेदी, भाजपा नेता देवेंद्र देव, एडवोकेट राजेंद्र बाबू द्विवेदी, प्रधानाचार्य प्रबल प्रताप सिंह यादव सहित लोहिया अस्पताल के तमाम वरिष्ठ चिकित्सक एवं नागरिकों ने शोक संवेदना व्यक्त की है।

जिलाधिकारी ने की सीएम डैशबोर्ड पर प्रदर्शित निर्माण एवं विकास कार्यों की समीक्षा

संवाददाता। कानपुर देहात

जिलाधिकारी आलोक सिंह की अध्यक्षता में सीएम डैशबोर्ड पर प्रदर्शित निर्माण एवं विकास कार्यो की समीक्षा बैठक मां मुक्तेश्वरी देवी सभागार कक्ष कलेक्ट्रेट की गयी। बैठक में जिलाधिकारी ने विभाग अन्तर्गत संचालित योजनाओं की समीक्षा कर प्रगति लाने के निर्देश सम्बन्धित विभागों को दिये। उन्होंने कहा कि आवंटित लक्ष्य की प्राप्ति करने के साथ, योजनाओं से सम्बन्धित त्रुटि रहित आकडें पोर्टल पर फीड करें।

संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं में लक्ष्य के सापेक्ष शत प्रतिशत प्रगति लायी जाये। जिलाधिकारी द्वारा बी,सी,डी,ई, श्रेणी में प्रदर्शित योजनाओं से सम्बन्धित अधिकारियों को विशेष प्रयास कर ए श्रेणी में लाने के निर्देश दिये गये। तत्पश्चात जिलाधिकारी द्वारा निर्माण कार्यो की समीक्षा की गयी। उन्होंने कार्यदायी संस्थाओं को परियोजनाओं को समयान्तर्गत पूर्ण कराने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि सम्बन्धित कार्यदायी संस्थाऐं निर्धारित समयावधि में मानक व गुणवत्ता का पालन करते हुए कार्यो को पूर्ण करायें, सम्बन्धित विभाग निर्माण कार्यो की नियमित समीक्षा करें। जिलाधिकारी ने सभी कार्यदायी संस्थाओं व सम्बन्धित विभागों को निर्माण कार्यो की भौतिक एवं वित्तीय प्रगति से सम्बन्धित त्रुटि रहित आकड़ें पोर्टल पर समयान्तर्गत फीड कराने के निर्देश दिये। जिलाधिकारी द्वारा कार्यदायी संस्थाओं से विभिन्न निर्माण कार्यो के अद्यतन भौतिक प्रगति की जानकारी लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिये गए।

आईजीआरएस की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारीने कहा कि आईजीआरएस पर प्राप्त शिकायतों के निस्तारण में अधिकारी विशेष ध्यान दे, प्राप्त शिकायतों का निर्धारित समयावधि में गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करें, शिकायतों का निस्तारण करते समय शिकातकर्ता से बात जरूर की जाये। जिलाधिकारी ने कहा कि आईजीआरएस शिकायतों के निस्तारण तथा शासन द्वारा संचालित जन कल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की लापरवाही पाये जाने पर सम्बन्धित की जिम्मेदारी तय करते हुए कार्यवाही की जायेगी।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी लक्ष्मी एन0, डीएफओ एके द्विवेदी, सीएमओ डा0 एके सिंह, परियोजना निदेशक वीरेन्द्र कुमार, जिला पंचायत राज अधिकारी विकास पटेल, उप निदेशक कृषि राम बचन राम, अर्थ एवं सख्याधिकारी प्रतिभा सिंह सहित सम्बन्धित विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

साईं सिटी में उड़े रंग गुलाल हस्त चिन्हों को सराहा

फतेहपुर। सांई सिटी इंटर कॉलेज/मां सरस्वती ज्ञान मंदिर सांई विहार जयराम नगर (फ्तेहपुर) में छात्र-छात्राओं एवं अध्यापक अध्यापिकाओ द्वारा होली पर्व एक दूसरे के अबीर-गुलाल लगाकर, गले मिलकर मनाया गया। इस मौके पर विद्यालय की निदेशक श्रीमती रेखा सिंह गौर ने बच्चों द्वारा लिए गए होली के हस्त चिन्हों को सराहा। साथ ही प्रबंधक पवन सिंह गौर ने कहा कि हमें इन रंगों की तरह अपने भविष्य को उज्जवल बनाने हेतु प्रयासरत रहना चाहिए। इस मौके पर विद्यालय के प्रधानाचार्य अरविन्द पटेल, संजय सिंह, फारुख खान, चंद्रप्रकाश श्रीवास्तव, रणवीर सिंह, रावेन्द्र सिंह रवि सिंह, अतुल कुमार, राजेश वर्मा, रेखा श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे।

गांव के विकास का पहला कदम है पुस्तकालयः सीडीओ

कानपुर देहात। मुख्य विकास अधिकारी लक्ष्मी एन. ने ब्लॉक संदलपुर परिसर में बने भारत रत्न पंडित अटल बिहारी बाजपेई पुस्तकालय व मीटिंग हॉल का उद्घाटन का उद्घाटन फीता काट कर किया। उन्होंने बताया कि शासन द्वारा शुरू किए गए प्रोजेक्ट ज्ञानालय के तहत ब्लॉक क्षेत्र के युवाओं को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए खोले गए पुस्तकालयों में हर प्रकार की पुस्तकों की व्यवस्था की गई है। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि युवाओं को विभिन्न परीक्षाओं की तैयारी के लिए अब भटकना नहीं पड़ेगा। ब्लॉक परिसर में स्थापित पुस्तकालय मददगार बनेगा साथ ही पुस्तकालय में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी का बोर्ड लगा हुआ जिसमें 79 लोगों के नाम दर्ज है जिससे लोगों स्वतंत्रता संग्राम सेनानी की जानकारी भी मिल सकेगी। पुस्तकालय से युवाओं का भविष्य संवरेगा इसके अतिरिक्त पुस्तकालय में वाईफाई सुविधा भी मिलेगी। बच्चों और शिक्षकों से संवाद बनाते हुये कहा कि पुस्तकों का महत्व सदैव बना रहेगा। इस पुस्तकालय से शिक्षक और छात्र दोनों को सुविधा होगी, वे शिक्षा के क्षेत्र में और बेहतर योगदान कर सकेंगे। उन्होंने मौके पर उपस्थित ग्रामवासियों सको संबोधित करते हुए कहा कि आपके गांव में आज पुस्तकालय खुला है यह गांव के विकास के लिए यह पहला कदम है। गांव के सभी लोग अपने बच्चों को प्रतिदिन पुस्तकालय में पढ़ने के लिए भेजें। पुस्तकालय में कक्षा एक से 12 तक तथा विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की किताबें एवं अखबार आदि उपलब्ध हैं। जिन्हें बच्चे पढ़कर ज्ञान हासिल कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रतियोगी परीक्षा के लिए लाइब्रेरी में बेहतर पढ़ाई हो पाती है। जब तक आप लोग अपने बच्चों को पढ़ाएंगे नहीं तब तक आपके गांव व देश का विकास संभव नहीं है।

अधीक्षण अभियंता ने किया विद्युत उपकेंद्र का निरीक्षण, की समीक्षा

गुरसहायगंज, कन्नौज। विद्युत विभाग के अधीक्षण अभियंता राजीव कुमार ने बुधवार को स्थानीय विद्युत उपकेंद्र के मशीन रुम का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने उपकेंद्र की कार्यप्रणाली, उपकरणों की स्थिति और बिजली आपूर्ति व्यवस्था का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए और विद्युत आपूर्ति की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए कुछ आवश्यक सुधारों का सुझाव दिया।

बुधवार को स्थानीय विद्युत उपकेन्द्र पहुंचे अधीक्षण अभियंता राजीव कुमार ने उपखंड अधिकारी बृजेश कुमार सिरोही और अवर अभियंता विकास कुमार के साथ एक समीक्षा बैठक आयोजित की। जिसमें क्षेत्रीय विद्युत नेटवर्क की वर्तमान स्थिति, मेंटीनेंश, राजस्व बसूली में तेजी लाये जाने के निर्देश दिये। स्मार्ट मीटर की प्रोग्रेस की जानकारी ली जिसमें नगर में 1600 स्मार्ट मीटर लगायें जानें की जानकारी दी गई। इसके बाद विद्युत आपूर्ति में आ रही समस्याओं और उपकेंद्रों की कार्यक्षमता पर चर्चा की गई। अधीक्षण अभियंता ने बैठक में उपस्थित अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे समय पर सभी तकनीकी कार्यों को पूरा करें और बिजली आपूर्ति को अधिक से अधिक प्रभावित करने वाले कारणों की पहचान कर उनका समाधान करें।

बच्चे, नौजवान व बुजुर्ग बड़ी संख्या में बन रहे हैं नशे के आदी: डॉ आरके कोली

आम जनमानस जागरुकता नशे के विरुद्ध निभा सकता है अहम भूमिका

संवाददाता। लखीमपुर खीरी

राष्ट्रीय धूम्रपान निषेध दिवस के अवसर पर एक संगोष्ठी का आयोजन जिला चिकित्सालय, मोतीपुर, ओयल, खीरी में सीएमएस डॉ आरके कोली की अध्यक्षता में किया गया। संगोष्ठी में धूम्रपान से होने वाले नुक्सान व दुष्प्रभावों को लेकर जागरुक किया गया। संगोष्ठी में विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा घुम्रपान से होने वाले नुक्सानों के बारे में विस्तार से लोगों को जानकारी दी गई।

संगोष्ठी को सम्बोधित करते हुए सीएमएस डॉ आरके कोली ने बताया की घुम्रपान या किसी भी प्रकार का नशा शरीरिक नुक्सान पहुंचाता है। आज बच्चे, नवजवान व बुर्जुग बडी संख्या में नशें के आदी हो चुके है। एसे में एनसीडी के अन्तर्गत संचालित एनटीसीपी कार्यक्रम के अन्तर्गत नो स्मोकिंग डे मनाया जा रहा है, जिससे आम जनमानस में घुम्रपान से होने वाले नुक्सानों व दुष्प्रभावों को पहुंचाया जा सके। उन्होने इस बात पर जोर दिया की आज महिलाएं भी नशें की लत से दूर नही है। जिससे बॉझपन जैसी समस्या सामने आ रही है। जरुरी है कि हम नशे से होने वाले दुष्प्रभावों को पहचाने, जिससे भविष्य में होने वाली समस्या से बच सके।

बालरोग विशेषज्ञ डॉ आरपी वर्मा ने बताया की बच्चों से तम्बाकू उत्पाद मगाना बेहद गलत है। जरुरी है कि हम बच्चो को भी इसके दुष्प्रभावों के प्रति जागरुक करे, जिससे हमारी नई पीढी इससे दूर रहें। डॉ डीके पुष्कर ने बताया की आम जनमानस तम्बाकू से होने वाले दूष्प्रभावों के बारे में पूर्ण जानकारी नही रखता जो एक जटिल समस्या बन रही है।

मनोचिकित्सक डॉ अखिलेश शुक्ला ने तम्बाकू सेवन से होने वाले दुष्प्रभावों और उसे छोड़ने के विकल्पों के बारे में बताते हुए कहा की आज एसी दवाएं भी उपलब्ध है जो इन्हें छोड़ने में आपकी मदद कर सकती है, जरुरी है कि इसके लिए आप विशेषज्ञ चिकित्सक का परामर्श ले जिरियाट्रिक फिजीशियन डॉ शिखर बाजपेयी ने बताया की नशे से हृदय समेत हमारे शरीर की रक्त वाहिकाएं सिकुड़ जाती है जो हृदयाघात व स्ट्रोक सहित अन्य बीमारियों का भी कारक है।

इस दौरान चिकित्सालय अधीक्षक डॉ एसके मिश्रा, डॉ रचित मिश्रा ने भी अपने विचार रखें। कार्यक्रम का संचालन एनसीडी काउन्सलर देव नन्दन श्रीवास्तव ने किया। कार्यक्रम में फार्मासिस्ट अमरेन्द्र सिंह, साइकेट्रिक सोसल वर्कर अतुल पाण्डेय, उपचारिका रेशमा वर्मा, कनिष्ठ सहायक मनीष कुमार, पंकज शुक्ला, अमित कुमार, सुरेन्द्र कुमार, गीताजलि, सरिता, उपेन्द्र कुमार सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी रहे।

सीएम ने जिले के प्रमुख मंदिरों में भेजी पूजन सामग्री और होली उपहार

लखीमपुर खीरी। होली के पावन पर्व पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की ओर से जिले के प्रमुख प्राचीन मंदिरों में मिष्ठान, पूजा सामग्री, ग्रीटिंग कार्ड युक्त होली उपहार भेजा गया है। इसी कड़ी में बुधवार की दोपहर जिला मुख्यालय के मोहल्ला गोटैय्याबाग स्थित वाल्मीकि मंदिर पहुंचकर डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल, एसपी संकल्प शर्मा ने दर्शन किए और वहां के पुरोहित को उक्त सामग्री और उपहार भेंट कर होली की शुभकामनाएं भी दीं। डीएम-एसपी ने मंदिर परिसर में मौजूद वाल्मीकि समाज के लोगों को अपने हाथों से गुजिया खिलाई और होली की शुभकामनाएं दी। डीएम एसपी को अपने बीच पाकर वाल्मीकि समाज के लोग खुश नजर आए। भारत माता की जय के जयघोष भी किया। इस अवसर पर महंत, पुजारियों, वाल्मीकि समाज के लोगों ने योगी आदित्यनाथ जी के उत्तम स्वास्थ्य व दीर्घाऊ की कामना के साथ उनके नेतृत्व में उत्तर प्रदेशवासियों की सुख, शांति, खुशहाली व समृद्धि की कामना किया। इस मौके पर तहसीलदार सदर सुशील प्रताप सिंह, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद लखीमपुर संजय कुमार मौजूद रहे।

पत्रकार की हत्या को लेकर पत्रकारों में भारी रोष, प्रदर्शन कर सौंपा ज्ञापन

गोला गोकर्णनाथ, खीरी। मंगलवार को ऐप्जा (ऑल इंडियन प्रेस जर्नलिस्ट एसोसिएशन) के बैनर तले एकत्र होकर गोला तहसील के पत्रकारों ने कोतवाली गेट पर करीब ढाई घंटे तक धरना देकर महोली (सीतापुर) के पत्रकार राघवेंद्र बाजपेई की हत्या पर घोर रोष व्यक्त करते हुए तत्काल हत्यारों की गिरफ्तारी सहित अन्य कार्यवाही किए जाने की मांग की। पत्रकार साथी राघवेंद्र बाजपेई की निर्मम हत्या से आहत ऐप्जा चेयरमैन रवीन्द्र मिश्रा व प्रदेश के चीफ कोआर्डिनेटर अनुराग एम. सारथी के दिशा-निर्देश पर समूचे प्रदेश में आक्रोशित पत्रकारों का प्रदर्शन जारी है। जिसके तहत ऐप्जा (ऑल इंडियन प्रेस जर्नलिस्ट एसोसिएशन) के जिला अध्यक्ष संदीप शुक्ला, जिला संरक्षक रविसुत शुक्ल, हाजी हसीब खान, जिला संगठन मंत्री डीपी आर्य, जिला उपाध्यक्ष शेरअली खान व जिला सचिव आदित्य मिश्रा की मौजूदगी में ऐप्जा तहसील अध्यक्ष राजेश वर्मा के नेतृत्व में कोतवाली के गेट पर स्थित पार्क में करीब ढाई घंटे तक धरना दिया और भारी आक्रोश व्यक्त किया। इसी क्रम में पत्रकार महासंघ के बैनर के तले दर्जनों पत्रकारों ने जिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री को एक ज्ञापन भेजा है। मुख्यमंत्री को दिए गए ज्ञापन में पत्रकार संघ के जिला अध्यक्ष नंद कुमार मिश्रा ने बताया कि पत्रकार राघवेंद्र बाजपेई की हत्या में सम्मिलित अपराधियों की जल्द गिरफ्तारी की जाए इसके साथ सभी अपराधियों को कड़ी से कड़ी सजा दी जाए, मृतक के परिजनों को एक करोड रुपए का मुआवजा तथा मृतक की पत्नी को नौकरी और पूरे परिवार की सुरक्षा की जिम्मेदारी सुनिश्चित की जाए।

मोदी दुनिया के अभूतपूर्व नेता के रूप में उभरे, 21 देशों ने सर्वोच्च नागरिक सम्मान से नवाजा: भाजपा

भाषा। नई दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बुधवार को कहा कि 21 देशों ने अब तक प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को अपने सर्वोच्च नागरिक सम्मान से नवाजा है, जिससे यह साबित होता है कि वह दुनिया के एक अभूतपूर्व नेता के रूप में उभरे हैं। प्रधानमंत्री मोदी को बुधवार को मॉरीशस के सर्वोच्च सम्मान द ग्रांड कमांडर ऑफ ऑर्डर ऑफ स्टार एंड की ऑफ इंडियन ओशन से सम्मानित किया गया जिसे उन्होंने दोनों देशों के बीच सदियों पुराने सांस्कृतिक और ऐतिहासिक संबंधों का प्रतीक बताया।भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने संसद परिसर में संवाददाताओं से कहा, इसके साथ ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को अब तक 21 देशों का सर्वोच्च नागरिक सम्मान मिल चुका है, जो दुनिया में एक अभूतपूर्व नेता के रूप में उभरे हैं। हाल ही में बारबाडोस ने उन्हें अपना सर्वोच्च नागरिक सम्मान प्रदान किया था। उन्होंने कहा कि इन 21 देशों में रूस, फ्रांस, अमेरिका और नौ मुस्लिम देश शामिल हैं। त्रिवेदी ने कहा, इससे पता चलता है कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में दुनिया के विभिन्न देशों के साथ हमारे संबंध आर्थिक, सैन्य या कूटनीतिक पहलुओं के उपयोगिता कारक से आगे निकल गए हैं।

उन्होंने कहा, अब हम एक अलग स्तर पर पहुंच गए हैं जहां विभिन्न देश भारत के प्रति बेहद सकारात्मक, भावनात्मक जुड़ाव और सम्मान महसूस कर रहे हैं। भाजपा नेता ने कहा कि यह देश के 140 करोड़ लोगों के लिए गर्व का विषय है। त्रिवेदी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी को 2018 में संयुक्त राष्ट्र चैंपियंस ऑफ अर्थ पुरस्कार और सियोल शांति पुरस्कार सहित कई अन्य अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार मिले हैं। उन्होंने कहा, विश्व बंधुत्व की हमारी शाश्वत अवधारणा में प्रधानमंत्री मोदी ने भारत का इस तरह नेतृत्व किया है कि पूरी दुनिया भारत को विश्व मित्र के रूप में देख रही है। त्रिवेदी ने कहा, यह हम सभी भारतीयों के लिए गर्व की बात है कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में हम न केवल दुनिया के लिए आशा की किरण और विश्व के विकास इंजन के चालक बन रहे हैं, बल्कि अधिकतर देशों के लिए आकर्षण का एक स्नेही बिंदु भी बन रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी इस प्रतिष्ठित पुरस्कार को प्राप्त करने वाले पहले भारतीय नेता हैं जो भारत और मॉरीशस के बीच संबंधों को मजबूत करने में उनके योगदान को मान्यता देता है। मोदी ने कहा, मॉरीशस के सर्वोच्च राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित होने पर मैं हृदय से आभार व्यक्त करता हूं। यह केवल मेरा सम्मान नहीं है। यह 140 करोड़ भारतीयों का सम्मान है। यह भारत और मॉरीशस के बीच सदियों पुराने सांस्कृतिक और ऐतिहासिक संबंधों का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि अपनी कड़ी मेहनत से इन लोगों ने मॉरीशस के विकास में एक स्वर्णिम अध्याय जोड़ा और इसकी जीवंत विविधता में योगदान दिया।

छात्राएं स्वावलंबी बनकर दूसरों को भी कर रहीं प्रेरित: डॉ. राधा रानी

प्रयागराज। महिलाओं के समग्र विकास हेतु गंगा गुरुकुलम विद्यालय में महिला स्वावलंबन प्रशिक्षण केंद्र स्थापित किया गया। यह केंद्र महिलाओं को आर्थिक एवं शैक्षिक प्रशिक्षण देकर स्वावलंबी बना रहा है। यहां की छात्राएं स्वावलंबी बनकर दूसरों को भी प्रेरित कर रही हैं। साथ ही इस विद्यालय में आसपास के आर्थिक रूप से कमजोर परिवार के बच्चे जो शिक्षा से वंचित रह जाते हैं उनकी सहायता हेतु बाल गुरुकुलम संस्था चलाई जा रही है। जिसमें बच्चों को मुफ्त शिक्षां प्रदान की जाती है। इन विद्यार्थियों एवं महिलाओं के उत्साह वर्धन हेतु बुधवार को फाफामऊ स्थित गंगागुरुकुलम विद्यालय में महिला स्वावलंबन केंद्र एवं बाल गुरुकुलम द्वारा वार्षिकोत्सव का आयोजन किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि कमला नेहरू हॉस्पिटल की कैंसर यूनिट की विभागाध्यक्ष डॉ राधा रानी घोष एम पी वी एम समिति की सचिव डॉ कृष्णा गुप्ता कोषाध्यक्ष रविंद्र गुप्ता एवं एम पी वी एम विद्यालय की प्रधानाचार्या अल्पना डे मौजूद रहीं। कार्यक्रम का प्रारंभ परंपरागत तरीके से गणेश वंदना के साथ मुख्य अतिथि सचिव एवं प्रधानाचार्या माधुरी श्रीवास्तव द्वारा दीप प्रज्ज्वलन से हुआ। कार्यक्रम में आए हुए अतिथियों का स्वागत महिला स्वावलंबन प्रशिक्षण केंद्र की परियोजना निदेशिका नीरजा सिंह ने किया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों के अंतर्गत महिला स्वावलंबन केंद्र की छात्राओं एवं बाल गुरुकुलम के नन्हे मुन्ने बच्चों ने अनेकों रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। जहां एक ओर बाल गुरुकुलम के नन्हे मुन्नों ने बम बम बोल गीत पर समूह नृत्य से समां बांध दिया एवं प्राचीन समय में खेले जाने वाले खेलों पर आधारित संगीतमय नाटिका यादों की बारात प्रस्तुत करके सभी को स्वस्थ रहने का संदेश दिया। वहीं दूसरी ओर महिला स्वावलंबन केंद्र की छात्राओं ने नारी शक्ति पर आधारित एक समूह गान हम हैं शक्ति द्वारा समाज को महिलाओं की शक्ति और सामर्थ्य को पहचानने और उनका सम्मान करने का संदेश दिया। वहीं महिला स्वावलंबन केंद्र से प्रशिक्षण लेकर स्वरोजगार स्थापित करने वाली महिला पूर्णिमा ने वीडियो प्रेजेंटेशन द्वारा अपना संस्मरण प्रस्तुत करके सबको भावुक कर दिया। इसी कड़ी में बाल गुरुकुलम के बच्चों ने एक शिक्षाप्रद नाटक द्वारा जिसका शीर्षक था जैसी करनी वैसी भरनी द्वारा भावी पीढ़ी को अपने जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए प्रेरित करने के साथ साथ आपसी भाई चारा उमंग एवं उल्लास का प्रतीक त्योहार होली के गीत पर समूह नृत्य करके सबका मन मोह लिया। मुख्य अतिथि डा राधा रानी घोष ने कार्यक्रम की भूरि भूरि प्रशंसा करते हुए कहा कि विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों नृत्य संगीत नाटकों के माध्यम से अपनी अद्भुत क्षमता का प्रदर्शन किया है। उन्होंने कहा कि महिला शक्ति ऐसी शक्ति है जो समाज को बदलने में सक्षम है। यह शक्ति महिलाओं के अंदर होती है। साथ ही उन्होंने कहा कि नारी को सशक्त करने से पहले लड़कों को भी सशक्त करने की आवश्यकता है। सचिव डॉ कृष्णा गुप्ता ने कहा कि बच्चों द्वारा उत्साह से भरी प्रस्तुतियों ने सिद्ध कर दिया कि हमारे छात्र न केवल शैक्षणिक क्षेत्र में बल्कि सांस्कृतिक एवं रचनात्मक गतिविधियों में भी उतने ही कुशल हैं। कहा कि महिलाओं को विकास प्रक्रिया से जोड़ना बहुत जरूरी है और महिला स्वावलंबन प्रशिक्षण केंद्र यह कार्य कर रहा है। यहां से प्रशिक्षण लेकर कई महिलाओं ने स्वरोजगार भी स्थापित किया है।जब महिलाओं के अंदर आत्म विश्वास होगा तभी आपसी सौहार्द और प्रेम पर आधारित एक सुंदर समाज बनेगा। कार्यक्रम का समापन बाल गुरुकुलम के संचालक त्रिभुवन नाथ धन्यवाद ज्ञापन से किया।

सोलह महीने बाद मिल ही गई 103 साल के बुजुर्ग को रिहाई

गुरुद्वारे को दान की थी ज़मीन बेटों ने भिजवाया था जेल

शाहजहांपुर। 103 साल बुजुर्ग को जेल से 16 महीने बाद रिहाई मिल गई। बेटों ने षडयंत्र करके जेल भेजा था। बुजुर्ग ने अपनी पांच एकड़ जमीन गुरुद्वारे के नाम कर दी थी। जिससे उनके बुजुर्ग के बेटे नाराज हो गए थे। सहयोग संस्था के प्राधिकारियों ने पैरवी की तो बेटों ने जमानत में अड़चन लगा दी।

बुजुर्ग ने कहा. कोई भी बेटे अपने मां बाप के साथ ऐसा व्यवहार न करें। मेरे बेटों ने मेरे साथ गलत किया। भगवान ऐसे बेटे किसी को न दें। अब बुजुर्ग के रहने और खाने पीने की व्यवस्था भी सहयोग संस्था की ओर से किया जाएगा।जिल के पुवायां थाने में साल 2018 में एक थ्स् दर्ज हुई थी। जिसमे थाना बंडा क्षेत्र के बसंतपुर निवासी 103 साल के गुरमीत सिंह और उनके दो बेटे कमलजीत और हरप्रीत सिंह के आरोपी थे। यह थ्स् 452ए 307ए 323ए 324ए504ए506 में दर्ज हुई थी। इस बीच गुरमीत ने अपनी करीब पांच एकड़ जमीन गुरूद्वारे के नाम कर दी। उनके पास टोटल 10 एकड़ जमीन थी। इससे उनके दोनों बेटे नाराज हो गए। दर्ज मुकदमे को लेकर बेटों ने पिता के खिलाफ षडयंत्र रचकर उनसे मुकदमा खत्म होने की जानकारी दी। खुद तारीख पर जाते रहे।इसके बाद कोर्ट से गुरमीत के खिलाफ वारंट जारी हुआ। पुलिस ने 103 साल के बुजुर्ग को जेल भेज दिया। उसके बाद उनसे मिलने भी जेल में कोई नहीं आया। इधर करीब दो महीने पहले सहयोग संस्था के संरक्षक शाहनवाज खां जेल में कंबल बांटने गए थे। उनकी नजर बुजुर्ग बंदी पर पड़ी। तब उनको उनकी कहानी के बारे में जानकारी हुई। तब सहयोग संस्था ने बुजुर्ग को जमानत कराने से लेकर आगे जीवनयापन कराने की जिम्मेदारी उठाई थी। बुजुर्ग के वकील जीतेंद्र सिंह ने बताया. उन्होंने जब जमानत के लिए अर्जी लगाई तो बुजुर्ग के बच्चों ने कई बार अड़चनें लगाई। पहली तारीख पर जमानत हो गई थीए लेकिन बेटों के अड़चन के कारण चार महीने ज्यादा जेल में रहना पड़ा। अब आखिरकार कोर्ट से जमानत मिली और बुजुर्ग को रिहा किया गया। उन्होंने कहा कि जेल भेजने में बेटों की अहम भूमिका रही है। जेल अधीक्षक मिजाजी लाल ने कहा. जेल के अंदर बुजुर्ग बंदी की जानकारी मिलते ही उनका खास ध्यान रखा जाता था। सहयोग संस्था ने जमानत में अहम भूमिका निभाई है। एक साल चार महीने के बाद उनको जमानत मिली है। उनके बेटे नशा करते हैं और गलत लोगों के साथ उनका उठना.बैठना था सहयोग संस्था संरक्षक शाहनवाज खां के अनुसार जेल में बुजुर्ग बंदी की जानकारी होते ही संस्था की ओर से उनकी जमानत कराने की प्रकिया शुरू की गई थी। उनके बेटों ने कुछ अड़चनें लगाई थींए इसलिए जमानत में कुछ देरी हुई है। लेकिन अब उनकी आगे के जीवनयापन की जिम्मेदारी सहयोग संस्था की तरफ से उठाई जाएगी।

ममता की फर्जी हिंदुत्व वाली टिप्पणी के विरोध में भाजपा सदस्यों ने विधानसभा से बहिर्गमन किया

कोलकाता।(भाषा) पश्चिम बंगाल में विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायकों ने बुधवार को मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की फर्जी हिंदुत्व वाली टिप्पणी के विरोध में राज्य विधानसभा से बहिर्गमन किया। विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी के यह कहने के एक दिन बाद कि यदि भाजपा सत्ता में आती है तो तृणमूल कांग्रेस के मुस्लिम विधायकों को पश्चिम बंगाल विधानसभा से बाहर कर दिया जाएगा, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भाजपा पर राज्य में फर्जी हिंदुत्व लाने का आरोप लगाया। भाजपा के मुख्य सचेतक शंकर घोष के नेतृत्व में भाजपा के लगभग 25 विधायकों ने विधानसभा के मुख्य द्वार के बाहर प्रदर्शन किया और दावा किया कि काले कपड़े पहने एक बाहरी व्यक्ति - जो संभवत: पुलिस की विशेष शाखा से संबंधित है या तृणमूल कांग्रेस का गुंडा है - दीर्घा में मौजूद था।

ममता बनर्जी सरकार के कथित कुशासन और तानाशाही के खिलाफ विरोध जताने के लिए भाजपा के सभी सदस्यों ने सदन में काले कपड़े पहनकर मौजूदा सरकार पर सदन में विपक्ष की आवाज दबाने का आरोप लगाया। घोष ने कहा कि दीर्घा में मौजूद अजनबी व्यक्ति ने भी काले कपड़े पहन रखे थे और वह खुद को भाजपा सदस्य बता रहा था। उन्होंने कहा, जब उसे बाहरी व्यक्ति के रूप में पहचाना गया तो अध्यक्ष को उसके बारे में सूचित किया गया लेकिन कोई कार्वाई नहीं की गई। वह अजनबी व्यक्ति भागने में सफल हो गया। उन्होंने कहा, कौन गारंटी दे सकता है कि उसे किसी ऐसे व्यक्ति ने नहीं भेजा है जिसका हमें नुकसान पहुंचाने का कोई गुप्त मंसूबा हो? घोष ने यह भी दावा किया कि दीर्घा में मौजूद अजनबी व्यक्ति से सुरक्षा को भी खतरा हो सकता है, क्योंकि मुख्यमंत्री सदन में मौजूद थीं। विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी भी धरना स्थल पर पहुंचे और उन्होंने इसकी जांच की मांग की।

उप्र सरकार ने प्रयागराज भगदड़ में मारे गए लोगों के परिजनों को 25-25 लाख रुपये का मुआवजा दिया

बेलगावी (कर्नाटक)।(भाषा) उत्तर प्रदेश सरकार ने 28 जनवरी को देर रात प्रयागराज में महाकुंभ मेले में मची भगदड़ में मारे गए बेलगावी के चार लोगों के परिवारों को 25-25 लाख रुपए का मुआवजा जारी किया है। एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। बेलगावी के उपायुक्त मोहम्मद रोशन ने पत्रकारों को बताया कि प्रयागराज के जिला आयुक्त रवि मंजर के साथ चर्चा के बाद, मुआवजे की राशि सीधे मृतकों के परिवारों - ज्योति हट्टरवाड़, मेघा हट्टरवाड़, महादेवी बावनूर और अरुण कोपार्डे के खातों में जमा कर दी गई। उन्होंने बताया कि सत्यापन प्रक्रिया गांव के लेखाकार के माध्यम से कराई गई। उनके अनुसार, मृतकों के परिजनों ने मृत्यु रिपोर्ट में नामों में वर्तनी संबंधी त्रुटियों की ओर ध्यान दिलाया था। रोशन ने बताया कि इन गलतियों को सुधार लिया गया है और संशोधित नाम प्रयागराज जिला आयुक्त को व्हाट्सऐप और ईमेल के माध्यम से भेज दिए गए हैं।उन्होंने यह भी बताया कि प्रयागराज प्रशासन ने उन्हें आश्वासन दिया है कि अगले दो दिनों के भीतर पोस्टमार्टम रिपोर्ट और मृत्यु प्रमाण पत्र भेज दिए जाएंगे। महाकुंभ के प्रमुख स्नान दिवस मौनी अमावस्या पर संगम घाट पर मची भगदड़ में कम से कम 30 श्रद्धालुओं की मौत हो गई और 60 अन्य घायल हो गए थे।

महिला को धर्म परिवर्तन करने के लिए मजबूर करने और बलात्कार करने का आरोपी गिरफ्तार

मुजफ्फरनगर। (भाषा) मुजफ्फरनगर जिले में पुलिस ने बुधवार को नई मंडी क्षेत्र में हिंदू बनकर एक महिला को धर्म परिवर्तन करने के लिए मजबूर करने और उससे बलात्कार करने के आरोप में एक मुस्लिम व्यक्ति को गिरफ्तार किया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस क्षेत्राधिकारी (सीओ) रामाशीष यादव ने संवाददाताओं को बताया कि एक महिला की शिकायत पर माजिद नामक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। यादव के अनुसार शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया है कि माजिद ने अंश चौधरी नाम का इस्तेमाल किया तथा शादी का झांसा देकर उसका यौन उत्पीड़न किया। उन्होंने कहा, महिला ने यह भी आरोप लगाया है कि माजिद ने उस पर धर्म परिवर्तन करने का दबाव बनाया। पीड़िता ने बताया कि वह माजिद से सोशल मीडिया के जरिए मिली थी, जहां उसने खुद को अंश चौधरी के रूप में पेश किया था।

उत्तराखंड के 300 पुलिसकर्मियों ने बरेली में घरों पर छापा मारा

बरेली।(भाषा) उत्तराखंड के 300 से अधिक पुलिसकर्मियों ने अभूतपूर्व कार्रवाई करते हुए उधम सिंह नगर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश के बरेली में कथित मादक पदार्थ तस्करों के घरों पर छापेमारी की। स्थानीय पुलिस ने यह जानकारी दी।स्थानीय पुलिस अधिकारियों के अनुसार उत्तराखंड पुलिस 10 मार्च सुबह 70 वाहनों के काफिले में बरेली पहुंची। इन पुलिस अधिकारियों का कहना है कि फतेहगंज पश्चिम क्षेत्र में घरों को निशाना बनाकर की गई यह कार्वाई बरेली पुलिस को जानकारी दिए बगैर की गई। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) अनुराग आर्य ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया, हमें उत्तराखंड पुलिस द्वारा कार्रवाई के बारे में सूचित नहीं किया गया था।

उन्होंने कहा, उत्तराखंड पुलिस ने फतेहगंज पश्चिम क्षेत्र में कई घरों पर छापेमारी की और 16 व्यक्तियों को हिरासत में लिया। हालांकि, कोई मादक पदार्थ बरामद नहीं हुआ। जांच के बाद उनमें से 15 को छोड़ दिया गया, जबकि एक व्यक्ति का चालान किया गया। हालांकि कोई औपचारिक शिकायत दर्ज नहीं की गई है, लेकिन कुछ स्थानीय निवासियों ने उत्तराखंड पुलिस के खिलाफ आरोप लगाए हैं। उनका दावा है कि पुलिसकर्मियों ने घरों में तोड़फोड़ की, महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार किया।

पुलिस ने दंगा नियंत्रण को लेकर रिहर्सल किया

शाहजहांपुर। होली व रमाजान माह के मद्देनजर रिज़र्व पुलिस लाइन ग्राउंड पर पुलिसकर्मियों को अराजकतत्वों से निपटने के लिए श्एंटी रायट ड्रिलश् व दंगा नियंत्रण उपकरणों का रिहर्सल कराया गया पुलिस अधीक्षक राजेश एस की मौजूदगी में पुलिस कर्मियों ने अराजक तत्वों से निपटने के लिए अश्रु गैसए स्टन ग्रेनेडए रबड बुलेटए मिर्ची बमए एण्टीराइट गन आदि चलवाकर बलवा ड्रिल का अभ्यास किया। अधिकारियों ने दंगा नियंत्रण उपकरणों के बारे में जानकारी देते हुए बलवा ड्रिल का डिमॉस्ट्रेशन कराया शस्त्र प्रयोग के समय बरती जाने वाली सावधानियों के बारे में भी जानकारी दी गई कराया गया दंगा नियत्रंण के लिए अमल में लाये जाने वाले सभी विधिक प्रावधानों एवं टैक्टिक्स का सिल सिलेवार अभ्यास और सावधानियों के बारे में जानकारी दी गई पुलिस अधीक्षक ने विभिन्न शस्त्रों एवं दंगा नियंत्रण उपकरणों के संचालन का परीक्षण के दौरान कहा कि ड्यूटी के दौरान सदैव मानसिक एवं शारीरिक रूप से तत्पर रहें एवं दंगा नियत्रंण के समस्त उपकरण सक्रिय दशा में सदैव अपने साथ रखे जिससे कि किसी भी आकस्मिक परिस्थिति से निपटा जा सके। भीड़ के आकस्मिक एकत्रित होने अथवा किसी घटना विशेष के होने से उत्पन्न हुए रोष से लोगों के अवैधानिक रूप से एकत्रित होने तथा बलवा करने से उत्पन्न हुई स्थिति को नियन्त्रित करने तथा बलवाईयों को तितर.बितर करने के लिए एन्टी रायट ड्रिल का प्रयोग करेए जिससे कानून व्यवस्था की स्थिति सामान्य बनी रहे। सभी अधिकारी एवं कर्मचारी ड्यूटी के दौरान दंगा निरोधी उपकरणों से लैस होकर रहेगें ताकि यदि कोई असामाजिक तत्व सौहार्द एवं शान्ति व्यवस्था को प्रभावित करने का प्रयास करता है तो पुलिस की तैयारी के मद्देनजर उसका प्रयास विफल हो और स्थिति सामान्य रहे। अभ्यास के दौरान अपर पुलिस अधीक्षक नगरए क्षेत्राधिकारी नगर व क्षेत्राधिकारी लाइनए प्रतिसार निरीक्षक व पुलिस के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहें।

रेलगाँव परिसर में लगाए पौधे

प्रयागराज। उत्तर मध्य रेलवे मुख्यालय प्रयागराज में बुधवार को होली एवं राष्ट्रीय फूल लगाओ दिवस के अवसर पर पर्यावरण एवं गृह व्यवस्था अनुभाग की तरफ से पौधारोपण किया गया। रेलगाँव में स्थित शिव मंदिर के समीप पार्क में बुधवार को कई प्रजाति के पौधे लगाए गए। जिसमें मुख्य रूप से आँवला आम्रपाली आम कटहल रातरानी इत्यादि शामिल थे। पौधारोपण कार्यक्रम में स्काउट एवं पर्यावरण एवं गृह व्यवस्था के कर्मचारी शामिल हुए। सभी की तरफ से पौधारोपण किया गया। इसके बाद सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग को कम करने हेतु कपड़े के थैलों का वितरण किया गया। पौधारोपण हेतु गड्ढों के निर्माण हेतु पेट्रोल चालित हैंड ड्रिल मशीन का उपयोग किया गया। कार्यक्रम के अंत में सभी से ईको फ्रेंडली होली खेलने के लिए अपील की गई। जिसमें होलिका को जलाने के लिए पेड़ों को न काटें ध्वनि प्रदूषण कम करें पानी की बचत करें। ईको फ्रेंडली रंगों का प्रयोग करें आदि शामिल हैं।

पेज 1 का शेष

एयरटेल...

इस समझौते के माध्यम से, दोनों पक्ष डेटा ट्रैफिक के मामले में दुनिया के सबसे बड़े मोबाइल ऑपरेटर के रूप में जियो की स्थिति और भारत के सबसे ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों सहित पूरे देश में विश्वसनीय ब्रॉडबैंड सेवाएँ देने के लिए दुनिया के अग्रणी लो अर्थ ऑर्बिट सैटेलाइट कॉन्स्टेलेशन ऑपरेटर के रूप में स्टारलिंक की स्थिति का लाभ उठाएँगे। यह समझौता स्पेसएक्स को भारत में स्टारलिंक की उपग्रह संचार-आधारित सेवाओं को बेचने के लिए मंजूरी हासिल करने के अधीन है। इससे एक दिन पहले ही जियो की प्रतिद्वंद्वी भारती एयरटेल ने स्पेसएक्स के साथ इसी तरह के समझौते पर हस्ताक्षर किया है।

दिल्ली...

होता है, जब आर्द्रता अपने चरम पर होती है और प्रदूषण सबसे गंभीर होता है। उन्होंने लिखा, आर्द्र सर्दियों की सुबह के व्यस्त घंटों के दौरान औसतन पीएम1सांद्रता का कम आंकलन 20 प्रतिशत (या 50 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर) तक हो सकता है। इसके विपरीत, मानसून के मौसम के दौरान प्रदूषण के अनुमान नगण्य पूर्वाग्रह दिखाते हैं, क्योंकि भारी बारिश से प्रदूषक कण बह जाते हैं, टीम ने कहा। बायोमास जलाने और आवासीय स्त्रोतों से उत्सर्जन को नियंत्रित करना - जिसमें अत्यधिक हाइग्रोस्कोपिक क्लोरीन कण होते हैं - प्रभावी रूप से वायु गुणवत्ता में सुधार कर सकता है और इस पूर्वाग्रह को कम कर सकता है, जिससे वायु गुणवत्ता को समझने में सुधार करने में मदद मिल सकती है, अध्ययन ने सुझाव दिया। चेन ने कहा, यह अध्ययन नई दिल्ली में वायु प्रदूषण की वास्तविक सीमा को उजागर करता है और अधिक सटीक भविष्य के आकलन के लिए एक रूपरेखा प्रदान करता है जो सार्वजनिक स्वास्थ्य रणनीतियों और शमन प्रयासों को बेहतर ढंग से सूचित करता है। टीम ने यह भी पाया कि 8.5 प्रतिशत से अधिक का दूसरा सबसे बड़ा कम अनुमान वसंत की सुबह (फरवरी से मार्च) के व्यस्त समय के दौरान होता है, जब औसत सापेक्ष आर्द्रता 80 प्रतिशत होती है। हालांकि, मानसून के सबसे गीले महीनों (जुलाई से सितंबर) और गर्मियों के सबसे शुष्क महीनों (अप्रैल से जून) के दौरान नगण्य पूर्वाग्रह और इसलिए कम अनुमान पाया गया।

राबड़ी देवी ...

राबड़ी देवी ने आरोप लगाया, 'नीतीश कुमार भांग के नशे में विधानसभा में आते हैं। वह महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार करते हैं। आज उन्होंने दूसरी बार मेरा अपमान किया है। वह ऐसे बोलते हैं जैसे वह खुद 2005 में पैदा हुए हों, ठीक वैसे ही जैसे उनके सहयोगी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दिखावा करते हैं जैसे वह 2014 में इस दुनिया में आए हों। दोनों नेताओं को हमें बताना चाहिए कि अतीत में महिलाओं के कपड़े न पहनने का क्या मतलब है?' पूर्व मुख्यमंत्री ने पूछा 'मुख्यमंत्री भाजपा की गोद में बैठे हैं, जिसके गुप्तचर उनके विश्वासपात्र के रूप में काम कर रहे हैं। हमने सदन से वॉकआउट किया है और जब तक नीतीश कुमार महिलाओं का अपमान करना बंद नहीं करते, हम सदन का बहिष्कार करेंगे।' उनके साथ विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव भी शामिल हुए, जो अपनी मां और अन्य लोगों के साथ एकजुटता व्यक्त करने आए थे, जो खुद को गलत महसूस कर रहे थे। यादव ने दावा किया कि उन्हें अपने पूर्व बॉस पर 'दया' आती है, जो सार्वजनिक रूप से अपने व्यवहार के मामले में 'साफ तौर पर सामान्य नहीं' थे। यादव ने कहा, 'नीतीश जी मेरी मां के माथे पर लगी 'बिंदी' की ओर इशारा करते हैं। मैंने उन्हें अपनी महिला मंत्रियों और विधायकों की ओर भी इसी तरह इशारा करते देखा है। महिलाओं की मौजूदगी में उनका नियंत्रण खत्म हो जाता है। उन्हें इस्तीफा दे देना चाहिए और शायद एक आश्रम खोल लेना चाहिए और अपना समय प्रवचन देने में बिताना चाहिए।' युवा नेता ने कुमार द्वारा प्रधानमंत्री और स्थानीय भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद जैसे नेताओं के 'पैरों में गिरने' और 'अपने मंत्रिमंडल में मंत्रियों को सचमुच सिर टकराने पर मजबूर करने' की घटनाओं को भी याद किया। यादव ने यह भी दावा किया कि जेडी(यू) सुप्रीमो लालू प्रसाद के सामने टिक नहीं सकते, जो '1977 में संसद के लिए चुने गए थे, जब जनता पार्टी के पक्ष में लहर के बावजूद नीतीश जी विधानसभा चुनाव हार गए थे।' यादव ने आरोप लगाया, 'नीतीश जी में हिम्मत नहीं है। वे भाजपा विधायक हरि भूषण ठाकुर बचौल के खिलाफ नहीं बोल सकते, जो मुसलमानों से होली पर घर के अंदर रहने के लिए कह रहे हैं। वे अक्सर गठबंधन बदलते रहते हैं, लेकिन वे ऐसा उस पार्टी से लोगों को निकालकर नहीं करते, जिससे वे संबंध तोड़ते हैं, बल्कि खुद इस्तीफा देकर और फिर समर्थन की भीख मांगकर करते हैं।'

कांग्रेस फिर सत्ता में आएगी, मैं और पांच वर्ष मुख्यमंत्री रहूंगा: सिद्धरमैया

बेंगलुरु,। (भाषा) कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने बुधवार को कहा कि कांग्रेस फिर से सत्ता में आएगी तथा वह और अगले पांच साल तक मुख्यमंत्री पद पर बने रहेंगे। सिद्धरमैया विधानसभा में विपक्षी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सदस्यों को जवाब दे रहे थे, जो यह आरोप लगाते हुए विधानसभाध्यक्ष के आसन के सामने आ गए थे कि सरकार ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं को गारंटी समिति का अध्यक्ष और सदस्य नियुक्त किया है, जो विधायकों और विधान पार्षदों के प्रति अनादर है। विपक्ष के नेता आर अशोक ने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार गलत मिसाल कायम कर रही है और अगली सरकार के लिए यह और भी चुनौतीपूर्ण होगा। मुख्यमंत्री ने उनकी दलील तत्काल खारिज कर दी। मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने कहा, हम नहीं जाएंगे। हम फिर से जीतेंगे। आप (चुनाव) नहीं जीत सकते। इसमें तो कुछ कहने की बात ही नहीं है। सिद्धरमैया ने विपक्ष को याद दिलाया कि वे हाल ही में चन्नपटना, शिगगांव और संदूर में विधानसभा उपचुनाव हार गए थे।उन्होंने चुटकी लेते हुए कहा, आप लोगों ने विधानसभा चुनाव से पहले हमें चुनौती दी थी कि क्या हममें हिम्मत और ताकत है? आपने अपनी चुनौती का हश्र देखा। हम फिर से सत्ता में लौटेंगे और मैं वहां (अगले मुख्यमंत्री के रूप में) रहूंगा। मुख्यमंत्री सिद्धरमैया का यह जवाब उनके और राज्य के उप मुख्यमंत्री डी के शिवकुमार के बीच सत्ता को लेकर खींचतान के बीच आया है।विपक्ष गारंटी क्रियान्वयन समितियों के अध्यक्ष और सदस्यों के रूप में कांग्रेस कार्यकर्ताओं की नियुक्ति से नाराज है और उसका कहना है कि इन समिति सदस्यों की जिला प्रशासन में विधायकों और एमएलसी से भी अधिक पकड़ है। पांच गारंटी योजनाएं हैं - गृह ज्योति जिसके तहत प्रत्एक परिवार को 200 यूनिट मुफ्त बिजली दी जाएगी, गृह लक्ष्मी योजना जिसके तहत प्रत्एक परिवार की महिला मुखिया को 2,000 रुपए दिए जाएंगे तथा अन्न भाग्य जिसके तहत बीपीएल परिवार के प्रत्एक सदस्य को प्रति माह 10 किलोग्राम चावल दिया जाएगा।

सभाजीत आरएमपी सिंह विश्वविद्यालय अलीगढ़ के अधिवक्ता नियुक्त

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट के अधिवक्ता सभाजीत सिंह राजा महेन्द्र प्रताप सिंह विश्वविद्यालय अलीगढ़ का अधिवक्ता नियुक्त किए गए हैं। इन्हें कुलाधिपति के आदेशों के विरुद्ध हाईकोर्ट में योजित मुकदमों की पैरवी के लिए अधिकृत किया गया है। इस आशय का आदेश विश्वविद्यालय के कुलसचिव वी के सिंह ने जारी किया है। सभाजीत सिंह हाईकोर्ट में भारत सरकार के भी अधिवक्ता हैं।

भाजपा विधायक धस और मंत्री पंकजा मुंडे ने एक दूसरे के खिलाफ खोला मोर्चा

मुंबई। महाराष्ट्र के बीड जिले के दो भाजपा नेताओं - विधायक सुरेश धस और भाजपा एमएलसी पंकजा मुंडे - ने सरपंच संतोष देशमुख की हत्या से संबंधित घटनाक्रम को लेकर एक-दूसरे पर आरोप लगाया और घोषणा की कि वे पार्टी नेतृत्व के समक्ष शिकायतें करेंगे। देशमुख की हत्या का जिक्र करते हुए बीड जिले के अष्टि निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा विधायक सुरेश धस ने कहा कि पर्यावरण मंत्री पंकजा मुंडे शोकाकुल परिवार से मिलने नही गईं। पंकजा के चचेरे भाई धनंजय मुंडे ने हाल मे राज्य मंत्रिमंडल से इस्तीफा दे दिया था क्योंकि उनके एक करीबी सहयोगी को सरपंच की हत्या का मुख्य आरोपी बताया गया है। बीड जिले से ताल्लुक रखने वाली भाजपा एमएलसी पंकजा मुंडे ने कहा कि उन्होंने ही सबसे पहले मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से हत्याकांड की जांच करने के लिए एसआईटी गठित करने का आग्रह किया था। पंकजा ने संवाददाताओं से कहा, मै देशमुख के परिजनों को सांत्वना देने के लिए निकली थी, लेकिन रास्ते मे मेरे कार्यकर्ताओं द्वारा सूचित किया गया कि परिवार ने अनुरोध किया है कि किसी भी अप्रिय घटना से बचने के लिए मै वहां का दौरा नही करूं। धस ने पंकजा मुंडे पर नवंबर मे विधानसभा चुनाव के दौरान अपने निर्वाचन क्षेत्र में भाजपा के लिए काम नही करने का भी आरोप लगाया।

अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर दोहरी राहत

औद्योगिक उत्पाद पांच प्रतिशत बढ़ा, महंगाई चार प्रतिशत के नीचे

भाषा। नई दिल्ली

देश की अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर बुधवार को दोहरी राहत मिली। एक तरफ खाने के सामान के दाम में नरमी से खुदरा महंगाई फरवरी में भारतीय रिजर्व बैंक के संतोषजनक स्तर चार प्रतिशत से नीचे 3.61 प्रतिशत पर आ गई। वहीं दूसरी तरफ, विनिर्माण क्षेत्र के बेहतर प्रदर्शन से औद्योगिक उत्पादन सूचकांक जनवरी में बढ़कर पांच प्रतिशत पर पहुंच गई।

मुद्रास्फीति में तेज गिरावट से इस बात की संभावना बढ़ी है कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) नौ अप्रैल को द्विमासिक मौद्रिक नीति समीक्षा में नीतिगत दर में एक और कटौती कर सकता है। अगर आरबीआई अगले महीने प्रमुख ब्याज दर में कटौती करता है, तो यह दो महीने के भीतर दूसरी ब्याज दर कटौती होगी। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, मुख्य रूप से सब्जियों, अंडों और अन्य प्रोटीन युक्त वस्तुओं की कीमतों में कमी के कारण उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित खुदरा मुद्रास्फीति फरवरी में सात महीने के निचले स्तर 3.61 प्रतिशत पर आ गई। खुदरा मुद्रास्फीति जनवरी माह में 4.26 प्रतिशत और फरवरी, 2024 में 5.09 प्रतिशत रही थी।उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित महंगाई दर नवंबर, 2024 से ही रिजर्व बैंक के संतोषजनक दायरे में बनी हुई है। आरबीआई को दो प्रतिशत घट-बढ़ के साथ खुदरा महंगाई को चार प्रतिशत पर रखने की जिम्मेदारी मिली हुई है। केंद्रीय बैंक ने महंगाई के मोर्चे पर राहत मिलने से पिछले महीने रेपो दर में 0.25 प्रतिशत की कटौती की थी। खुदरा मुद्रास्फीति और खाद्य मुद्रास्फीति में उल्लेखनीय गिरावट मुख्य रूप से सब्जियों, अंडे, मांस और मछली, दाल और उत्पादों, और दूध और दूध उत्पादों की मुद्रास्फीति में गिरावट के कारण हुई है। फरवरी में सालाना आधार पर जिन वस्तुओं के दाम में प्रमुख रूप से कमी आई, उनमें अदरक (-35.81 प्रतिशत), जीरा (-28.77 प्रतिशत), टमाटर (-28.51 प्रतिशत), फूलगोभी (-21.19 प्रतिशत), लहसुन (-20.32 प्रतिशत) थीं। दूसरी तरफ, जिन वस्तुओं के दाम सबसे ज्यादा बढ़े, उनमें नारियल तेल (54.48 प्रतिशत), नारियल (41.61 प्रतिशत), सोना (35.56 प्रतिशत), चांदी (30.89 प्रतिशत) और प्याज (30.42 प्रतिशत) शामिल हैं। इसके साथ, देश में औद्योगिक उत्पादन में तेजी आई है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय के आंकड़ों के अनुसार विनिर्माण क्षेत्र के अच्छे प्रदर्शन से औद्योगिक उत्पादन में इस साल जनवरी में पांच प्रतिशत की वृद्धि हुई।औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) के संदर्भ में मापा जाने वाला औद्योगिक उत्पादन जनवरी, 2024 में 4.2 प्रतिशत बढ़ा था। सरकार ने दिसंबर, 2024 में 3.2 प्रतिशत वृद्धि के अस्थाई अनुमान को संशोधित कर 3.5 प्रतिशत कर दिया गया है। चालू वित्त वर्ष के पहले 10 माह (अप्रैल-जनवरी) के दौरान आईआईपी की वृद्धि दर कम होकर 4.2 प्रतिशत रही, जो कि एक वर्ष पूर्व इसी अवधि में छह प्रतिशत थी। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, जनवरी, 2025 में विनिर्माण क्षेत्र का उत्पादन 5.5 प्रतिशत बढ़ा, जो एक साल पहले इसी महीने में 3.6 प्रतिशत रहा था। खनन उत्पादन में वृद्धि घटकर 4.4 प्रतिशत रही जो एक साल पहले इसी महीने में छह प्रतिशत थी। बिजली उत्पादन में वृद्धि जनवरी, 2025 में सुस्त होकर 2.4 प्रतिशत रही, जो एक साल पहले इसी महीने में 5.6 प्रतिशत थी। रेटिंग एजेंसी इक्रा की मुख्य अर्थशास्त्री अदिति नायर ने कहा कि खाद्य वस्तुओं के दाम में नरमी से खुदरा मुद्रास्फीति में उम्मीद से अधिक गिरावट आई है और यह सात महीने के निचले स्तर पर पहुंच गई है। यह एमपीसी (मौद्रिक नीति समिति) की मध्यम-अवधि लक्ष्य सीमा के मध्य बिंदु (चार प्रतिशत) से काफी कम है। नायर ने कहा कि फरवरी में मुद्रास्फीति के आंकड़े चार प्रतिशत के नीचे आने से एमपीसी की अगली बैठक में लगातार दूसरी बार 0.25 प्रतिशत की दर कटौती की उम्मीद बढ़ी है। इसके बाद जून या अगस्त की समीक्षा बैठकों में 0.25 प्रतिशत की एक और कटौती हो सकती है। औद्योगिक उत्पाद सूचकांक पर एमपी फाइनेंशियल एडवाइजरी सर्विसेज एलएलपी के संस्थापक और प्रबंध साझेदार महेंद्र पाटिल ने कहा कि आंकड़े खासकर विनिर्माण और खनन में औद्योगिक गतिविधियों के मजबूत होने का संकेत देते हैं। उन्होंने कहा यह वृद्धि, फरवरी 2025 में खुदरा मुद्रास्फीति के 3.61 प्रतिशत पर कम होने के साथ मिलकर अर्थव्यवस्था के लिए सकारात्मक गति का संकेत देती है। इस बीच, बीएसई सेंसेक्स बुधवार को 72.56 अंक यानी 0.10 प्रतिशत की गिरावट के साथ 74,029.76 अंक पर बंद हुआ। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 27.40 अंक यानी 0.12 प्रतिशत फिसलकर 22,470.50 अंक पर बंद हुआ।

कुमांऊ के दूरस्थ क्षेत्रों के 125 गांवों के लोग कुलदेवता के डर से नहीं मनाते हैं होली

पिथौरागढ़।(भाषा) उत्तराखंड के कुमांउ क्षेत्र के अधिकतर भागों में जहां देश के अन्य हिस्सों की भांति आजकल होली की धूम मची हुई है, वहीं इसके अंदरूनी उत्तरी हिस्से में 125 से अधिक गांवों में लोग अपने कुलदेवताओं के प्रकोप के डर से रंगों के इस त्योहार की मस्ती से दूर रहते हैं।मुनस्यारी कस्बे के निवासी पुराणिक पांडेय ने बताया, पिथौरागढ़ जिले के तल्ला डारमा, तल्ला जोहार क्षेत्र और बागेश्वर जिले के मल्ला दानपुर क्षेत्रों के 125 से अधिक गांवों के लोग होली का त्योहार नहीं मनाते हैं क्योंकि उनके कुलदेवता रंगों से खेलने पर नाराज हो जाते हैं। होली एक सनातनी हिंदू त्योहार है जो माघ माह के पहले रविवार से शुरू होकर चैत्र माह के कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा तक चलता है। पूर्वी कुमांउ क्षेत्र के सांस्कृतिक इतिहासकार पदम दत्त पंत ने बताया, इस हिंदू सनातनी त्योहार को कुमांउ क्षेत्र में 14 वीं शताब्दी में चंपावत के चांद वंश के राजा लेकर आए थे। राजाओं ने इसकी शुरूआत ब्राह्मण पुजारियों के माध्यम से की इसलिए जहां-जहां उन पुजारियों का प्रभाव पड़ा, वहां इस त्योहार का प्रसार हो गया। जिन क्षेत्रों में होली नहीं मनाई जाती है, ए वे क्षेत्र हैं जहां सनातन परंपराएं पूरी तरह से नहीं पहुंच पाईं। बागेश्वर के सामा क्षेत्र के एक निवासी दान सिंह कोरंगा ने कहा, सामा क्षेत्र के एक दर्जन से अधिक गांवों में ऐसी मान्यता है कि अगर ग्रामीण रंगों से खेलते हैं तो उनके कुलदेवता उन्हें प्राकृतिक आपदाओं के रूप में दंड देते हैं। न केवल कुमांउ क्षेत्र के दूरस्थ गांवों बल्कि गढ़वाल क्षेत्र में रुद्रप्रयाग जिले के तीन गांवों--क्वीली, खुरझांग और एक अन्य गांव के निवासियों ने भी अपनी कुलदेवी त्रिपुरा सुंदरी द्वारा प्राकृतिक आपदा के रूप में इन गांवों पर कहर बरपाए जाने के बाद पिछले डेढ़ सौ साल से होली नहीं खेली है। पंत ने बताया, न केवल उत्तराखंड के कई इलाकों में बल्कि गुजरात के बनासकांठा और झारखंड के दुर्गापुर क्षेत्रों के कई आदिवासी गांवों में भी कुलदेवताओं के श्राप या उनके क्रोध के डर से होली नहीं मनाई जाती है। पिथौरागढ़ जिले के तल्ला जोहरा क्षेत्र के मदकोटी के पत्रकार जीवन वर्ती ने कहा कि चिपला केदार देवता में आस्था रखने वाले उनके क्षेत्र के कई गांवों में भी होली नहीं खेली जाती। उन्होंने बताया कि (माना जाता है कि) चिपला केदार न केवल रंगों से बल्कि होली के रोमांटिक गीतों से भी नाराज हो जाते हैं। वर्ती ने कहा, 3700 मीटर उंची पहाड़ी पर स्थित चिपला केदार के श्रद्धालुओं को देवता की पूजा और यात्रा के दौरान तक रंगीन कपड़े पहने की अनुमति नहीं है। पूजा के दौरान पुजारियों समेत सभी श्रद्धालु केवल सफेद कपड़े पहनते हैं। उन्होंने बताया कि कुलदेवताओं के क्रोध को देखते हुए इन इलाकों में होली अब भी प्रतिबंधित है लेकिन दीवाली और दशहरा जैसे हिंदू सनातनी त्योहारों को इन दूरस्थ क्षेत्रों में स्थान मिलना शुरू हो गया है। वर्ती ने बताया कि इन गांवों में रामलीला का मंचन होने लगा है और दीवाली भी मनाई जाने लगी है।

दलित परिवारों ने शिव मंदिर में किया प्रवेश, 300 वर्षों से जारी जाति आधारित भेदभाव का अंत

कोलकाता, कटवा (पूर्व बर्धमान)।(भाषा) पश्चिम बंगाल के एक ग्रामीण इलाके में 130 दलित परिवारों के प्रतिनिधियों ने लगभग तीन शताब्दियों से जारी जाति-आधारित भेदभाव की बेड़ियों को तोड़ते हुए बुधवार को पहली बार पूर्व बर्धमान जिले के गिधेश्वर शिव मंदिर के अंदर कदम रखा। इसकी पुष्टि अधिकारियों ने की। जिले के कटवा उपखंड के गिधग्राम गांव के दासपारा क्षेत्र से दास परिवार के पांच सदस्यों का एक समूह पूर्वाह्न करीब 10 बजे मंदिर की सीढ़ियां चढ़ा, शिवलिंग पर दूध चढ़ाया और जलाभिषेक किया तथा बिना किसी बाधा के महादेव की पूजा की। इस समूह में चार महिलाएं और एक पुरुष शामिल था। इस दौरान कानून-व्यवस्था की किसी भी समस्या को रोकने के लिए मंदिर के आसपास स्थानीय प्रशासनिक अधिकारियों और स्थानीय थाने के कर्मियों को तैनात किया गया था। पीटीआई-भाषा ने शनिवार को खबर दी थी कि कैसे दलित परिवार, जिनके उपनाम दास है, वे गिद्धेश्वर शिव मंदिर में पूजा करने के लिए बहुसंख्यक ग्रामीणों के खिलाफ लड़ाई लड़ रहे हैं। ऐसा माना जाता है कि इस मंदिर का निर्माण लगभग 300 साल पहले हुआ था। इस संबंध में पीटीआई-भाषा ने बताया था कि जिन परिवारों ने 26 फरवरी को महाशिवरात्रि के त्योहार के दौरान परंपरा को तोड़कर मंदिर में पूजा करने की योजना बनाई थी, उन्हें न केवल इस आधार पर मंदिर परिसर से भगा दिया गया कि वे निम्न जाति से है, बल्कि मंदिर में पूजा करने की अपनी योजना को पूरा करने के लिए स्थानीय प्रशासन और पुलिस की मदद लेने के बाद उन्हें ग्रामीणों के एक बड़े वर्ग से आर्थिक अलगाव का भी सामना करना पड़ा। दिन की घटना से खुश और राहत महसूस कर रहे परिवारों ने प्रशासन और पुलिस को उनके सक्रिय हस्तक्षेप एवं सहयोग के लिए धन्यवाद दिया, लेकिन इस बारे में अनिश्चितता व्यक्त की कि क्या कट्टरता को समाप्त करने का प्रयास लंबे समय तक चलेगा। संतोष दास नामक एक ग्रामीण ने कहा, हम मंदिर मे पूजा करने का अधिकार मिलने से बहुत खुश हैं। मैंने भगवान से सभी के कल्याण के लिए प्रार्थना की। उन्हें पहले मंदिर की सीढ़ियों पर पैर रखने से रोक दिया गया था। वही, एक अन्य ग्रामीण एक्कोरी दास ने कहा, हमें स्थानीय पुलिस और प्रशासन से जबरदस्त समर्थन मिला, जिन पर हमने भरोसा जताया था। उन्होंने कहा, प्रशासनिक दबाव में गांव के मुखिया इस व्यवस्था के लिए सहमत हो गए है। हमें देखना होगा कि पुलिस की तैनाती हटने के बाद भी मंदिर के दरवाजे हमारे लिए खुले रहते है या नही। ग्रामीणो ने पुष्टि की कि दास परिवारों से दूध की खरीद पर रोक बुधवार सुबह तक जारी रही, जिसे गांव से आर्थिक बहिष्कार के साधन के रूप में कुछ दिन पहले लागू किया गया था। एक्कोरी ने कहा, पुलिस ने दूध खरीद केंद्रों को हमारे पालतू मवेशियों का दूध इकट्ठा करना शुरू करने का निर्देश दिया है। अगर आज शाम तक संग्रह फिर से शुरू नही होता है, तो हमें अधिकारियों को जानकारी देनी होगी।

राज्यसभा में जद (यू) के संजय झा ने लालू प्रसाद पर कसा तंज, राजद ने जताई आपत्ति

नई दिल्ली। (भाषा) राज्यसभा मे बुधवार को जनता दल (यूनाइटेड) के संजय कुमार झा ने रेलवे में बदलाव को लेकर हार्वर्ड विश्वविद्यालय में व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किए जाने की एक पुरानी घटना का उल्लेख करते हुए पूर्व केंद्रीय मंत्री लालू प्रसाद पर तंज कसा और कहा कि आज वह भ्रष्टाचार के एक मामले में जमानत पर है।संजय झा की इस टिप्पणी पर राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के सदस्यों ने कड़ी आपत्ति जताई और इसे लेकर सदन में कुछ देर शोरगुल भी हुआ।रेल मंत्रालय के कामकाज पर राज्यसभा मे हुई चर्चा मे भाग लेते हुए जद (यू) सदस्य ने पार्टी प्रमुख और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की उपलब्धियों को रेखांकित किया, जब वह रेल मंत्री थे।उन्होंने कहा कि जब भी दो-चार सम्मानित रेल मंत्रियों का जिक्र होगा तो उसमें नीतीश कुमार का नाम अवश्य आएगा।उन्होने कहा कि उस समय नीतीश कुमार ने रेलवे लाइनो की सुरक्षा को लेकर ठोस कदम उठाए और उन्हें मजबूत बनाया। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार के तहत बिहार के लिए रेल बजट आवंटन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, राज्य को 2025-26 के बजट में 10,000 करोड़ रुपए से अधिक मिले है।जद (यू) और राजद बिहार की राजनीति मे कट्टर प्रतिद्वंद्वी रहे है, भले ही उन्होंने महागठबंधन के हिस्से के रूप में राज्य में सत्ता साझा की है। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री और राजद प्रमुख का नाम लिए बिना झा ने कहा कि एक पूर्व रेल मंत्री को हार्वर्ड विश्वविद्यालय ने एक कार्यक्रम के लिए बुलाया था।उन्होंने कहा, जो एक बड़ा प्रश्न चिह्न था। उन्होंने कहा कि हार्वर्ड यूनिवर्सिटी मे ऐसे आदमी को बुलाया गया, जिन पर भ्रष्टाचार के मामले में अभी मुकदमा चल रहा है और वह जमानत पर है।राजद के मनोज कुमार झा ने व्यवस्था का प्रश्न उठाते हुए झा की टिप्पणी पर कड़ी आपत्ति जताई और मांग की कि उन्हे कार्यवाही से निकाल दिया जाना चाहिए।उस समय आसन पर कांग्रेस के राजीव शुक्ला पीठासीन थे। उन्होंने कहा कि इस टिप्पणी की जांच की जाएगी और फिर आवश्यक कार्वाई की जाएगी। हालांकि इससे पहले, शुक्ला ने कहा कि जो व्यक्ति सदन में मौजूद नही है, उनका नाम नही लिया जा सकता है।

रक्षा मंत्रालय ने बीईएल के साथ 2,906 करोड़ के अनुबंध पर हस्ताक्षर किए

नई दिल्ली। रक्षा मंत्रालय ने भारतीय वायुसेना के लिए परिवहन योग्य रडार (अश्विनी) की खरीद के लिए सरकारी कंपनी भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) के साथ 2,906 करोड़ रुपए के अनुबंध पर बुधवार को हस्ताक्षर किए। इस रडार को रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) के इलेक्ट्रॉनिक्स और रडार विकास प्रतिष्ठान द्वारा स्वदेशी रूप से डिजाइन और विकसित किया गया है। यह रडार उच्च गति वाले लड़ाकू विमानों से लेकर मानवरहित विमानों (ड्रोन) और हेलीकॉप्टरों जैसे धीमी गति से चलने वाले लक्ष्यों पर नजर रखने में सक्षम है। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि रडार की प्राप्ति से भारतीय वायुसेना की परिचालन तैयारियों में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। मंत्रालय की ओर से जारी एक आधिकारिक बयान में कहा गया, स्वदेशी रक्षा क्षमताओं को मजबूत करने के सरकारी प्रयासों के तहत, रक्षा मंत्रालय ने 2,906 करोड़ रुपए की लागत से लो-लेवल ट्रांसपोर्टेबल रडार-एलएलटीआर (अश्विनी) की खरीद के लिए बीईएल के साथ अनुबंध पर हस्ताक्षर किए है।

ममता ने शुभेंदु की टिप्पणी की निंदा की, भाजपा पर फर्जी हिंदुत्व का आरोप लगाया

कोलकाता। (भाषा) पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी पर मुस्लिम विधायकों के संबंध में उनकी विवादास्पद टिप्पणी को लेकर बुधवार को निशाना साधा और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर राज्य में फर्जी हिंदुत्व लाने का आरोप लगाया।

उन्होंने अल्पसंख्यकों के साथ भाजपा के व्यवहार को लेकर भी चिंता व्यक्त की और लोकतांत्रिक मूल्यों को कमजोर करने के लिए विपक्षी पार्टी की आलोचना की।

बनर्जी की यह टिप्पणी अधिकारी के उस बयान के जवाब में आई जिसमें उन्होंने कहा था कि यदि भाजपा सत्ता में आती है तो तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के मुस्लिम विधायकों को विधानसभा से बाहर कर दिया जाएगा। विधानसभा में इस मुद्दे पर बनर्जी ने कहा, आपके आयातित हिंदू धर्म को हमारे प्राचीन वेदों या हमारे संतों का समर्थन नहीं है। आप नागरिक के तौर पर मुस्लिमों के अधिकार को कैसे नकार सकते हैं? यह फर्जीवाड़ा नहीं तो और क्या है? आप फर्जी हिंदुत्व लेकर आए हैं।

बनर्जी ने कहा, मुझे हिंदू धर्म की रक्षा करने का अधिकार है लेकिन यह आपके तरीके से नहीं होगा। कृपया हिंदू कार्ड नहीं खेलें।

मुख्यमंत्री ने अधिकारी के उस बयान पर भी सवाल उठाया जिसमें उन्होंने कहा था कि हिंदू आबादी तृणमूल कांग्रेस को सत्ता से बाहर कर देगी। उन्होंने कहा, आपके नेता यह कैसे कह सकते हैं कि जब मुसलमान जीतेंगे तो आप लोग उन्हें विधानसभा से बाहर कर देंगे? वे 33 प्रतिशत आबादी को कैसे खारिज कर सकते हैं? बनर्जी ने मौलाना अबुल कलाम आजाद जैसे नेताओं की विरासत का हवाला देते हुए देश की नीतियों का सम्मान करने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा, यह एक ऐसा देश है जिसकी अपनी नीतियां हैं और मैं इसके खिलाफ नहीं बोलती। राज्य की धार्मिक विविधता पर प्रकाश डालते हुए बनर्जी ने कहा, राज्य में हमारे 23 प्रतिशत आदिवासी भाई-बहन हैं, साथ ही मुस्लिमों समेत अन्य समुदाय भी हैं। हम सभी धर्मों की रक्षा और शांति को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने धर्म के आधार पर लोगों के बीच विभाजन पैदा करने के किसी भी प्रयास की निंदा करते हुए कहा, धर्म के नाम पर छल-कपट न करें। मैं उन लोगों की निंदा करती हूं जो धर्म के आधार पर लोगों को बांटते हैं। वे हिंदू और मुस्लिम की बात करते हैं लेकिन मानवता के सच्चे संदेश को नजरअंदाज करते हैं। बनर्जी ने इस मौके पर यह भी स्पष्ट किया कि तृणमूल कांग्रेस ने फरहाद हाकिम, हुमायूं कबीर और मदन मित्रा समेत पार्टी के कुछ सदस्यों को ऐसी टिप्पणियां नहीं करने की सलाह दी है, जिन्हें अनुचित माना जा सकता है।

उन्होंने जोर देकर कहा, यह हमारी पार्टी का आंतरिक मामला है। अन्य राज्यों में शासन के संबंध में बनर्जी ने मणिपुर में भाजपा के शासन पर चिंता जताई। उन्होंने सवाल किया, आप मणिपुर जैसे राज्य को नहीं संभाल सकते, तो बंगाल को कैसे संभालेंगे? भाजपा को कड़ा संदेश देते हुए बनर्जी ने धार्मिक असहिष्णुता के खिलाफ अपना रुख दोहराया और कहा, हम इस सांप्रदायिक विद्वेष की निंदा करते हैं। एकता के महत्व के बारे में बनर्जी ने कहा, हम एक धर्मनिरपेक्ष, बहुलवादी राष्ट्र हैं। हर किसी को अपने अपने धर्म का पालन करने का अधिकार है। बहुसंख्यकों का कर्तव्य अल्पसंख्यकों की रक्षा करना है। हमें अपने देश की संप्रभुता और धर्मनिरपेक्षता की रक्षा करनी चाहिए।

बनर्जी ने कहा कि तृणमूल कांग्रेस सभी धर्मों का सम्मान करती है और शांति एवं सद्भाव बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने धर्मनिरपेक्षता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हुए कहा, मैं सभी धर्मों से प्यार करती हूं और हम किसी भी राजनीतिक दल द्वारा किसी भी समुदाय के खिलाफ नफरत फैलाने के प्रयासों की निंदा करते हैं।

बनर्जी ने लोकतंत्र और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार के महत्व पर जोर देते हुए अपने संबोधन का समापन किया। उन्होंने राजनीतिक संवाद में परस्पर सम्मान का आह्वान करते हुए कहा, मैं लोकतंत्र का सम्मान करती हूं। मैं विपक्ष से अनुरोध करती हूं कि मुझे बोलने दें। अगर आपके पास कहने के लिए कुछ है, तो कहें। आइए हम सम्मानजनक बातचीत करें। मैं यहां लोगों की सेवा करने के लिए हूं। बनर्जी की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा के मुख्य सचेतक शंकर घोष ने कहा, तृणमूल कांग्रेस विधानसभा में अपना दबदबा बनाना चाहती है...हमने आपकी चिंताओं को सुना है और हमें उम्मीद है कि आप अपने सिद्धांतों को नहीं छोड़ेंगी। इसके बाद भाजपा ने सदन से बहिर्गमन किया और बाद में विधानसभा के बाहर धरना दिया।

बंगाल सरकार ने शांतिनिकेतन सोनाझुरी हाट पर होली कार्यक्रम पर प्रतिबंध लगाया

कोलकाता।(भाषा) पश्चिम बंगाल सरकार ने इस साल बीरभूम जिले के शांतिनिकेतन में लोकप्रिय सोनाझुरी हाट पर होली समारोह पर प्रतिबंध लगा दिया है, ताकि वन क्षेत्र में हरियाली को कोई नुकसान न पहुंचे। एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। सोनाझुरी हाट विश्व भारती के शांतिनिकेतन परिसर के पास स्थित है, जो यूनेस्को धरोहर स्थल है। बोलपुर प्रभागीय वन अधिकारी राहुल कुमार ने बताया कि इलाके में कई बैनर लगाए गए हैं, जिनमें लोगों से अनुरोध किया गया है कि वे वहां न तो वाहन खड़ा करें और न ही रंगों का त्योहार मनाएं। उन्होंने कहा कि आगंतुकों से होली उत्सव का वीडियो न बनाने का भी अनुरोध किया गया है। कुमार ने पीटीआई-भाषा से कहा कि विभाग प्रतिबंध लागू करने के लिए पुलिस और प्रशासन से सहयोग मांगेगा, लेकिन बेहतर होगा कि लोग खुद ही होली न खेलें। केंद्रीय विश्वविद्यालय विश्वभारती के प्रवक्ता ने कहा कि यूनेस्को धरोहर स्थल के दर्जे को ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय के अधिकारी होली पर लाखों लोगों के लिए परिसर क्षेत्र को नहीं खोल सकते।

दरभंगा की महापौर ने नमाज के लिए होली के जश्न में दो घंटे के विराम का आह्वान किया, विवाद छिड़ा

दरभंगा।पटना।(भाषा) बिहार के दरभंगा की महापौर ने जुमे की नमाज के दौरान होली के जश्न में दो घंटे के विराम का आह्वान किया है जिसे लेकर नया विवाद खड़ा हो गया है। हालांकि, बाद में उन्होंने अपना बयान वापस ले लिया और दावा किया कि उनके बयान की गलत व्याख्या की गई है और वह माफी मांगने के लिए तैयार हैं। दरभंगा में हाल में प्रशासन की शांति समिति की बैठक में महापौर अंजुम आरा ने यह बात कही थी।

अंजुम आरा ने बाद में संवाददाताओं से कहा, मैंने सुझाव दिया था कि जुमे की नमाज का समय टाला नहीं जा सकता इसलिए अपराह्न 12 बजे से अपराह्न दो बजे तक दो घंटे के दौरान हिंदू समुदाय के लोग मस्जिदों के आसपास वाले इलाकों में जाने से बचें। महापौर ने कहा, इससे दोनों धर्मों के लोग बिना किसी परेशानी के अपनी-अपनी परंपराएं निभा सकेंगे। हम समझते हैं कि होली साल में एक बार ही आती है लेकिन हमें यह भी ध्यान रखना चाहिए कि मुसलमानों के लिए यह रमजान का पाक महीना है। मधुबनी जिले से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक हरि भूषण ठाकुर बचौल ने महापौर की इस टिप्पणी पर असंतोष प्रकट किया है। हाल में मुसलमानों को होली के दिन घर के अंदर रहने का सुझाव देने के कारण चर्चा में आए बचौल ने पटना स्थित राज्य विधानसभा परिसर में संवाददाताओं से कहा, ए गजवा-ए-हिंद की बात करने वाले लोग हैं। ए मुस्लिम स्टेट बनाने की लालसा रखने वाले लोग हैं। इनकी मंशा को कभी भी पूरा नहीं होने दिया जाएगा। ए लोग समाज में आग लगाने वाले लोग हैं। इन पर कार्वाई होनी चाहिए। बचौल ने अंजुम आरा और उनके परिवार के संदेहास्पद रिकॉर्ड की जांच की भी मांग की। अंजुम आरा के बारे में कहा जाता है कि वह भाजपा की सहयोगी एवं मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पार्टी जनता दल (यूनाइटेड) की समर्थक हैं। हालांकि, जद(यू) के वरिष्ठ नेता एवं मंत्री श्रवण कुमार ने कहा, प्रशासन को लोगों को यह नहीं बताना चाहिए कि उन्हें कब और कैसे कोई पर्व मनाना है। ए निर्णय समाज पर छोड़ देना ही बेहतर है और प्रशासन को हमेशा कानून का शासन बनाए रखने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। उन्होंने बचौल की टिप्पणियों को भी खारिज करते हुए कहा, निर्वाचित प्रतिनिधियों को कभी भी ऐसी भाषा का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए जिससे समाज के एक वर्ग को ठेस पहुंचे। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के विधायक भाई वीरेंद्र ने कहा कि दरभंगा की महापौर ने बचौल जैसे लोगों की ध्रुवीकरण की रणनीति का जवाब दिया है, जो गंगा-जमुनी तहजीब को नष्ट करने पर तुले हुए हैं।

केरल त्रि-भाषा नीति का समर्थन करता है लेकिन हिंदी थोपने के खिलाफ : मंत्री बिंदु

तिरुवनंतपुरम। (भाषा) त्रि-भाषा नीति को लेकर तमिलनाडु सरकार और केंद्र के बीच जारी टकराव के बीच केरल की उच्च शिक्षा मंत्री आर बिंदु ने बुधवार को कहा कि राज्य ने हमेशा त्रि-भाषा नीति को प्रोत्साहित किया है, लेकिन हिंदी थोपे जाने का कड़ा विरोध किया है। बिंदु ने यहां पत्रकारों से कहा कि केरल चाहता है कि छात्र कई भाषाएं सीखें और यहां तक कि भाषा नेटवर्किंग के लिए उत्कृष्टता केंद्र भी स्थापित किया गया है। उन्होंने कहा, हम चाहते हैं कि छात्र विदेशी भाषाएं भी सीखें, यही वजह है कि हमने भाषा नेटवर्किंग के लिए उत्कृष्टता केंद्र की स्थापना की है। हालांकि, मंत्री ने दोहराया कि राज्य हिंदी थोपे जाने का विरोध करता है। बिंदु ने कहा, इसके साथ ही हम सभी भाषाओं के प्रति सहिष्णुता अपनाते हैं। विभिन्न भाषाओं को आत्मसात करना शुरू से ही केरल की संस्कृति का हिस्सा रहा है। उन्होंने कहा कि केरल की लंबी तटरेखा ऐतिहासिक रूप से विभिन्न विदेशी समूहों को राज्य की ओर आकर्षित करती रही है, जिससे भाषाई विविधता को बढ़ावा मिला है। मंत्री ने कहा, तब से हमने विभिन्न विदेशी भाषाओं को अपनाया है। अब हमारी नीति छात्रों को कई भाषाएं सीखने के लिए प्रोत्साहित करना है, जिसमें मलयालम को तरजीह दी जा रही है।

एक प्रधानमंत्री के पत्राचार को देश के सामने क्यों नहीं लाया जाना चाहिए: शेखावत

भाषा। नई दिल्ली

पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू से संबंधित निजी दस्तावेजों के संग्रह को व्यापक रूप से सुलभ बनाने की मांग के बीच केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने बुधवार को कहा कि बेहद निजी पत्रों को छोड़कर, एक प्रधानमंत्री के पत्राचार को देश के सामने क्यों नहीं लाया जाना चाहिए? नेहरू मध्य दिल्ली में स्थित तीन मूर्ति भवन में रहते थे। इस भवन को उनकी मृत्यु के बाद नेहरू स्मारक संग्रहालय और पुस्तकालय (एनएमएमएल) में बदल दिया गया था जिसमें पुस्तकों और दुर्लभ अभिलेखों का समृद्ध संग्रह है। एनएमएमएल सोसाइटी ने जून 2023 में आयोजित अपनी विशेष बैठक में इसका नाम बदलकर प्रधानमंत्री संग्रहालय एवं पुस्तकालय (पीएमएमएल) सोसाइटी रखने का संकल्प लिया था। पीएमएमएल सोसाइटी के एक सदस्य ने पिछले साल दिसंबर में कहा था कि उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी से नेहरू से संबंधित निजी दस्तावेजों के संग्रह को व्यापक रूप से सुलभ बनाने के लिए कहा है, जिन्हें तत्कालीन संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) की अध्यक्ष सोनिया गांधी के कहने पर 2008 में तत्कालीन एनएमएमएल से वापस ले लिया गया था। इस मुद्दे पर पूछे जाने पर शेखावत ने पीटीआई-वीडियो से कहा, यदि देश के प्रधानमंत्री ने किसी को पत्र लिखा है, तो बेहद निजी पत्रों को छोड़कर, यह देश के सामने क्यों नहीं आना चाहिए। अहमदाबाद के एक स्थानीय कॉलेज में इतिहास पढ़ाने वाले रिजवान कादरी ने सितंबर में भी कांग्रेस नेता सोनिया गांधी को पत्र लिखकर नेहरू से संबंधित उन निजी दस्तावेजों तक भौतिक या डिजिटल पहुंच की अनुमति देने का अनुरोध किया था, जो उनके पास हैं। कादरी ने कहा था कि इन दस्तावेजों में नेहरू और जयप्रकाश नारायण, एडविना माउंटबेटन और अल्बर्ट आइंस्टीन समेत अन्य हस्तियों के बीच पत्राचार से संबंधित रिकॉर्ड हैं। पीएमएमएल संस्कृति मंत्रालय के तहत एक स्वायत्त संस्था है। बातचीत के दौरान, संस्कृति और पर्यटन मंत्री शेखावत से एआईएमआईएम नेता असदुद्दीन ओवैसी द्वारा 10 मार्च को लोकसभा में एएसआई को लेकर लगाए गए आरोपों के बारे में भी पूछा गया।

ओवैसी ने पूरक प्रश्न पूछते हुए आरोप लगाया था, पिछले 50 साल से भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) हिंदुत्व की विचारधारा को आगे बढ़ाने के लिए काम कर रहा है। उन्होंने पूछा, एएसआई को डिटॉक्सिफाई (विषमुक्त) करने के लिए सरकार क्या कदम उठाएगी। क्या सरकार सुनिश्चित करेगी कि एएसआई संविधान के धर्मनिरपेक्षता और बहुलवाद के सिद्धांत के साथ काम करे? आरोपों को खारिज करते हुए शेखावत ने कहा कि नरेन्द्र मोदी सरकार किसी विशेष समुदाय को विशेषाधिकार दिए बिना सबका साथ, सबका विकास के दृष्टिकोण पर काम कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि देश में कुछ ऐसे लोग या वर्ग हैं जो 55 वर्षों से तुष्टीकरण से फायदा उठाते रहे हैं।

शेखावत ने कहा कि सरकार पिछले लगभग 11 वर्षों से सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास के मंत्र के साथ काम कर रही है, लेकिन कुछ विशेषाधिकार प्राप्त वर्ग जो (तुष्टीकरण से) लाभान्वित हुए हैं, वे अभी भी ऐसे मुद्दे देखते हैं। शेखावत ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 10 वर्षों के दौरान भारत के विकास की गति के कारण भारत के बारे में दुनिया का नजरिया बदल गया है। शेखावत ने भारत में विदेशी पर्यटकों की आमद को बढ़ावा देने के लिए पर्यटन मंत्रालय द्वारा किए गए विभिन्न प्रयासों पर भी प्रकाश डाला, जिनमें पर्यटन अवसंरचना विकास योजना के लिए केंद्रीय एजेंसियों को सहायता के तहत कार्यक्रम और वित्तीय सहायता शामिल है।

एनएमडीएफसी ने तीन वर्षों में 2,347 करोड़ रुपए के रियायती ऋण वितरित किए: रीजीजू: नई दिल्ली।राष्ट्रीय अल्पसंख्यक विकास और वित्त निगम (एनएमडीएफसी) ने पिछले तीन वर्षों के दौरान 2,347.15 करोड़ रुपए का रियायती ऋण वितरित किया है, जिससे अल्पसंख्यक समुदायों के 5.50 लाख से अधिक पात्र लोगों को इसका लाभ मिला। अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने बुधवार को लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में यह जानकारी दी। रीजीजू ने कहा कि रियायती ऋण के लिए एनएमडीएफसी पात्रता मानदंड में कहा गया है कि व्यक्तियों को एक अधिसूचित राष्ट्रीय अल्पसंख्यक, विशेष रूप से बौद्ध, ईसाई, जैन, मुस्लिम, पारसी और सिख से संबंधित होना चाहिए।

भारत, मॉरीशस ने आठ समझौतों पर हस्ताक्षर किए

भाषा। पोर्ट लुइस

भारत और मॉरीशस ने अपने संबंधों का विस्तार करते हुए इन्हें विस्तारित रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक पहुंचाया और व्यापार एवं समुद्री सुरक्षा सहित कई क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के लिए आठ समझौतों पर हस्ताक्षर किए। वहीं, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ग्लोबल साउथ के विकास के लिए एक महत्वाकांक्षी दृष्टिकोण की घोषणा की। हस्ताक्षरित समझौतों में सीमा पार लेनदेन के लिए राष्ट्रीय मुद्राओं के उपयोग को बढ़ावा देना, समुद्री डाटा साझा करना, धनशोधन से निपटने में संयुक्त कार्य और एमएसएमई (सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम) क्षेत्र में सहयोग बढ़ाना शामिल है। पोर्ट लुइस की अपनी दो दिवसीय यात्रा के दूसरे और अंतिम दिन मोदी ने मुख्य अतिथि के रूप में मॉरीशस के राष्ट्रीय दिवस समारोह में भाग लिया।

पोर्ट लुइस में मॉरीशस के राष्ट्रपति धरमवीर गोखुल (बाएं) व प्रधानमंत्री नवीनचंद्र रामगुलाम (दाएं) के साथ भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

भारतीय नौसेना के एक युद्धपोत और भारतीय वायुसेना की आकाशगंगा स्काईडाइविंग टीम के साथ भारतीय सशस्त्र बलों की एक टुकड़ी ने भी समारोह में भाग लिया। मॉरीशस के अपने समकक्ष नवीनचंद्र रामगुलाम के साथ वार्ता के बाद मोदी ने ग्लोबल साउथ के लिए भारत के नए दृष्टिकोण की घोषणा की और इसे महासागर या क्षेत्रों में सुरक्षा एवं विकास के लिए पारस्परिक और समग्र उन्नति (म्यूचुअल एंड होलिस्टिक एडवांस्मेंट फॉर सिक्योरिटी एंड ग्रोथ एक्रॉस रीजन्स) नाम दिया। यह नीतिगत दृष्टिकोण हिंद महासागर में अपने प्रभाव का विस्तार करने के चीन के अथक प्रयासों की पृष्ठभूमि में आया है।

मोदी ने कहा कि एक स्वतंत्र, मुक्त, सुरक्षित और संरक्षित हिंद महासागर भारत और मॉरीशस की साझा प्राथमिकता है। उन्होंने और रामगुलाम ने इस बात पर सहमति जताई कि रक्षा सहयोग एवं समुद्री सुरक्षा दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।

प्रधानमंत्री ने अपने मीडिया वक्तव्य में कहा, हम मॉरीशस के विशेष आर्थिक क्षेत्र की सुरक्षा में पूर्ण सहयोग देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। नए दृष्टिकोण की घोषणा प्रधानमंत्री द्वारा 2015 में मॉरीशस की यात्रा के दौरान नई दिल्ली की सागर या क्षेत्र में सभी के लिए सुरक्षा और विकास (सिक्योरिटी एंड ग्रोथ फॉर ऑल इन द रीजन्स) की घोषणा के 10 साल बाद हुई, जिसने हिंद महासागर क्षेत्र के साथ भारत की भागीदारी के लिए आधार बनाया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, हमारा दृष्टिकोण विकास के लिए व्यापार की भावना, सतत उन्नति के लिए दक्षता विकास और साझा भविष्य के लिए आपसी सुरक्षा पर केंद्रित है। उन्होंने कहा, इसके तहत प्रौद्योगिकी साझाकरण, रियायती ऋण और अनुदान के माध्यम से सहयोग सुनिश्चित किया जाएगा।

प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि भारत मॉरीशस में नए संसद भवन के निर्माण में सहयोग करेगा और यह लोकतंत्र की जननी की ओर से मॉरीशस के लिए एक उपहार होगा। दोनों देशों के बीच रणनीतिक सहयोग पर चर्चा करते हुए मोदी ने कहा कि मॉरीशस को उसके तटरक्षक बल की जरूरतों को पूरा करने में हरसंभव मदद प्रदान की जाएगी तथा भारत देश में एक पुलिस अकादमी एवं राष्ट्रीय समुद्री सूचना साझाकरण केंद्र की स्थापना में सहायता करेगा। उन्होंने कहा, श्वेत नौवहन, नीली अर्थव्यवस्था और जल विज्ञान पर सहयोग को मजबूत किया जाएगा। हम चागोस द्वीपसमूह विवाद के संदर्भ में मॉरीशस की संप्रभुता का पूरा सम्मान करते हैं।

1965 में मॉरीशस को आजाद करने के बाद ब्रिटेन ने हिंद महासागर में मौजूद चागोस द्वीपसमूह को मॉरीशस से अलग कर दिया था। हालांकि, मॉरीशस आज भी इस द्वीप पर अपना अधिकार जताता है। भारत हिंद महासागर में चागोस द्वीपसमूह पर ब्रिटेन के साथ पारस्परिक रूप से लाभकारी समझौते तक पहुंचने के मॉरीशस के प्रयासों का समर्थन करता रहा है। पिछले साल अक्टूबर में ब्रिटेन ने एक ऐतिहासिक समझौते के तहत आधी सदी से अधिक समय के बाद चागोस द्वीपसमूह की संप्रभुता मॉरीशस को सौंपने के अपने फैसले की घोषणा की।

मॉरीशस के पूर्व प्रधानमंत्री प्रविंद जगन्नाथ के कार्यकाल के दौरान हुए इस समझौते के तहत ब्रिटेन चागोस द्वीपसमूह पर अपनी संप्रभुता का त्याग कर देगा, लेकिन सबसे बड़े द्वीप डिएगो गार्सिया पर ब्रिटेन-अमेरिका सैन्य एयरबेस को लेकर 99 साल का पट्टा बनाए रखेगा। हालांकि, रामगुलाम के नेतृत्व वाली मॉरीशस की नई सरकार ने चागोस द्वीपसमूह पर ब्रिटेन के साथ बातचीत फिर से शुरू करने की मांग की और समझौते पर फिर से विचार करने की मांग की। अपने संबोधन में मोदी ने कहा कि उन्होंने और रामगुलाम ने भारत-मॉरीशस संबंधों को विस्तार देते हुए इसे विस्तारित रणनीतिक साझेदारी का दर्जा देने का फैसला किया है। उन्होंने कहा, हम आर्थिक और सामाजिक प्रगति के पथ पर एक-दूसरे के साझेदार हैं। चाहे प्राकृतिक आपदा हो या कोविड-19 महामारी जैसी आपदा, हमने हमेशा एक-दूसरे का साथ दिया है।

प्रधानमंत्री ने कहा, चाहे रक्षा हो या शिक्षा, स्वास्थ्य हो या अंतरिक्ष, हम हर क्षेत्र में कंधे से कंधा मिलाकर चल रहे हैं। मोदी ने कहा, पिछले 10 वर्षों में हमने अपने संबंधों में कई नए आयाम जोड़े हैं। हमने विकास सहयोग और दक्षता विकास में नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। प्रधानमंत्री ने भारत की सहायता से मॉरीशस में क्रियान्वित की जाने वाली कई विकास परियोजनाओं की भी घोषणा की। उन्होंने कहा कि 100 किलोमीटर लंबी जल पाइपलाइन के आधुनिकीकरण का काम किया जाएगा।

प्रधानमंत्री ने कहा कि सामुदायिक विकास परियोजनाओं के दूसरे चरण में 50 करोड़ मॉरीशस रुपए की नई परियोजनाएं शुरू की जाएंगी। मोदी ने कहा, हम स्थानीय मुद्राओं में आपसी व्यापार करने पर भी सहमत हुए हैं। उन्होंने मॉरीशस में भारत से सहायता प्राप्त विभिन्न परियोजनाओं का भी उल्लेख किया, जिनमें मॉरीशस में गति के लिए मेट्रो एक्सप्रेस, न्याय के लिए सर्वोच्च न्यायालय भवन, बेहतर आवास के लिए सामाजिक आवास, अच्छे स्वास्थ्य के लिए ईएनटी अस्पताल, व्यापार और पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए यूपीआई (यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस) और रुपे कार्ड शामिल हैं।

मोदी और रामगुलाम ने मॉरीशस को अटल बिहारी वाजपेई लोक सेवा एवं नवाचार संस्थान भी समर्पित किया। प्रधानमंत्री ने दोनों देशों के लोगों के बीच आपसी संबंधों पर भी बात की। मोदी ने कहा, हम एआई (कृत्रिम बुद्धिमत्ता) और डीपीआई के उपयोग के लिए मिलकर काम करेंगे, जो मानव विकास में डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना है। उन्होंने कहा, मॉरीशस के लोगों के लिए भारत में चार धाम यात्रा और रामायण यात्रा के लिए सुविधाएं प्रदान की जाएंगी। पश्चिमी हिंद महासागर में स्थित द्वीपीय राष्ट्र मॉरीशस के साथ भारत के घनिष्ठ और दीर्घकालिक संबंध हैं। विशेष संबंधों का एक प्रमुख कारण यह तथ्य है कि इस द्वीपीय देश की 12 लाख की आबादी में लगभग 70 प्रतिशत भारतीय मूल के लोग हैं। भारत 2005 से मॉरीशस के सबसे बड़े व्यापारिक साझेदारों में से एक रहा है।

अमेरिका के उपराष्ट्रपति वेंस के इस महीने के अंत में भारत आने की संभावना

न्यूयॉर्क। अमेरिका के उपराष्ट्रपति जे डी वेंस के इस महीने के अंत में भारत की यात्रा करने की संभावना है। मीडिया में प्रकाशित एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। अमेरिकी समाचार पत्र पोलिटिको की एक रिपोर्ट में कहा गया है, वेंस अपनी पत्नी उषा वेंस के साथ इस महीने के अंत में भारत की यात्रा करेंगे। पोलिटिको ने इस योजना से परिचित तीन सूत्रों का हवाला देते हुए यह जानकारी दी। रिपोर्ट में कहा गया है, वेंस उपराष्ट्रपति बनने के बाद अपनी पहली विदेश यात्रा के तहत पिछले महीने फ्रांस और जर्मनी गए थे। भारत की यात्रा उपराष्ट्रपति के रूप में वेंस की दूसरी विदेश यात्रा है। उषा वेंस के माता-पिता कृष चिलुकुरी और लक्ष्मी चिलुकुरी 1970 के दशक के अंत में भारत से अमेरिका आए थे। उषा वेंस देश की द्वितीय महिला (उपराष्ट्रपति की पत्नी) के रूप में पहली बार अपने पैतृक देश की यात्रा करेंगी।

युद्ध-विराम संकेतों के बीच यूक्रेन में रूस के मिसाइल हमले, पांच नागरिकों की मौत

कीव। रूस की ओर से यूक्रेन में मंगलवार देर रात किए गए मिसाइल हमलों में कम से कम पांच नागरिकों की मौत हो गई। यूक्रेनी अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। ए हमले ऐसे समय में किए गए, जब सऊदी अरब में कीव और वाशिंगटन के बीच मंगलवार को हुई बातचीत के दौरान अमेरिका के डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने यूक्रेन को रूस के आक्रमण से निपटने के लिए दी जाने वाली सैन्य मदद पर लगाई गई रोक हटा ली और यूक्रेनी अधिकारियों ने संकेत दिए कि वे 30 दिन के युद्ध-विराम के लिए तैयार हैं। अमेरिका दोनों पक्षों के बीच युद्ध-विराम का समर्थन कर रहा है। वार्ता में अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल का प्रतिनिधित्व करने वाले विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने कहा कि वाशिंगटन यूक्रेन का युद्ध-विराम प्रस्ताव क्रेमलिन (रूस के राष्ट्रपति कार्यालय) के समक्ष रखेगा।

उन्होंने कहा, हम (रूसियों को) इस पेशकश से अवगत कराएंगे। यूक्रेन गोलीबारी रोककर बातचीत शुरू करने के लिए तैयार है। और अब यह उन पर निर्भर करता है कि वे हां कहते हैं या ना। अगर वे ना कहते हैं, तो दुर्भाग्यवश हमें पता चल जाएगा कि क्षेत्र में शांति स्थापना की दिशा में क्या बाधा है। क्रेमलिन ने फिलहाल अमेरिका और यूक्रेन के बीच सैन्य सहायता के संबंध में मंगलवार को हुए समझौते और यूक्रेन के साथ युद्ध-विराम की संभावनाओं पर कोई टिप्पणी नहीं की है। क्रेमलिन के प्रवक्ता दमित्रि पेस्कोव ने बुधवार को पत्रकारों से कहा कि यह महत्वपूर्ण है कि 30 दिन के युद्ध-विराम प्रस्ताव से जुड़े सवाल को टाला न जाए। मॉस्को अमेरिका से इस संबंध में विस्तृत जानकारी मिलने का इंतजार कर रहा है और रूस उक्त जानकारी हासिल होने के बाद ही कोई रुख अपना सकता है।

ट्रंप के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ इस हफ्ते मॉस्को की यात्रा पर जा सकते हैं, जहां वह रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मिल सकते हैं। मामले से वाकिफ एक अधिकारी ने नाम न जाहिर करने की शर्त पर यह जानकारी दी। इस बीच, यूक्रेन के बुनियादी ढांचा मंत्री ओलेक्सी कुलेबा ने बताया कि रूस की बैलिस्टिक मिसाइल ने मंगलवार देर रात ओडेसा बंदरगाह पर खड़े जहाज को निशाना बनाया, जिससे उस पर मौजूद 18 से 24 साल की उम्र के चार सीरियाई नागरिकों की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि जहाज पर उस समय हमला हुआ, जब इस पर अल्जीरिया के लिए यूक्रेनी गेहूं लादा जा रहा था। कुलेबा के मुताबिक, रूस ने मध्य यूक्रेन में राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के गृहनगर क्रीवीह रिह में भी मिसाइल हमला किया, जिसमें एक महिला की मौत हो गई।

नासा की अंतरिक्ष दूरबीन प्रक्षेपित, पूरे आकाश व करोड़ों आकाशगंगाओं का अध्ययन करेगी

भाषा। वंडेनबर्ग स्पेस फोर्स बेस (अमेरिका)

नासा की नवीनतम अंतरिक्ष दूरबीन को मंगलवार को प्रक्षेपित किया गया जो पूरे आकाश का अध्ययन करेगी। यह शुरुआत से लेकर अब तक करोड़ों आकाशगंगाओं और उनकी साझा ब्रह्मांडीय चमक (कॉस्मिक ग्लो) का व्यापक अध्ययन करेगी। स्पेसएक्स ने कैलिफोर्निया से स्फीरेक्स वेधशाला को प्रक्षेपित किया। सूर्य का अध्ययन करने के लिए सूटकेस के आकार के चार उपग्रह भी साथ में भेजे गए।

कुल 48.8 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्फीरेक्स मिशन का उद्देश्य यह पता लगाना है कि अरबों वर्षों में आकाशगंगाएं कैसे बनीं और विकसित हुईं तथा कैसे ब्रह्मांड का इतनी तेजी से विस्तार हुआ। स्फीरेक्स उन तारों के बीच बर्फीले बादलों में पानी और जीवन के अन्य तत्वों की खोज करेगा जहां नए सौर मंडल उभर रहे हैं।

कैलिफोर्निया इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के मिशन के मुख्य वैज्ञानिक जेमी बॉक ने कहा कि ब्रह्मांडीय चमक ब्रह्मांड के इतिहास में अब तक जितना भी प्रकाश उत्सर्जित हुआ है, उसे अपने अंदर समेटे हुए है।

उन्होंने कहा कि यह ब्रह्मांड को देखने का एक बहुत ही अलग तरीका है, जिससे वैज्ञानिकों को यह पता लगाने में मदद मिलेगी कि अतीत में प्रकाश के कौन से स्रोत छूट गए थे। बॉक ने कहा कि वैज्ञानिकों को उम्मीद है कि सामूहिक चमक का अवलोकन करके वे शुरुआती आकाशगंगाओं से प्रकाश संबंधी जानकारी जुटा सकेंगे तथा यह जान सकेंगे कि वे कैसे बनीं।

यूक्रेन के साथ युद्धविराम समझौते को स्वीकार करना रूस पर निर्भर: ट्रंप

न्यूयॉर्क, वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि यूक्रेन के साथ रूस 30 दिन के युद्धविराम पर सहमत हो जाएगा। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने बुधवार को इसे एक सकारात्मक कदम बताया और कहा कि मॉस्को को इसे स्वीकार करने के लिए राजी करना अमेरिका पर निर्भर है। अमेरिका और यूक्रेन के वरिष्ठ अधिकारियों ने मंगलवार को सऊदी अरब के जेद्दा में वार्ता की। वार्ता के दौरान रूस और यूक्रेन के बीच तीन साल से अधिक समय से जारी युद्ध को समाप्त करने पर ध्यान केंद्रित किया गया, जिसमें 30 दिन के युद्धविराम को स्वीकार करने का संकेत दिया गया। जेद्दा में घोषणा के तुरंत बाद ट्रंप ने यहां कहा, कुछ समय पहले यूक्रेन ने युद्धविराम पर सहमति जताई थी। अब हम रूस से संपर्क करने जा रहे हैं और उम्मीद है कि राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन भी इस पर सहमत होंगे।

उन्होंने अपने ट्रुथसोशल अकाउंट पर पोस्ट किए गए वीडियो में कहा, अगर हम रूस को राजी कर लेते हैं, तो यह बहुत बढ़िया होगा। अगर हम ऐसा नहीं कर पाते हैं, तो हम लगातार इस संबंध में प्रयास करते रहेंगे क्योंकि युद्ध में लोग मारे जा रहे हैं। ट्रंप ने रूस के साथ जल्द होने वाली बैठकों के बारे में भी बात की जो उनके विशेष दूत स्टीव विटकॉफ के संदर्भ में था, जिनके रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात के लिए मॉस्को जाने की संभावना है। यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने कहा कि अमेरिकी पक्ष उनके देश के तर्कों को समझता है और उनके प्रस्तावों पर विचार करता है। उन्होंने कहा कि वे दोनों देशों की टीम के बीच रचनात्मक बातचीत के लिए राष्ट्रपति ट्रंप के आभारी हैं।

जेलेंस्की ने जेद्दा से घोषणा के कुछ घंटों बाद कहा, यूक्रेन इस प्रस्ताव को स्वीकार करने के लिए तैयार है। हम इसे एक सकारात्मक कदम के रूप में देखते हैं और इसे करने के लिए तैयार हैं। अब, रूस को भी ऐसा करने के लिए राजी करना अमेरिका पर निर्भर है। अगर रूस सहमत होता है, तो युद्धविराम तुरंत प्रभावी हो जाएगा। यूक्रेन के राष्ट्रपति ने इस बारे में एक वीडियो संदेश जारी किया, जिसका लिखित विवरण उनके आधिकारिक एक्स हैंडल पर भी पोस्ट किया गया है। उन्होंने कहा, आज की वार्ता के दौरान अमेरिकी पक्ष ने एक और भी बड़ा पहला कदम उठाने का प्रस्ताव रखा - 30 दिन का पूर्ण अंतरिम युद्धविराम, जिससे न केवल काला सागर में, बल्कि समूचे अग्रिम मोर्चे पर मिसाइल, ड्रोन और बम हमले रुकेंगे।

उन्होंने कहा, यूक्रेन की स्थिति पूरी तरह से स्पष्ट है। यूक्रेन इस युद्ध की शुरुआत से ही शांति की बात करता रहा है और हम इसे जल्द से जल्द तथा विश्वसनीय तरीके से हासिल करने के लिए सबकुछ करना चाहते हैं ताकि युद्ध की वापसी न हो। जेलेंस्की ने उन तीन प्रमुख बिंदुओं के बारे में भी बात की जो उनकी टीम ने जेद्दा में अमेरिकियों के साथ बैठक के दौरान प्रस्तावित किए थे। उन्होंने कहा, ए तीन प्रमुख बिंदु हैं: आसमान में शांति यानी मिसाइल हमलों, बमों और लंबी दूरी के ड्रोन हमलों को रोकनाअ समुद्र में शांति तथा इस पूरी स्थिति में वास्तविक विश्वास-निर्माण के कदम, जिस बारे में कूटनीति जारी है और जिसका मुख्य रूप से आशय युद्धबंदियों एवं बंदियों (सैन्य और नागरिक दोनों) की रिहाई तथा यूक्रेनी बच्चों की वापसी से है, जिन्हें जबरन रूस स्थानांतरित कर दिया गया था।

रूस की ओर से इस बारे में अब तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है। इस बीच, जेद्दा से घोषणा आने के तुरंत बाद ट्रंप सरकार ने यूक्रेन के साथ सैन्य सहायता और खुफिया जानकारी साझा करने पर लगा अपना निलंबन हटा लिया। यह कदम एक सप्ताह पहले युद्ध को समाप्त करने के बारे में बातचीत के लिए जेलेंस्की को मजबूर करने के एक स्पष्ट प्रयास में उठाया गया था।

ट्रंप और पुतिन के बीच फोन पर बहुत जल्द बातचीत हो सकती है : रूस

मॉस्को। रूस ने अमेरिका के यूक्रेन को सैन्य मदद और खुफिया जानकारी साझा करने पर लगाई गई रोक हटाने के एक दिन बाद बुधवार को कहा कि जरूरत पड़ने पर राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और उनके अमेरिकी समकक्ष डोनाल्ड ट्रंप के बीच फोन पर बहुत जल्द बातचीत हो सकती है। रूस की सरकारी समाचार एजेंसी टीएएसएस ने क्रेमलिन (रूस के राष्ट्रपति कार्यालय) के हवाले से दी गई खबर में कहा कि रूस इस संभावना से इनकार नहीं करता है कि अमेरिका-यूक्रेन वार्ता के बाद पुतिन और ट्रंप के बीच टेलीफोन पर बातचीत की जरूरत महसूस हो सकती है और दोनों नेताओं के बीच इसकी व्यवस्था बहुत जल्द की जा सकती है। क्रेमलिन के प्रवक्ता दमित्री पेस्कोव ने कहा, हम इस बात से भी इनकार नहीं करते कि उच्चतम स्तर पर बातचीत की मांग उठ सकती है। अगर ऐसी जरूरत पड़ती है, तो इसकी व्यवस्था बहुत जल्दी कर ली जाएगी। अमेरिकियों के साथ बातचीत के मौजूदा चैनल अपेक्षाकृत कम समय में ऐसा करना संभव बनाते हैं।

ट्रंप की घोषणाओं के बाद ब्रिटेन सभी विकल्प खुले रखेगा: पीएम स्टार्मर

भाषा। लंदन

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने बुधवार को कहा कि दुनिया भर से इस्पात एवं एल्युमीनियम के आयात पर 25 प्रतिशत सीमा शुल्क लगाने के अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के फैसले को देखते हुए ब्रिटेन सभी विकल्पों को खुला रखेगा। स्टार्मर ने ब्रिटिश संसद के निचले सदन में साप्ताहिक प्रधानमंत्री प्रश्न (पीएमक्यू) सत्र के दौरान लिबरल डेमोक्रेट सर एड डेवी के सवाल का जवाब देते हुए यह बात कही।

डेवी ने अमेरिकी व्यापार शुल्क कदमों के परिप्रेक्ष्य में ब्रिटिश प्रधानमंत्री से अधिक मजबूती दिखाने का आग्रह करते हुए कहा कि इससे ब्रिटेन की कंपनियां प्रभावित होंगी। ब्रिटिश प्रधानमंत्री ने ट्रंप की नवीनतम कार्वाइयों पर कहा, शुल्क के मसले पर हर किसी की तरह मैं भी इस्पात और एल्युमीनियम के संबंध में वैश्विक शुल्क दर देखकर निराश हूं। लेकिन हम एक व्यावहारिक दृष्टिकोण अपनाएंगे।

स्टार्मर ने कहा, हम एक आर्थिक सौदे पर बातचीत कर रहे हैं, जिसमें शुल्क प्रावधान भी शामिल होंगे। अगर हम सफल होते हैं तो इसमें शुल्क भी आ जाएंगे। इसके साथ हम सभी विकल्पों को खुला रखेंगे। उनका यह बयान ब्रिटेन के व्यापार एवं व्यवसाय मंत्री जोनाथन रेनॉल्ड्स के उस बयान के तत्काल बाद आया है जिसमें अतिरिक्त शुल्क को खत्म करने और ब्रिटिश व्यवसायों और अर्थव्यवस्था को लाभ पहुंचाने के लिए अमेरिका के साथ एक व्यापक आर्थिक समझौते पर तेजी से बातचीत करने की बात कही गई थी।

पाकिस्तान ट्रेन हमले में बचे यात्रियों ने सुनाई खौफनाक आपबीती

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान प्रांत में जिस ट्रेन को उग्रवादियों ने मंगलवार को निशाना बनाया, उसके एक यात्री मुश्ताक मोहम्मद ने आपबीती सुनाते हुए कहा कि हमले के उस खौफनाक मंजर को वह कभी भुला नहीं पाएंगे। मुश्ताक उन यात्रियों में शामिल हैं जिन्हें यात्री ट्रेन पर ब्लूच उग्रवादियों के हमले के बाद बचाया गया। सुरक्षा अधिकारियों के अनुसार, पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान प्रांत में मंगलवार को एक सुरंग में बलूच उग्रवादियों द्वारा एक यात्री ट्रेन पर हमला किए जाने के बाद सुरक्षा बलों ने कम से कम 27 उग्रवादियों को मार गिराया और 155 यात्रियों को बचा लिया गया। सुरक्षा सूत्रों ने बताया कि बचाव अभियान के दौरान 37 यात्री घायल हो गए और उन्हें चिकित्सकीय उपचार मुहैया कराया गया है।

नौ डिब्बों में लगभग 500 यात्रियों को लेकर जाफर एक्सप्रेस ट्रेन क्वेटा से खैबर पख्तूनख्वा के पेशावर जा रही थी तभी सशस्त्र हमलावरों ने मंगलवार की दोपहर को बोलान क्षेत्र में पीरू कुनरी और गुदलार के पहाड़ी इलाकों के पास एक सुरंग में उसे रोक लिया। बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने बाद में इस हमले की जिम्मेदारी ली। कुछ यात्रियों ने दावा किया कि हमलावरों ने उनसे कहा था कि वे बलूच, महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों को छोड़ रहे हैं लेकिन सरकारी अधिकारियों ने दावा किया कि उनमें से 100 से अधिक लोगों को उन्होंने बचाया है। बीबीसी उर्दू की एक रिपोर्ट के अनुसार, ट्रेन के डिब्बा संख्या तीन में सवार मुश्ताक ने कहा, हमले की शुरुआत में एक बड़ा विस्फोट हुआ। उसने कहा, इसके बाद गोलीबारी शुरू हो गई जो एक घंटे तक जारी रही। यह ऐसा मंजर था जिसे कभी नहीं भुलाया जा सकता।

इसी ट्रेन के डिब्बा संख्या सात में सवार इशाक नूर नाम का यात्री अपनी पत्नी और दो बच्चों के साथ क्वेटा से रावलपिंडी जा रहा था। इशाक नूर ने कहा, विस्फोट इतना जोरदार था कि ट्रेन की खिड़कियां एवं दरवाजे हिल गए और मेरे पास बैठा मेरा एक बच्चा नीचे गिर गया। गोलीबारी करीब 50 मिनट तक चली होगी... इस दौरान हम सांस तक नहीं ले पा रहे थे, हमें नहीं पता था कि क्या होगा। मुश्ताक ने कहा कि गोलीबारी धीरे-धीरे बंद हो गई और हथियारबंद लोग ट्रेन के डिब्बों में घुस आए। उन्होंने कहा, उन्होंने कुछ लोगों के पहचान पत्र देखने शुरू कर दिए और उनमें से कुछ को अलग कर दिया। तीन उग्रवादी हमारे डिब्बे के दरवाजों पर पहरा दे रहे थे। उन्होंने लोगों से कहा कि वे आम नागरिकों, महिलाओं, बूढ़े और बलूच लोगों से कुछ नहीं कहेंगे। मुश्ताक ने कहा कि हमलावर आपस में बलूची भाषा में बात कर रहे थे और उनका नेता उनसे बार-बार कह रहा था कि वे सुरक्षाकर्मियों पर खास नजर रखें और वे हाथ से निकलने न पाएं।

सिंगापुर में भारतीय मूल के व्यक्ति को लड़के के यौन उत्पीड़न के मामले में साढ़े 10 साल की कैद

भाषा। सिंगापुर

सिंगापुर में भारतीय मूल के एक व्यक्ति को 2007 में 16 वर्षीय लड़के का यौन उत्पीड़न करने के मामले में साढ़े 10 साल से ज्यादा कारावास की सजा सुनाई गई है। अभियोजन ने बताया कि रंजीत प्रसाद को अदालत ने अप्राकृतिक यौनाचार का दोषी पाया है। स्ट्रेट्स टाइम्स की सोमवार की खबर के मुताबिक, अदालत ने तीन मार्च को अपना फैसला सुनाया और अपराधी को 10 साल छह महीने की सजा सुनाई। व्यक्ति ने 2007 में लड़के के साथ दुष्कर्म किया था। प्रसाद ने मामले में अपनी दोषसिद्धि और सजा को चुनौती देने का फैसला किया है।

जिला न्यायाधीश जॉन नग ने प्रसाद को सजा सुनाते समय इस बात को ध्यान में रखा कि दोषी ने अपने पद का दुरुपयोग किया है, जो पहले पीपुल्स एसोसिएशन (पीए) में युवाओं के साथ काम करता था। पीए यहां सामाजिक सेवाएं संचालित करने वाली एक सरकारी संस्था है। न्यायाधीश ने कहा कि इन घटनाओं से पीड़ित के जीवन पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा है। प्रसाद की इस लड़के से पहली मुलाकात 2007 में पाया लेबर स्थित एक कार्यालय में हुई थी। दोषी उस समय दक्षिण पूर्व और उत्तर पश्चिम सामुदायिक विकास परिषदों (सी.डी.सी.) में पी.ए. की सामुदायिक परियोजनाओं का प्रबंधन कर रहा था और दक्षिण पूर्व सी.डी.सी. के युवा नेटवर्क कार्यक्रम की देखरेख कर रहा था। अपनी गवाही में पीड़ित ने कहा कि वह युवा नेटवर्क में शामिल होने को लेकर उत्साहित था और वह मॉडलिंग भी करता था। इसके बाद, प्रसाद ने लड़के साथ अपने कार्यालय के शौचालय में और फिर बाद में एक होटल में दुष्कर्म किया। पीड़ित ने 24 अगस्त 2020 को पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

हूती ने इजराइली जहाजों पर हमले की धमकी दी

दुबई (संयुक्त अरब अमीरात)। यमन के हूती विद्रोहियों ने बुधवार सुबह चेतावनी दी कि गाजा पट्टी में भेजी जाने वाली सहायता सामग्री को रोकने की वजह से पश्चिम एशिया के जलक्षेत्र से गुजरने वाले इजराइली जहाजों को निशाना बनाया जाएगा। विद्रोहियों ने गाजा पट्टी को सहायता सामग्री भेजने पर लगाई गई रोक को हटाने के लिए इजराइल को चार दिन का वक्त दिया था। इसके बाद हूती के मानवीय संचालन समन्वय केंद्र ने यह बयान जारी कर इजराइली पोतों को निशाना बनाने की धमकी दी है। बयान में कहा गया है, हम आशा करते हैं कि यह समझा जाएगा कि (हूती सेना) द्वारा की गई कार्वाई... उत्पीड़ित फलस्तीनी लोगों के प्रति धार्मिक, मानवीय और नैतिक जिम्मेदारी की गहरी भावना से उपजी है और इसका उद्देश्य इजराइली अतिक्रमणकारी इकाई पर गाजा पट्टी की क्रॉसिंग को फिर से खोलने और खाद्य एवं चिकित्सा आपूर्ति सहित सहायता सामग्री के प्रवेश की अनुमति देने के लिए दबाव डालना है। इसने कहा कि जहाजों को लाल सागर, अदन की खाड़ी, बाब अल-मंदेब जलडमरूमध्य और अरब सागर में निशाना बनाया जाएगा।

मध्यमार्गी-दक्षिणपंथी पार्टी ने ग्रीनलैंड का संसदीय चुनाव जीता

नुक (ग्रीनलैंड)। ग्रीनलैंड में मध्यमार्गी-दक्षिणपंथी विचारधारा वाली डेमोक्रेटिट पार्टी ने सबसे अधिक वोट हासिल कर देश के संसदीय चुनाव में जीत दर्ज की है। ग्रीनलैंड पर नियंत्रण के संबंध में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बयान के बीच ए चुनाव हुए। डेमोक्रेटिट और दूसरे स्थान पर रही पार्टी नालेराक - पॉइंट ऑफ ओरिएंटेशन , दोनों ही डेनमार्क से स्वतंत्रता की पक्षधर हैं, लेकिन इसे लेकर दोनों में मतभेद हैं। वर्षों से इस क्षेत्र पर शासन करने वाली पार्टियों पर डेमोक्रेटिट की अप्रत्याशित जीत से यह संकेत मिलता है कि ग्रीनलैंड में कई लोग स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, सांस्कृतिक विरासत और अन्य सामाजिक नीतियों के प्रति भी उतने ही चिंतित हैं।

ग्रीन लैंड में मतदान के लिए पंक्ति में लगे लोग

फरवरी में प्रधानमंत्री म्यूट बोरुप एगेडे ने चुनाव की घोषणा निर्धारित समय से थोड़ा पहले की थी। देश को ऐसे गंभीर समय में एकजुट होने की जरूरत है जो ग्रीनलैंड ने पहले कभी अनुभव नहीं किया है। ट्रंप ग्रीनलैंड पर नियंत्रण की अपनी इच्छा के बारे में मुखर रहे हैं। उन्होंने पिछले सप्ताह कांग्रेस (अमेरिकी संसद) के संयुक्त सत्र को संबोधित करते हुए कहा था कि अमेरिका इसे (ग्रीनलैंड को) हर हाल में हासिल करके रहेगा। ग्रीनलैंड, डेनमार्क का एक स्वशासित क्षेत्र है जो उत्तरी अटलांटिक में रणनीतिक रूप से अहम हवाई एवं समुद्री मार्गों से जुड़ा हुआ है और इसमें मोबाइल फोन से लेकर अक्षय ऊर्जा प्रौद्योगिकी तक सब कुछ बनाने के लिए आवश्यक दुर्लभ खनिजों के समृद्ध भंडार हैं।

यह माना जा रहा था कि एगेडे की इनुइट एटाकेटिगिट (संयुक्त इनुइट) चुनाव में जीत हासिल करेगी, उसके बाद सिउमुट का स्थान होगा। ए दोनों पार्टी हाल के वर्षों में ग्रीनलैंड की राजनीति पर हावी रही हैं। डेनमार्क से अलग होने का विचार मतपत्र में नहीं था। 56 हजार लोगों की आबादी वाला यह द्वीप 2009 से स्वतंत्रता की ओर अग्रसर है और चुने गए 31 सांसद, द्वीप के भविष्य को आकार देंगे क्योंकि देश में इस बात को लेकर बहस जारी है कि क्या स्वतंत्रता की घोषणा करने का समय आ गया है। चुनावी दौड़ में शामिल पांच मुख्य दलों में से चार ने स्वतंत्रता की मांग की लेकिन यह कब और कैसे होगा, इस बात को लेकर उनमें असहमति थी। नालेराक सबसे आक्रामक रूप से स्वतंत्रता के पक्ष में है, जबकि डेमोक्रेटिट बदलाव की अधिक उदार गति की पक्षधर है। पोलर रिसर्च एंड पॉलिसी इनिशिएटिव के प्रबंध निदेशक ड्वेन मेनेजेस ने कहा, स्वतंत्रता के लिए कौन सा दृष्टिकोण विजई होगा यह अंततः इस बात पर निर्भर करेगा कि डेमोक्रेटिट पार्टी गठबंधन सरकार बनाने का फैसला करती है या नहीं और अगर ऐसा होता है तो वह किस पार्टी के साथ गठबंधन में सरकार बनाएगी।

सीएमवाईके प्रिंटेक के लिए तथा उसी की ओर से मुद्रक एवं प्रकाशक शोबोरी गाँगुली द्वारा द इंडियन एक्सप्रेस प्रा.लि. सी-26 अमौसी इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज लखनऊ से मुद्रित एवं चौथी मंजिल, सहारा शापिंग सेंटर, फैजाबाद रोड, लखनऊ (फोन: 0522-4036600) से प्रकाशित। प्रधान सम्पादक: शोबोरी गाँगुली, स्थानीय सम्पादक: विजय प्रकाश सिंह।
पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं।

रोहित जैसे महान खिलाड़ियों को अपना भविष्य तय करने का अधिकार मिलना चाहिए: वेंगसरकर

भाषा। नई दिल्ली

चैंपियन्स ट्रॉफी के दौरान रोहित शर्मा के संन्यास की गैरजरूरी अटकलों ने पूर्व कप्तान दिलीप वेंगसरकर को बेहद निराश किया क्योंकि उनका मानना है कि मौजूदा भारतीय कप्तान जैसे महान खिलाड़ियों को अपने भविष्य पर फैसला करने के लिए समय मिलना चाहिए। नौ महीने में भारत को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) का दूसरा खिताब दिलाने के बाद रोहित ने स्वयं अपने भविष्य को लेकर सभी अटकलों को खारिज करते हुए कहा कि वह एकदिवसीय प्रारूप से संन्यास नहीं ले रहे हैं। सैंतीस साल के रोहित ने अब तक 2027 एकदिवसीय विश्व कप के लिए प्रतिबद्धता नहीं जताई है लेकिन वेंगसरकर का मानना है कि उनकी मौजूदगी टीम के लिए अच्छी ही होगी।

वेंगसरकर ने कहा, मैं कोई ज्योतिषी नहीं हूं। 2027 विश्व कप तक अभी बहुत सारे मैच होने हैं। बहुत कुछ उनकी फॉर्म और फिटनेस पर निर्भर करेगा। इस समय कुछ भी कहना उचित नहीं है लेकिन वह कप्तान और खिलाड़ी दोनों के रूप में शानदार रहे हैं। मुझे नहीं पता कि लोगों ने (उनके संन्यास पर) क्यों अटकलें लगाईं, यह गैरजरूरी है। उनके जैसे कद के खिलाड़ी को अपने भविष्य के बारे में फैसला करने का अधिकार होना चाहिए। टी20 विश्व कप 2024 और चैंपियन्स ट्रॉफी दोनों में बल्लेबाजी के लिए चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में रोहित ने प्रभावशाली पारियां खेली। दुबई में उन्होंने सुनिश्चित किया कि भारत पावरप्ले का अधिक से अधिक लाभ उठाए, विशेषकर फाइनल में न्यूजीलैंड के खिलाफ बेहद दबाव में लक्ष्य का पीछा करते समय।

वेंगसरकर ने कहा, वह इस समय जिस तरह से खेल रहे हैं वह शानदार है। उन्होंने एकदिवसीय क्रिकेटर में में तीन दोहरे शतक बनाए हैं। मैं उनके बारे में और क्या कह सकता हूं। इस पूर्व मुख्य चयनकर्ता ने कहा, विराट और रोहित जैसे खिलाड़ी बड़े मैच के खिलाड़ी हैं, जितना बड़ा मंच होगा, प्रदर्शन उतना ही बेहतर होगा। टीम के दृष्टिकोण से यह बहुत महत्वपूर्ण है। उनकी मौजूदगी ही विपक्षी टीम का मनोबल गिरा देती है। रोहित के लिए चैंपियन्स ट्रॉफी किस्मत बदलने वाली रही क्योंकि लंबे समय तक खराब फॉर्म के कारण उन्हे सिडनी में अंतिम टेस्ट से बाहर होना पड़ा था।

दुबई की धीमी पिचों पर श्रेयस अय्यर और लोकेश राहुल जैसे खिलाड़ियों ने भारत की खिताबी जीत में महत्वपूर्ण योगदान दिया। आईपीएल जीतने और उसी समय केंद्रीय अनुबंध से बाहर के साथ एक उतार-चढ़ाव भरे साल के बाद अय्यर ने टीम में अपनी अहमियत साबित की। वेंगसरकर मध्यक्रम के इस बल्लेबाज के प्रदर्शन से काफी खुश हैं।

वेगसरकर ने कहा, अय्यर ने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया लेकिन फाइनल में जिस तरह से वह आउट हुए मैं उससे खुश नहीं हूं। उन्हें अंत तक खेलना चाहिए था और मैच खत्म करना चाहिए था। उन्हें अपनी क्षमता का एहसास करते देखकर खुशी हुई। उन्होंने कहा, लोकेश राहुल ने भी छठे नंबर पर कुछ महत्वपूर्ण पारियां खेलीं लेकिन फिर भी मुझे अक्षर पटेल को उनसे आगे पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी कराने पर भरोसा नहीं है। बाएं-दाएं हाथ का संयोजन ही एकमात्र कारण हो सकता है। वेंगसरकर ने अजीत अगरकर की अगुआई वाली चयन समिति को भी श्रेय दिया। उन्होंने कहा, इसका श्रेय चयनकर्ताओं को भी जाना चाहिए।

रोहित आईसीसी वनडे रैंकिंग में तीसरे पायदान पर पहुंचे, गिल शीर्ष पर बरकरार

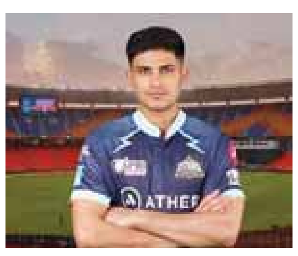

दुबई। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में अपने शानदार प्रदर्शन के बाद आईसीसी की नवीनतम एकदिवसीय बल्लेबाजों की रैंकिंग में दो पायदान के सुधार के साथ तीसरे स्थान पर पहुंच गए, जबकि उनके सलामी जोड़ीदार शुभमन गिल शीर्ष स्थान पर बरकरार हैं। रोहित ने न्यूजीलैंड के खिलाफ चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में बल्लेबाजी के लिए मुश्किल परिस्थितियों में 83 गेंदों पर 76 रन की पारी खेल टीम को चार विकेट से जीत दिलाने में अहम भूमिका अदा की। आठ टीमों के आईसीसी टूर्नामेंट में 218 रन बनाने वाले स्टार भारतीय बल्लेबाज विराट कोहली एक पायदान नीचे खिसककर पांचवें स्थान पर आ गए, जबकि श्रेयस अय्यर आठवें स्थान पर है। रैंकिंग में शीर्ष 10 में चार भारतीय शामिल हैं। न्यूजीलैंड के डेरिल मिचेल (एक स्थान ऊपर चढ़कर छठे स्थान पर), रचिन रवींद्र (14 स्थान ऊपर चढ़कर 14वें स्थान पर) और ग्लेन फिलिप्स (छह स्थान ऊपर चढ़कर 24वें स्थान पर) की तिकड़ी भी रैंकिंग में बड़ा सुधार करने में सफल रही।

न्यूजीलैंड के कप्तान और बाएं हाथ के स्पिनर मिचेल सेंटनर ने वनडे गेंदबाजों की सूची में बड़ा सुधार किया है। फाइनल में दो विकेट के साथ चैंपियंस ट्रॉफी में कुल नौ विकेट लेने वाले सेंटनर छह स्थान के सुधार के साथ दूसरे पायदान पर पहुंच गए। इस सूची में श्रीलंका के ऑफ स्पिनर महीश तीक्षणा शीर्ष पर हैं। कुलदीप यादव और रविंद्र जडेजा की स्पिन जोड़ी चैंपियंस ट्रॉफी में अपने शानदार प्रदर्शन के बाद तीन-तीन पायदान ऊपर चढ़कर शीर्ष 10 में पहुंच गई।

HAPPY HOLI

Dr. Aparna Chaudhary
M.B.B.S., D.Ch.
Neonatologist & Child Specialist
Mob.: 9935934901

Dr. Rohit Chaudhary
M.B.B.S., D.M.R.D.
Radiologist
Mob.: 9956581243

Chaudhary Child Care & Diagnostic Center Khirni Bagh, Near Majestic Talkies, Shahjahanpur (U.P.)
Ph.: 05842-280148